डाक पंजीयन नं. 99/2018-20 E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष-13 अंक-26 प्रयागराज, रविवार 29 जून 2025 से शनिवार 05 जुलाई 2025 तक पृष्ठ- 8 मूल्य-03रु

मिसाइलों से लैस ब्रिटेन का एफ-35 जेट केरल की बारिश में खुला खड़ा, 15 दिन बाद भी क्यों नहीं उड़ा

नयी दिल्ली। केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर मिसाइलों से लैस ब्रिटिश एफ-35 विमान 14

दिनों से खड़ा है। करीब 940 करोड़ रुपए का ये एडवांस्ड फाइटर जेट खुले आसमान के नीचे बारिश, धूप और धूल झेल रहा है। भारत के प्रस्ताव के बावजूद ब्रिटेन इसे एयरपोर्ट हैंगर के भीतर नहीं ले गया। इससे कई सवाल उठ रहे हैं।ब्रिटिश नेवी का विमानवाहक पोत 'एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स' 6 मई 2025 को एक नेवल एक्सरसाइज के लिए हिंद महासागर पहुंचा था। इसी पोत में 24 एफ -35 फाइटर जेट तैनात थे। 14 जून की रात इनमें से एक एफ-35 ने उड़ान भरी, उस वक्त 'एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स' केरल से 100 समुद्री मील यानी करीब 185 किमी दूर था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद भारत के रडार डेटा पर इस विमान ने इमरजेंसी ट्रांसपॉन्डर कोड SQUAWK 700 भेजा। ये एक इमरजेंसी खतरे का सिग्नल होता है, जिसे विमान एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीएस को तब भेजते हैं, जब तत्काल मदद की जरूर होती है। अंग्रेजी अखबार 'द हिंदू' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खराब मौसम के चलते विमान ने इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। केरल के तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल की परमिशन के बाद रात करीब 9 बजकर 30 मिनट पर विमान ने एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। कई अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान में पर्याप्त फ्यूल नहीं था। ब्रिटेन की रॉयल नेवी ने ईंधन भरने की अनुमति मांगी, जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया। रिफ्यूलिंग के बाद विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में गड़बड़ी आ गई, जिस वजह से ये दोबारा उड़ान नहीं भर सका और पिछले 14 दिनों से तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर खुले आसमान के नीचे खड़ा है।भारत ने बारिश-धूप झेल रहे एफ -35 विमान को खुले आसमान से हटाकर बंद जगह में खड़ा करने का ऑफर किया। इसे एयरपोर्ट का हैंगर कहा जाता है। विमान के लिए एक अस्थायी शेड बनाने की भी बात कही। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटिश नेवी ने प्रोटोकॉल का हवाला देकर इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। इसके पीछे तीन वजहें हो सकती हैंष्ठएफ -35 स्टेल्थ जेट है, यानी ये रडार की पकड़ में नहीं आता। साथ ही इसमें हवाई युद्ध के ऐसे एडवांस्ड हथियार हैं, जिन्हें नाटो में शामिल ब्रिटेन जैसे देश टॉप सीक्रेट रखते हैं। ब्रिटिश नेवी को डर है कि बंद जगह में भारत एयरक्राफ्ट का माइक्रो इंस्पेक्शन कर सकता है और ये टेक्नोलॉजी लीक हो सकती है।युद्ध की स्थिति में 'बेनिफिट ऑफ एम्बिगुइटी' यानी हथियारों और सेना वगैरह की सटीक जानकारी छिपाकर जंग में फायदा उठाया जाता है। अगर भारत को एफ -35 की सारी तकनीक पता चल जाए, तो एयरबैटल में उसे मार गिराना आसान हो जाएगा।ये कोई सामान्य विमान नहीं, पांचवी पीढ़ी का स्टेल्थ फाइटर जेट है, जिसकी कीमत करीब 1 हजार करोड़ है। साथ ही इसका सामरिक महत्व है। इससे किसी तरह की छेड़छाड़ या हमला न हो, इसलिए सख्त सुरक्षा में रखा गया है। एयरपोर्ट प्रबंधन विमानों को पार्किंग सुविधा देने के पैसे लेता है। तिरुवनंतपुरम की एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कंफर्म किया है कि एफ -35 की पार्किंग का भी चार्ज लिया जाएगा। हालांकि एयरपोर्ट पर ऐसे मिलिट्री ग्रेड के विमानों की पार्किंग नहीं होती, इसलिए कितना चार्ज लगेगा यह पहले से तय नहीं है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक भारत सरकार विमान पार्किंग के चार्ज तय करेगी।इंडियन एयरफोर्स का कहना है कि ब्रिटिश एफ -35 का डायवर्जन

एक सामान्य बात है। एयरफोर्स को इसकी पूरी जानकारी है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने भी इमरजेंसी में भारत के सहयोग के लिए आभार जताया है। हालांकि इस विमान के भारत पहुंचने की टाइमिंग की वजह से सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने सवाल उठाए हैं। 13 जून को इजराइल ने ईरान पर हवाई हमला शुरू किया था। अटकलें लगाई जा रही थीं कि ब्रिटेन और अमेरिका भी ईरान पर हमला शुरू कर सकते हैं। कुछ एफ यूजर्स ने लिखा कि ब्रिटेन, ईरान पर हमले के पहले एफ -35 का स्टेल्थ फीचर जांचना चाहता था, इसलिए वह बहुत कम फ्यूल के साथ इंडियन एयर स्पेस में दाखिल हुआ और जब भारतीय रडार पर पकड़ा गया तो इमरजेंसी कॉल दे दी। कुछ यूजर्स का कहना है कि ये विमान भारत का एयर डिफेंस परखने आया था कि भारतीय रडार एफ -35बी को डिटेक्ट कर सकते हैं या नहीं। स्ट्रैटेजिक एक्सपर्ट विवेक मिश्र कहते हैं, 'ब्रिटेन से हमारे अच्छे संबंध हैं। ऐसे में इस बात की संभावना कम है कि उसने किसी तरह की जासूसी या इंटेलिजेंस इनपुट जुटाने के लिए एफ-35 को भेजा था। एफ -35 में ऐसी खामियां आती रही हैं। अमेरिका को जापान से एफ-35 का पूरा बेड़ा वापस मंगवाना पड़ा था। हालांकि जासूसी की संभावना से भी पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता।' ईंधन भरने के बाद विमान ने वापस अपने कैरियर पोत यानी 'प्रिंस ऑफ वेल्स' के लिए उड़ान भरने की कोशिश की, लेकिन ब्रिटिश हाई कमीशन के बयान के मुताबिक, विमान में इंजीनियरिंग से जुड़ी दिक्कत आ गई, जिसके चलते इसे उड़ाया नहीं जा सका। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान का हाइड्रोलिक सिस्टम फेल हो गया था। ब्रिटिश पोत प्रिंस ऑफ वेल्स के टेक्नीशियंस ने ये दिक्कत दूर करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। दरअसल, फाइटर जेट्स में हाइड्रोलिक सिस्टम बहुत जरूरी होता है। ये लैंडिंग से लेकर उड़ान के दौरान जेट को हवा में पैंतरेबाजी करने में मदद करता है। एफ-35 जैसे एडवांस्ड फाइटर जेट्स के रखरखाव के लिए अलग से बेसेज की जरूरत होती है। केरल में ऐसा बेस नहीं है। साथ ही ब्रिटेन नहीं चाहता है कि भारत इसकी मरम्मत में शामिल हो। इसलिए अब ब्रिटेन से एक पूरी टीम पहुंच रही है, जो विमान को सुधारने की कोशिश करेगी। जब ब्रिटिश टेक्नीशियन विमान को ठीक नहीं कर पाए तो उन्होंने विशेषज्ञों की टीम और विमान सुधारने खास तरह के टूल्स की डिमांड की। अब एफ-35 को ठीक करने ब्रिटेन से 40 विशेषज्ञों की टीम आ रही है। ब्रिटिश हाई-कमीशन के प्रवक्ता के मुताबिक, टीम के आने के बाद जेट को हैंगर में ले जाया जाएगा, जहां इसकी रिपेयरिंग का काम चलेगा। विशेषज्ञों की टीम अपने साथ विमान को टो करने वाली विशेष गाड़ी लेकर आ रही है, जिससे इसे हैंगर तक ले जाया जा सके। अगर जेट रिपेयर नहीं हो पाता है, तो इसे वापस ले जाने के लिए एयरलिफ्ट करना होगा। ब्रिटिश रॉयल नेवी के सी-17 ग्लोबमास्टर 3 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट विमान के जरिए इसे वापस ब्रिटेन ले जाया जा सकता है।इसी साल फरवरी में पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत को एफ-35 का ऑफर दिया था। ट्रम्प ने मोदी के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि इस साल अमेरिका, भारत के साथ मिलिट्री डील कई अरब डॉलर तक बढ़ाएगा। हालांकि ट्रम्प की घोषणा के बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बताया था कि भारत-अमेरिका के बीच ऐसी कोई डील अभी शुरू नहीं हुई है। वहीं मार्च में एयर मार्शल एपी सिंह ने भी बताया था कि अमेरिका ने एफ-35 बेचने का कोई आधिकारिक ऑफर नहीं दिया है। विवेक मिश्र कहते हैं कि भारत को पता है कि अमेरिका उसे एफ-35 का सोर्स कोड नहीं देगा, ऊपर से ये बहुत महंगा विमान है, इसलिए भारत इसे खरीदना नहीं चाहता है।

'आई मिस यू पूनम, आई हेट यू' मेरा प्यार अधूरा रह गया-लिखकर वकील ने सुसाइड किया

प्रयागराज। दरअसल, वकील की

शादी घरवालों ने दूसरी जगह तय कर दी थी। 16 मई को बारात जानी थी, कार्ड बंट गए थे, लेकिन ऐन वक्त पर उसने प्रेम प्रसंग के चलते शादी से इनकार कर दिया। शुक्रवार रात उसका शव किराए के मकान में लटका मिला। मकान मालिक ने इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी। पुलिस का कहना है- वकील ने खुदकुशी की है। सुसाइड नोट मिला है। शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला हंडिया थाना क्षेत्र का है। सिविल कोर्ट के वकील अजय साहू की मौत के बाद मां शकुंतला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। ''मेरा 9 साल का प्यार अधूरा रह गया। आई मिस यू पूनम। आई हेट यू पूनम। तुम खुश रहना। मैं जा रहा हूं।' प्रयागराज में सुसाइड नोट में यह बातें लिखकर शुक्रवार रात वकील ने आत्महत्या कर ली।' कुकुहा गांव के रहने वाले अजय साहू (27) सिविल कोर्ट में वकील थे। झूंसी में त्रिवेणीपुरम निवासी बृजेन्द्र कुमार राय के मकान में किराए के कमरे में रहते थे। शुक्रवार शाम वह कचहरी से कमरे पर पहुंचे। देर रात करीब 10 बजे उन्होंने पंखे में प्लास्टिक की रस्सी बांधकर फंदा लगा लिया। रात करीब 10.30 बजे मकान मालिक ने अजय के कमरे का दरवाजा खटखटाया। मगर दरवाजा नहीं खुला। कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, फिर उन्होंने कमरे की खिड़की को खोलकर देखा तो अजय का शव फंदे से लटक रहा था। उन्होंने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने वकील के शव को फंदे से नीचे उतारा। शव देख परिजनों मे कोहराम मच गया। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला।

सोनम कांड को याद कर सोया नहीं सितारा का पति

प्रयागराज। दुल्हन सितारा की कहानी में हर रोज नए खुलासे हो रहे

हैं। सितारा ने कहा था- सुहागरात पर कप्तान ने मुझे पीटा था। इसके बाद पति कप्तान ने शुक्रवार को कहा कि सितारा लगातार मुझ पर दबाव बना रही थी कि हनीमून ट्रिप पर केदारनाथ लेकर चलो। मैंने भी कह दिया था कि ठीक है...वहीं चलते हैं।मगर सुहागरात पर ही बॉयफ्रेंड के बारे में पता चलने पर ट्रिप कैंसिल कर दी। उसने एक ऑडियो सुनाया, जिसमें अमन कह रहा था- जो भी तुमसे शादी करेगा। उसको काट दूंगा, मेरे 10-15 ऐसे दोस्त है, परेशान मत हो।कप्तान के मुताबिक, मेरे जेहन में वही केस चलने लगा कि कैसे सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी को पहाड़ों पर ले जाकर कत्ल किया। मैं इतना सहम गया था कि 3 रात ठीक से सोया नहीं, क्योंकि पहली ही रात वो घूंघट में चाकू लेकर बैठी थी।

एक और राजा रघुवंशी- पति की बाइक में लगाया जीपीएस, हत्यारों को लोकेशन दी,2 लाख की सुपारी

कुरनूल। 'शादी के बाद भी ऐश्वर्या अपने प्रेमी तिरुमला से पूरा दिन फोन पर बात करती थी। उसके पति तेजेश्वर

को ये बात पसंद नहीं थी। दोनों के बीच काफी कहासुनी होती थी। गुस्से में ऐश्वर्या ने तेजेश्वर को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली।''तिरुमला ने सुपारी किलर्स को 2 लाख रुपए दिए। ऐश्वर्या ने तेजेश्वर की बाइक में चुपके से जीपीएस ट्रैकर लगाया और उसकी हर एक्टिविटी के बारे में सुपारी किलर्स को बताने लगी। तेजेश्वर को मारने की 5 बार कोशिश की गई, लेकिन वो हर बार बच जाता। आखिर में आरोपियों ने उसे जमीन के सर्वे के बहाने कुरनूल बुलाया और मार डाला। जांच में पता चला है कि हत्या से पहले ऐश्वर्या और तिरुमला के बीच फोन पर 2 हजार बार बात हुई। 'ये बात बताने वाले तेलंगाना के सीनियर पुलिस अधिकारी तेजेश्वर मर्डर केस की जांच कर रहे हैं। कुरनूर के गडवाल के रहने वाले 32 साल के तेजेश्वर लैंड सर्वेयर थे। 18 मई को उनकी शादी हुई थी। तेजेश्वर की हत्या का आरोप उनकी पत्नी ऐश्वर्या, उसके प्रेमी तिरुमला राव समेत 5 लोगों पर है। ऐश्वर्या ने शादी के एक महीने बाद पति के मर्डर की साजिश रची या शादी के पहले से ये प्लान था, तेलंगाना पुलिस आरोपियों तक कैसे पहुंची, ये सवाल हमने तेलंगाना पुलिस और तेजेश्वर के घरवालों से पूछे। राजा रघुवंशी मर्डर केस से मिलते-जुलते इस मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।तेजेश्वर कुरनूल जिले से 60 किलोमीटर दूर गडवाल कस्बे में रहते थे। परिवार में पापा गंता जयरामुलू, मां शकुंतला, भाई तेजवर्धन और बहन सुषमा हैं। तेजवर्धन ने ही 17 जून को गडवाल थाने में तेजेश्वर की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। तेजवर्धन कहते हैं, 'तेजेश्वर मेरा जुड़वा भाई था। बहुत सीधा-साधा और मेहनती लड़का था। घर चलाने के लिए नौकरी के साथ-साथ बच्चों को डांस सिखाता था। ऐश्वर्या से शादी तय होते ही चीजें बिगड़ने लगीं।' 'शादी से कुछ दिन पहले ऐश्वर्या बिना बताए अचानक घर से चली गई थी। तभी हमने तेजेश्वर को समझाया कि ऐसी लड़की से शादी करना ठीक नहीं है, लेकिन वो नहीं माना।' '17 जून को मेरा भाई लापता हो गया। मैं ऐश्वर्या को गौर से देख रहा था।**आगे की खबर पेज न. 5 पर...**

पुरी में तीनों रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे,9 दिन मौसी के यहां ठहरेंगे भगवान, दो दिन की रथ यात्रा में 10 लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे

पुरी। ओडिशा के पुरी में सालाना जगन्नाथ यात्रा का शनिवार को दूसरा दिन है। आज सुबह 10 बजे फिर

रथयात्रा शुरू हुई। भक्तों ने तीनों रथों को खींचना शुरू किया। सुबह 11.20 बजे भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज और दोपहर 12.20 बजे देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ और इनके बाद भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ 1.11 बजे गुंडिचा मंदिर पहुंच गया है। मुख्य मंदिर से गुंडिचा मंदिर की दूरी 2.6 किमी दूर है। 8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु होने की वजह से अभी दो से तीन घंटे और लग सकते हैं। गुंडिचा मंदिर में भगवान 9 दिन ठहरेंगे। पुरी में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। इससे मौसम में अच्छा हो गया है। कल की अपेक्षा आज भीड़ 10-20फीसदी कम है, लेकिन आज भी कई लोग बीमार हो गए। पिछले दिन में 650 से श्रद्धालुओं के तबीयत खराब होने की खबर है। शुक्रवार को रथ यात्रा में 10 लाख से ज्यादा लोग थे। देर शाम देवी सुभद्रा के रथ के आसपास भीड़ का दबाव बढ़ने से 625 से श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ गई। प्रशासन के मुताबिक, 70 अस्पताल में भर्ती किया गया। इनमें से 9 की हालत गंभीर है।जगन्नाथ रथ यात्रा में पुरी जिला प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। ये कैमरे यात्रा मार्ग की निगरानी के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण में भी मदद कर रहे हैं। अपर पुलिस महानिदेशक (ट्रैफिक) दयाल गंगवार ने बताया कि इस तकनीक की मदद से श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।पुरी जिला अधिकारी सिद्धार्थ स्वैन ने एएनआई को बताया कि यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ काफी अधिक है। सभी अनुष्ठान समय पर हो रहे हैं। इस बार एनडीआरएफ को भी तैनात किया गया है। कल हमने 6-7 अवैध ड्रोन जब्त किए हैं, क्योंकि श्री जगन्नाथ मंदिर और गुंडिचा मंदिर के ऊपर ड्रोन उड़ाने की अनुमति नहीं है। भगवान बलभद्र का रथ तालध्वज 11.20 बजे गुंडिचा मंदिर पहुंच गया है। इसके बाद देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ पहुंचेगा। तीनों रथों सबसे पीछे भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ चल रहा है।पुरी रथ यात्रा में 10 लाख से अधिक भक्त पहुंचे हैं। भक्तों की भीड़ की वजह से नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन रथ रुक-रुककर आगे बढ़ रहे हैं।रथ यात्रा में दर्शन करने आई भक्त गोरांगी ने कहा- 'मैं भारत में 20 साल से रह रही हूं और इस

साल पहली बार मुझे रथ यात्रा में आने का अवसर मिला है। भगवान जगन्नाथ की कृपा से भक्तों को रथ यात्रा में दर्शन करने के लिए एक और दिन मिला है।'पुरी के फायर सर्विस डिपार्टमेंट के डीजी सुधांशु सरंगी कहते हैं- 'यात्रा में भगवान जगन्नाथ की कृपा से सब कुछ बहुत अच्छी तरह चल रहा है।

अहमदाबाद विमान हादसा-पायलट ने 2000 से ज्यादा जानें बचाईं, कुछ सेकंड पहले ही डाउन कर दिया था प्लेन

अहमदाबाद। 12 जून को ?एअर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने

वालों की संख्या हजारों में हो सकती थी। हालांकि, कैप्टन सुमित सभरवाल (56) की सूझबूझ की वजह से कई जानें बच गईं। सूत्रों के अनुसार, कैप्टन सुमीत को जब ये अहसास हो गया कि वे विमान क्रैश होने से नहीं रोक सकेंगे तो उन्होंने जानबूझकर विमान को ऐसी जगह गिराया जहां नुकसान कम से कम हो।बोइंग 787 विमान मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर गिरा। यह इलाका कम आबादी वाला था, लेकिन इसके चारों ओर घनी बस्ती और तीन बड़े अस्पताल हैं। विमान 3 सेकंड पहले या बाद में गिरता, तो तबाही बहुत बड़ी होती। क्रैश साइट के दाईं ओर मिलिट्री हॉस्पिटल है। आगे सिविल अस्पताल और थोड़ी दूरी पर गुजरात कैंसर सोसाइटी मेडिकल कॉलेज भी है।अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।दुर्घटना के बाद हादसे की जगह की जांच के दौरान मौजूद एक विमानन अधिकारी ने बताया कि गिरते हुए विमान की ट्रैजेक्टरी के अनुसार यह सीधा 1200 बेड वाले सिविल हॉस्पिटल पर क्रैश होने जा रहा था। शुरुआती जांच से पता चलता है कि पायलट ने इसे कुछ सेकंड पहले ही डाउन कर दिया। इससे, यह मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की छत से फिसलते हुए पेड़ों के बीच गिरा।अहमदाबाद प्लेन हादसे में जान गंवाने वाले एअर इंडिया विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल का 17 जून को मुंबई में अंतिम संस्कार किया गया था। सभरवाल के पास 8200 घंटे की उड़ान का अनुभव था। सभरवाल के अलावा फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर की भी हादसे में जान गई थी। कुंदर के पास 1100 घंटे की उड़ान का अनुभव था।एअर इंडिया के ड्रीमलाइनर प्लेन हादसे की जांच में संयुक्त राष्ट्र शामिल होगा। संयुक्त राष्ट्र की विमानन संस्था आईसीएओ (इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन) के एक विशेषज्ञ को ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल होने की इजाजत भारत सरकार ने दे दी है। आईसीएओ ने जांच में शामिल होने की इजाजत मांगी थी। भारत ने पारदर्शिता के साथ जांच करने के इरादे से संयुक्त राष्ट्र को इसमें शामिल करने का फैसला लिया है। हादसे की जांच 13 जून से ही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की टीम कर रही है। इसमें विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ, एयर ट्रैफिक कंट्रोल अफसर और अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के प्रतिनिधि भी शामिल हैं।

राहुल बोले- आरआरएस-बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए,आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा था- संविधान में सोशलिस्ट-सेक्युलर शब्दों पर बहस हो

नयी दिल्ली। संविधान से 'सोशलिस्ट' और 'सेक्युलर' शब्द हटाने पर विचार करने से जुड़े आरआरएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के बयान पर राहुल गांधी

ने शुक्रवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरआरएस और बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। संविधान इन्हें चुभता है, क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। राहुल ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'भाजपा-आरआरएस बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है।' दरअसल, होसबाले ने 26 जून को दिल्ली में कहा था कि मूल संविधान में सोशलिस्ट और सेक्युलर शब्द नहीं थे। इमरजेंसी के समय इन्हें जोड़ दिया गया था। 'आपातकाल के 50 साल' कार्यक्रम में होसबाले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा था, 'आपातकाल के दौरान भारत के संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द सेक्युलरिज्म और सोशलिज्म जोड़े गए। ये पहले संविधान की प्रस्तावना में नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। चर्चा हुई दोनों प्रकार के पक्ष रखे गए। तो क्या ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'इमरजेंसी के समय संविधान की हत्या की गई थी और न्यायपालिका की स्वतंत्रता खत्म कर दी गई थी। इमरजेंसी के दौरान एक लाख से ज्यादा लोगों को जेल में डाला गया, 250 से ज्यादा पत्रकारों को कैद किया गया, 60 लाख लोगों की जबरन नसबंदी करवाई गई। अगर ये काम उनके पूर्वजों ने किया था तो उनके नाम पर माफी मांगनी चाहिए।' दरअसल 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द 1976 में 42वें संशोधन के जरिए शामिल किए गए थे। इस दौरान देश में आपातकाल था। 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल की घोषणा की थी। यह 21 मार्च 1977 यानी 21 महीने तक लागू रहा था। भाजपा इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाती है। ऐसी व्यवस्था जिसमें आर्थिक और सामाजिक समानता हो, संसाधनों का समान वितरण हो और गरीबों, कमजोरों के अधिकारों की रक्षा की जाए। यानी भारत में आर्थिक और सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य सभी धर्मों का समान सम्मान करता है, किसी एक धर्म का पक्ष नहीं लेता और धर्म से ऊपर उठकर शासन करता है। यानी भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र रहेगा, जहां सभी धर्मों का समान सम्मान होगा और राज्य किसी एक धर्म का पक्ष नहीं लेगा।25 जून को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, 'जिस बात को 50 साल हो गए, ये लोग उसे बार-बार दोहरा रहे हैं। जिनका देश की आजादी के आंदोलन में कोई योगदान नहीं, जिनका संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा।

हिंदू समाज को स्नेह सूत्र में बांधना संघ का लक्ष्य,मोहन भागवत बोले- आरएसएस का मूल विचार अपनापन

नयी दिल्ली। आरएसएस प्रमुख

मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल विचार अपनापन है। अगर आरएसएस को एक शब्द में बयान किया जाए तो वह 'अपनापन' होगा। भागवत बोले- संघ का उद्देश्य पूरे हिंदू समाज को अपनेपन और स्नेह के सूत्र में बांधना है। साथ ही, हिंदू समाज ने यह जिम्मेदारी भी ली है कि वह पूरी दुनिया को भी इसी अपनेपन के सूत्र में बांधे। संघ प्रमुख भागवत पुणे में आयुर्वेदाचार्य दिवंगत वैद्य पीवाय खडीवाले की जीवनी के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे।जानवरों के मुकाबले इंसान के पास बुद्धि होती है। अगर वह बुद्धि का सही इस्तेमाल करे तो और बेहतर बन सकता है, लेकिन अगर उसी बुद्धि का गलत इस्तेमाल करे तो और भी बुरा बन सकता है। इंसान को बुराई से रोकने वाली एकमात्र चीज है अपनापन और स्नेह। 'गिविंग बैक' शब्द आज अंग्रेजी में फैशन बन गया है, लेकिन भारत में यह भावना बहुत पहले से है। भागवत ने कहा कि संघ यह सिखाता है कि अगर कोई आपके प्रति अपनापन दिखा रहा है, तो आपको भी वैसा ही स्नेह और करुणा दिखानी चाहिए। संघ क्या करता है। यह हिंदुओं को संगठित करता है। इस बढ़ती हुई आत्मीयता की भावना को और मजबूत किया जाना चाहिए, क्योंकि पूरा विश्व इसी से चलता है। वास्तविक एकता उस सामान्य सूत्र को पहचानने से आती है जो सभी को जोड़ता है।आरएसएस अपना शताब्दी वर्ष सैकड़ों हिंदू सम्मेलनों और सामुदायिक बैठकों के साथ मनाने जा रहा है। जो पूरे देश में आयोजित होंगे। 2 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन अखिल भारतीय योजना बनाई है। शुरुआत 26 अगस्त को दिल्ली में मोहन भागवत की तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला से होगी। इसके बाद ये व्याख्यान मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में आयोजित किए जाएंगे।

शिवालय पार्क का 2 बार हुआ उद्घाटन,शिलापट पर मंत्री जी का नाम नहीं, अब नाम लिखवाने के दिए निर्देश

प्रयागराज। प्रयागराज के अरैल रोड पर रोड पर नगर निगम की तरफ से शिवालय पार्क को तैयार कराया गया

था। जिसका उद्घाटन महाकुंभ की शुरुआत के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उसके बाद बीते 21 जून को महापौर गणेश केसरवानी ने फिर से कर दिया। इस बार उद्घाटन के समय लगाए गए शिलापट पर सब के नाम अंकित थे, लेकिन स्थानीय विधायक व प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी का ही नाम गायब हो गया। इसको लेकर 2 दिन पहले जिले के अधिकारियों के साथ मीटिंग के दौरान मंत्री नंदी ने नाराजगी जताते हुए शिलापट पर नाम लिखवाने के निर्देश दिए।प्रयागराज में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इसके पहले यमुना नदी पर बने नए पुल का उद्घाटन भी किया गया है। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार में 2004 में केंद्रीय मंत्री रहे मुरली मनोहर जोशी के प्रयास से नए पुल का निर्माण कराया गया था। सत्ता परिवर्तन होने के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नए पुल का खुद से ही फीता काटकर उसका उद्घाटन कर दिया। इसके साथ ही उसका नाम शहीद लियाकत अली के नाम पर रख दिया था। इसके बाद 2013 में अलोपीबाग में बने फ्लाईओवर का उद्घाटन होना था, लेकिन सपा सरकार में तत्कालीन शहर विकास मंत्री रहे आजम खां के आने के पहले ही सपाइयों ने शहर दक्षिणी के उस समय विधायक रहे हाजी परवेज टंकी से उद्घाटन करा दिया। इसको लेकर भी बाद में विवाद हुआ था। इस बार भी ऐसा ही हुआ। शिवालय पार्क,हनुमान मंदिर कारिडोर और श्रृंगवेरपुर धाम कारिडोर का उद्घाटन महाकुंभ मेले की शुरूआत के पहले पीएम मोदी ने किया था। उसके बाद महापौर ने 21 जून को फिर से शिवालय पार्क का उद्घाटन कर दिया।नैनी के अरैल में नगर निगम से तैयार कराए गए पार्क में करीब 17 करोड़ से अधिक का बजट खर्च किया गया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले-कांवड़ मार्ग में बंद रखी जाएं मांस की दुकानें,कांग्रेस ने लोकतंत्र का गला घोंटा,सपा अपराध की जननी

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज पहुंचे उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता की भूख में लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने का काम किया है। इमरजेंसी के समय कांग्रेस की नीतियों का विरोध करने वाले लोकनायक जयप्रकाश नारायण जैसे नेता आज प्रेरणा हैं, लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव सत्ता के लालच में चुप हैं। डिप्टी सीएम ने कहा कि सपा की सरकार में उत्तर प्रदेश अपराधों का गढ़ बन गया था, जहां हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार जैसी घटनाएं आम थीं। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी की सरकार में कानून-व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह अंतर जनता साफ देख रही है।कांवड़ यात्रा पर बोलते हुए पाठक ने कहा कि धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए सरकार कांवड़

यात्रा के दौरान मांस की दुकानों और खुले खून जैसे असंवेदनशील दृश्यों को रोकने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा और परंपरा के अनुरूप कार्य योजना बनाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रयागराज में पीजीआई स्तर का नया अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इसके लिए नगर निगम को नोडल एजेंसी बनाया गया है और प्रस्ताव पर जल्द कार्यवाही शुरू होगी। उन्होंने कहा कि 2100 डॉक्टरों के पदों के लिए विज्ञापन जारी किया गया है, और एसआरएन अस्पताल में भी खाली पद जल्द भरे जाएंगे। 2027 की रणनीति पर बोलते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि बीजेपी प्रतिदिन जनता की सेवा में जुटी है। उन्होंने कहा कि 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं से यूपी के उत्पाद देश और दुनिया में पहचान बना रहे हैं।बाढ़ और बीमारियों से निपटने के लिए उन्होंने बताया कि एक जुलाई से 13 विभागों के साथ संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू होगा, जो 31 जुलाई तक चलेगा।डिप्टी सीएम ने कहा - 'जनता का भरोसा ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यूपी को नंबर वन बनाने की दिशा में हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।'

एलएलबी के छात्र ने की आत्महत्याःप्रयागराज में पिता की किराना दुकान संभालने वाले 29 वर्षीय युवक का कमरे में मिला शव

प्रयागराज। महदौरी कालोनी में एक एलएलबी के अंतिम वर्ष के छात्र ने फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। मृतक की पहचान ऋषभ केसरवानी (29) के रूप में हुई है। शिवकुटी के बी 38/1 महदौरी कालोनी तेलियारगंज निवासी ऋषभ अपने माता-पिता के साथ रहता था। बीए की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह सरकारी नौकरी की तलाश कर रहा था। परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पिता ने घर में किराना दुकान खोली थी। ऋषभ एलएलबी की पढ़ाई के साथ दुकान का काम भी देखता था और सीनियर एडवोकेट के साथ कचहरी भी जाता था। पिता कृष्ण चंद्र केसरवानी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से ऋषभ परेशान दिख रहा था। पूछने पर वह बात टाल देता था। सुबह 9 बजे जब ऋषभ के कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो परिवार ने झांककर देखा और उसे फंदे पर लटका पाया। परिवार ने सुबह 10 बजे शिवकुटी पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कमरे की तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परिवार भी मृत्यु के कारण के बारे में कुछ स्पष्ट नहीं कर सका।

प्रयागराज की देवरी गौशाला में गोवंश की दुर्दशा,प्रधान-सचिव सस्पेंड, बीडीओ पर बैठी जांच

प्रयागराज। यमुनापार क्षेत्र के मांडा ब्लॉक स्थित ग्राम सभा भवानीपुर की देवरी गौशाला में गोकशी जैसी दुर्दशा और लापरवाही के मामलों ने जिला प्रशासन को सख्त कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया है। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांडड ने निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव को तत्काल निलंबित कर दिया है, जबकि खंड विकास अधिकारी को हटाकर उनके खिलाफ जांच के आदेश दिए गए हैं। इस पूरे प्रकरण की शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र अमित पांडेय रफ्तार द्वारा की गई शिकायत से हुई थी। उन्होंने एक वीडियो के माध्यम से गौशाला की भयावह स्थिति उजागर की थी, जिसमें साफ दिख रहा था कि गौशाला के अंदर जानवरों ने एक बछड़े को नोच खाया।वहीं एक गाय कुत्ते के हमले में गंभीर रूप से घायल होकर तड़पती हुई नजर आ रही थी। दूसरी गाय पर कुत्ते का उसको नोचते हुए वीडियो में देखा जा सकता है। इसी वीडियो में एक मरी हुई गाय कई अन्य गायों के बीच पड़ी हुई दिख रही थी, जिसे कई घंटे बीत जाने के बावजूद वहां से हटाया नहीं गया था।इस वीडियो के वायरल होने और शिकायत के बाद मई माह में एसडीएम मेजा समर प्रताप यादव ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया था, लेकिन उचित कार्रवाई न होने पर मामला जिलाधिकारी तक पहुंचाया गया। डीएम ने खुद मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई, जिसमें गौशाला में भारी अनियमितताएं और घोर लापरवाही सामने आई।सामाजिक कार्यकर्ता अमित पांडेय ने डीएम की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि दोषियों पर कार्रवाई जरूरी थी, लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी है कि गौशालाओं में स्थायी और मानवीय व्यवस्थाएं बनाई जाएं ताकि गौवंश की ऐसी दर्दनाक मौतें रोकी जा सकें। उन्होंने जिले की अन्य गौशालाओं की भी जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही शहर और गांवों में स्थित गौशालाओं की नियमित तरीके से जांच हो उनके खान पान की देखरेख की जाए।

यूपी में पीजीटी-टीजीटी भर्ती परीक्षा की मांगःप्रयागराज में आयोग कार्यालय के बाहर अभ्यर्थियों का धरना, 2 साल से टल रही परीक्षा

प्रयागराज। प्रयागराज में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के मुख्यालय के बाहर अभ्यर्थियों ने धरना प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी पिछले दो वर्षों से परीक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। जून 2022 में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कुल 4163 पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकला था। इसमें टीजीटी के 3539 और पीजीटी के 624 पद शामिल थे। लेकिन अब तक न परीक्षा हुई और न ही चयन प्रक्रिया आगे बढ़ी। पीजीटी की परीक्षा तीन बार और टीजीटी की परीक्षा दो बार स्थगित हो चुकी है। आयोग ने टीजीटी परीक्षा 21 व 22 जुलाई 2025 को प्रस्तावित की है। पीजीटी परीक्षा की नई तिथि अभी तक घोषित नहीं की गई है। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग बार-बार तिथि की घोषणा का आश्वासन देकर परीक्षा टाल देता है। इससे उनकी मानसिक और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट परीक्षा कार्यक्रम की मांग की है। धरना स्थल पर आयोग की ओर से कोई अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द परीक्षा तिथियों की घोषणा नहीं की गई, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।जून 2022 में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में कुल 4163 पदों पर भर्ती का विज्ञापन निकला था। इसमें टीजीटी के 3539 और पीजीटी के 624 पद शामिल थे। लेकिन अब तक न परीक्षा हुई और न ही चयन प्रक्रिया आगे बढ़ी। पीजीटी की परीक्षा तीन बार और टीजीटी की परीक्षा दो बार स्थगित हो चुकी है। आयोग ने टीजीटी परीक्षा 21 व 22 जुलाई 2025 को प्रस्तावित की है। पीजीटी परीक्षा की नई तिथि अभी तक घोषित नहीं की गई है।प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि आयोग बार-बार तिथि की घोषणा का आश्वासन देकर परीक्षा टाल देता है। इससे उनकी मानसिक और आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। अभ्यर्थियों ने स्पष्ट परीक्षा कार्यक्रम की मांग की है। धरना स्थल पर आयोग की ओर से कोई अधिकारी वार्ता के लिए नहीं पहुंचा। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द परीक्षा तिथियों की घोषणा नहीं की गई, तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न, उत्साह और अनुशासन से मनाए त्योहारः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। शुक्रवार मुहर्रम, श्रावण मास में कॉवड यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, आस्तिक देव मेला,राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस, नागपंचमी, रक्षा बंधन ,गंगा स्नान, जन्माष्टमी व अन्य त्यौहार को लेकर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ बचत भवन स्थित कलेक्ट्रट सभागार में सेंट्रल पीस कमेटी की बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी संगठनों से आए हुए धर्मगुरुओं और प्रतिनिधियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा की। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि त्यौहारों के दौरान जिन स्थानों और रुटों का चयन किया गया है। उनकी व्यवस्थाए दुरुस्त करा ली जाए। उन्होंने एसडीएम व नगर पालिका/ नगर पंचायत को निर्देश दिये कि जहां सड़क व मार्ग में जल भराव व गड्ढे आदि की समस्या हो वहां व्यवस्थाए ठीक करा ली जाए। जिससे कावड़ यात्रा और जुलूस आदि के निकलने में कोई कठिनाई न हो। डीएम ने उपजिलाधिकारी तथा क्षेत्राधिकारी को आपसी समन्वय बनाते हुए कावड़ यात्रा व जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि सभी अपने-अपने क्षेत्र के थानों में पीस कमेटी की बैठक करें और जो समस्याएं हों उनका तत्काल समाधान कराएं। जिलाधिकारी ने सभी धर्मों के लोगों से कहा कि सभी लोग भाईचारे का परिचय देते हुए हर्षोल्लास के साथ अपने-अपने रीति-रिवाजों से त्योहार मनाए। त्यौहार परंपरागत तरीके से ही मनाया जाए। किसी भी नयीं परम्परा की शुरुआत ना की जाए। किसी भी प्रकार की दिक्कत होने पर प्रशासन से तुरंत संपर्क किया जाए।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्व को शान्तिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। पर्वों पर किसी भी प्रकार के अस्त्र शस्त्र का प्रदर्शन नहीं किया जायेगा। जुलूस व कावड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार के भड़काऊ या अश्लील गीत संगीत का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। नियम तोड़ने पर डीजे संचालकों पर एफआईआर दर्ज कराई जाए। ताजिया की ऊंचाई निर्धारित मानक के अनुसार ही होनी चाहिए। संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल लगाकर वहां पर सुरक्षा व्यवस्था अभी से दुरुस्त रखी जाए। अराजक तत्वों पर नजर रखने के लिए मीडिया और सोशल मीडिया पर लगातार नजर बनाए रखी जाए और किसी भी घटना की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाए। अफवाह फैलाने वालों पर प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, समस्त एसडीएम, क्षेत्राधिकारी, अधिशाषी अधिकारी सहित पीस कमेटी के सदस्य, बुद्धिजीवी जन भी उपस्थित रहे।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ाःफाफामऊ में 20 और नैनी में 14 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित बांधों से छोड़े जा रहे पानी के कारण नदियों का जलस्तर धीरे-धीरे ऊपर चढ़ रहा है।पिछले 24 घंटे की बात करें तो गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 20 सेंटीमीटर और छतनाग में 3 सेंटीमीटर बढ़ा है। वहीं यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 14 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।शनिवार सुबह 8 बजे तक गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 76.48 मीटर और छतनाग में 71.21 मीटर तक पहुंच गया, जबकि यमुना नदी नैनी में 72.21 मीटर पर बह रही है।हालांकि फिलहाल दोनों नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। प्रयागराज के संगम क्षेत्र में गंगा और यमुना नदियों के लिए खतरे का स्तर (डेंजर लेवल) 84.734 मीटर निर्धारित है। इसके बावजूद प्रशासन कोई चूक नहीं बरत रहा है। सिंचाई विभाग के कंट्रोल रूम से 24 घंटे जलस्तर की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) और जल पुलिस की टीमों को संगम और घाटों के आसपास तैनात किया गया है।प्रशासन ने घाट किनारे रह रहे तीर्थ पुरोहितों, नाविकों और आम जनता को सतर्क रहने की अपील की है। जिले की सभी बाढ़ चौकियों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि आपात स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्य किया जा सके। जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी को देखते हुए प्रशासनिक तैयारियां तेज़ कर दी गई हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि खतरे की स्थिति में हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रयागराज में बड़ा ताजिया का अलम जुलूस

अलम जुलूस अकीदत के साथ निकाला गया। जुलूस कदीमी रास्तों पर निकला। बड़ा ताज़िया मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष रेहान खान के आवास पर हुई बैठक में जुलूस को लेकर जानकारी दी गई। अगुवाई शहर उत्तरी के विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी करेंगे। सचिव इमरान खान ने कहा कि मोहर्रम की 02 तारीख यानि 28 जून दिन शनिवार को रात 10:30 बजे आलम जुलूस अपने कदीमी रास्तों पर निकाला जाएगा। मोहर्रम की 09 तारीख यानि 05 जुलाई दिन शनिवार को ताज़िया रात 1:35 पर पूरी अकीदत के साथ कंधों पर अपने कदीमी रास्तों पर गश्त के लिए ले जाया जाएगा। मोहर्रम की 10 तारीख यानि 06 जुलाई दिन रविवार का ताज़िया कंधों पर दोपहर 2:05 पर कदीमी रास्ता होता हुआ करबला ले जाया जाएगा। कमेटी ने लोगों से अपील किया है कि जिन-जिन चीजों पर प्रशासन ने प्रतिबंध किया है उसे जुलूस में कतई न लाएं। अध्यक्ष रेहान खान ने सभी इमाम हुसैन के चाहने वालों से गुज़ारिश किया है कि जुलूस में बड़ी अकीदत एवं एहतेराम से शामिल हो। इस साल बनारस से शहनाई वादक, वाराणसी से ढोल ताशा पार्टी आएगी। डीजे पर नौहा पढ़ा जाएगा। चांद मियां, जावेद खान, वज़ीर खान, सलामत उल्ला (पार्षद), वसीम खान, ज़िया उबैद खान (पार्षद), मो. अकरम शगुन, अफज़ल खान, आमिर खान, गुड्डू भाई, अरशी, शादाब, सूहैल, शब्बर, डाक्टर, ज़ाहिद, आकिब, राहिल, शाहरूख, शाहिद, अरबिश, आसिफ, शानू, आलम, जिबरान आदि लोग उपस्थित थे।

प्रयागराज में आठवीं की छात्रा का शव बाथरूम में मिला,नैनी में शॉवर पर दुपट्टे से लटकी मिली,चाचा के घर छुट्टी मनाने आई थी

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी में आठवीं में पढ़ने वाली छात्रा(15) का शव बाथरूम के शॉवर में दुपट्टे से लटकता मिला। छात्रा फतेहपुर से अपने चाचा के घर छुट्टी मनाने आई हुई थी। सूचना नैनी पुलिस को मिली तो पुलिस ने बाथरूम के दरवाजे को तोड़कर शव को बाहर निकाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। घटना की जांच पुलिस के रही है। फतेहपुर की रहने वाली कुमारी अशिकी 15 वर्ष पुत्री शिव विजय सिंह आठवीं की छात्रा थी। करीब 20 दिन पहले ही चाचा अवधेश ने नैनी हनुमान नगर मोहल्ले में राजेश शर्मा के मकान में किराए का कमरा लिया था और अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते है। अवधेश राजस्थान में मिलिट्री में तैनात है। शुक्रवार को में भतीजी अशिकी का शव बाथरूम के अंदर शॉवर पर दुपट्टे से लटकता मिला। बाथरूम अंदर से बंद था। अशिकी घर के अंदर नहीं दिखी तो चाची ने बाथरूम की तरफ जाकर देखा। बाथरूम अंदर से बंद था। जिसके बाद दरवाजा पीटा गया, लेकिन कोई आहट नहीं मिली। इसके बाद अवधेश ने तत्काल नैनी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची इन शव को दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना घरवालों को मिली तो परिजन भी मौके पर पहुंच गए। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि छात्रा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। फिलहाल जांच की जा रही है।

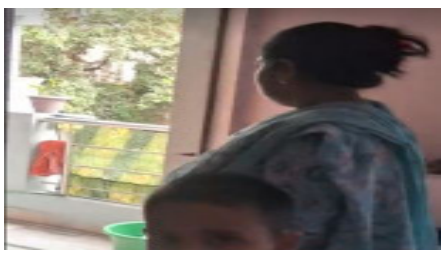

डीएम-एसपी ने थाना दिवस पर बछरावां में सुनी लोगों की फरियाद, समस्याओं का करें गुणवत्तापरक निस्तारणः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। शुक्रवार जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के साथ थाना बछरावां में थाना दिवस के अवसर पर लोगों की फरियाद सुनीं। उनके सामने राजस्व, आपसी रंजिस तथा महिला उत्पीड़न सहित अन्य शिकायते आईं। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्ष तथा राजस्व अधिकारियों को इस अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण किए जाने का निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकरण में जांच आदि की जरूरत हो तो अवश्य करें। समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष, निर्भीक, पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ करें। दोषियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने राजस्व से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर समस्याओं को निस्तारित कराने का निर्देश दिये। उन्होंने थाना दिवस रजिस्टर और भूमि विवाद रजिस्टर को भी देखा। कहा कि रजिस्टर में दर्ज विवादों को जल्द से जल्द निस्तारित कराया जाए। इस अवसर पर एसडीएम महराजगंज सचिन यादव सहित पुलिस विभाग व राजस्व विभाग के अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीसीएस की पत्नी को 5 बार एनेस्थीसिया दी...पैर सुन्न हुआःप्रयागराज में डॉक्टर बोलीं-पूरी ब्यूरोक्रेसी मुझे अरेस्ट कराना चाहती

प्रयागराज। ब्यूरोक्रेसी और डॉक्टर लॉबी के बीच खींचतान चल रही है। मुद्दा पीसीएस अफसर की पत्नी को ऑपरेशन से पहले 5 बार एनेस्थीसिया देने के प्रयास का है। आरोप नहीं लगा। क्योंकि यह बहुत रिस्की होता है, लोगों की जिंदगी पर बन आ सकती है। मेरे काम में 10 हजार केस में कोई एक केस बिगड़ने की आशंका होती है। जांच रिपोर्ट में जान आई, दूसरा पैर काम नहीं कर रहा है।एसीएमओ ने कहा- डॉ. शुभ्रा ने कितनी एनेस्थेसिया दी, इसका पता तो नहीं चल सकता है। मगर इस तरह से केस बिगड़ने के चांस हो सकते हैं। मेरा तो सुझाव है कि डॉक्टर को किसी उच्च संस्थान भेजकर 2 महीने तक ट्रेनिंग दिलानी चाहिए। इस दौरान उन्हें किसी भी ऑपरेशन में हिस्सा नहीं लेना चाहिए। हमने एसीएमओ से पूछा- आपने एडीएम (एफआर) को क्यों अध्यक्ष बनाया। उन्होंने बताया- ये मामला डीएम के पास पहुंचा था तो उन्होंने सीएमओ को टीम गठित करने के लिए कहा था। इसी में एडीएम (एफआर) को हेड बनाया गया था।यह पूरा मामला प्रयागराज में तैनात एसीएम फर्स्ट अविनाश सिंह यादव की पत्नी साधना से जुड़ा हुआ है। अविनाश गाजीपुर के रहने वाले हैं। उनकी पत्नी साधना के पिता नंदलाल यादव वाराणसी के सारनाथ स्थित बुधनगर कॉलोनी के रहने वाले हैं। वो सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल थे। रिटायर हो चुके हैं।उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में लिखा- गर्भावस्था के दौरान मेरी बेटी साधना यादव का इलाज कमला नेहरू अस्पताल की डॉ. आई परिहार कर रही थीं। 9 अप्रैल, 2025 को उसे डिलीवरी के लिए कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया। 10 अप्रैल, 2025 को ऑपरेशन किया गया। इस दौरान एनेस्थेटिस्ट डॉ. शुभ्रा घोष ने मेरी बेटी को बार-बार एनेस्थीसिया दी। इस कारण बेटी को नर्व इंजरी हो गई। इससे उसके दाहिने पैर ने काम करना बंद कर गया। इस शिकायत पर प्रयागराज के कर्नलगंज थाने में केस दर्ज हुआ है।

10 अप्रैल, 2025 को डिलीवरी होने के बाद जब अधिकारी की पत्नी डिस्चार्ज होकर घर वापस आईं, तब पता चला कि उनका दाहिना पैर ही सुन्न पड़ चुका है। वह अभी भी चल नहीं पा रही हैं। प्रयागराज कलेक्ट्रेट में पीसीएस अफसर बतौर एसीएम फर्स्ट तैनात हैं और उनकी पत्नी के इलाज में ये लापरवाही हुई थी। ऐसे में डीएम प्रयागराज ने सीएमओ ऑफिस को जांच के आदेश दिए। इसमें अधिकारियों ने माना कि कमला नेहरू मेमोरियल अस्पताल की एनेस्थेटिस्ट डॉ. शुभ्रा घोष ने ऑपरेशन से पहले बेहोश करने के लिए 5 बार एनेस्थीसिया देने का प्रयास किया। बयान में मरीज ने कहा- मुझे हर बार अपने पैरों में करंट दौड़ने का एहसास होता था। ये मामला तब सुर्खियों में आया, जब सीएमओ रिपोर्ट पर एनेस्थेटिस्ट के खिलाफ 24 जून, 2025 को एफआईआर लिखी गई। इसके 24 घंटे के अंदर इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन एनेस्थेटिस्ट के सपोर्ट में आ गया। माहौल कुछ ऐसा बना कि ब्यूरोक्रेसी और डॉक्टर लॉबी के बीच खींचतान शुरू हो गई। इस बीच डॉक्टर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया और 26 जून को अरेस्ट स्टे ले लिया।एनेस्थेटिस्ट डॉ. शुभ्रा घोष से मुलाकात की।उमसे पूछने पर की आपके खिलाफ संगीन आरोप हैं, क्या कहेंगी? एनेस्थेटिस्ट कहती हैं- मेरी उम्र 60 साल हो चुकी है, 40 साल से मैं पेशेंट को एनेस्थिसिया देती आ रही हूं। आज तक मुझसे कभी गलती नहीं हुई, कभी लापरवाही का भी जो कुछ भी लिखा या कहा गया, उसका जवाब मैं दूंगी। डॉक्टर कहती हैं- मैं सिर्फ इतना पूछना चाहती हूं कि अगर एनेस्थेसिया देने में गलती हुई, तो असर तुरंत दिखना चाहिए था। पैर काम नहीं कर रहा था, तो एफआईआर दर्ज कराने में 2 महीने का समय क्यों ले लिया। कार्रवाई तो उसी वक्त होनी चाहिए थी। रहा सवाल सीएमओ डॉ. अरुण कुमार तिवारी की जांच का, तो उन्होंने जांच कमेटी बनाई। मगर इस कमेटी के सामने एसीएम की पत्नी साधना को लाया ही नहीं गया। अगर लाया जाता तो उनके आरोपों की हकीकत भी सामने आती। प्रयागराज के अफसरों की लॉबी मुझे जबरन फंसाने की कोशिश कर रही है। मेरा एक सवाल ये भी है कि जांच के लिए बनाई गई मेडिकल टीम के अध्यक्ष एडीएम (एफआर) विनय कुमार को क्यों बनाया गया? केस मेडिकल का था, प्रशासकीय अधिकारी को जांच की कमान देने का क्या मतलब है?प्रयागराज के एसीएमओ (एडिशनल चीफ मेडिकल ऑफिसर) आरसी पांडेय ने कहा- हमने एसीएम फर्स्ट की पत्नी साधना के बयान लिए। उनके ऑपरेशन के दौरान जो भी मेडिसिन चली, उन्हें भी देखा समझा गया। साधना के बयान में यह भी साफ हुआ कि डॉ. शुभ्रा बार-बार एनेस्थीसिया दे रहीं थी, इससे उन्हें दिक्कत हो रही थी। हर बार पैर में करंट जैसा दौड़ रहा था। उन्होंने डॉक्टर से कहा भी था, मगर उन्होंने कहा कि अभी ठीक हो जाएगा। मगर बाद में एक ही पैर में

प्रयागराज में कानून व्यवस्था को चुनौती,सिविल लाइंस में बिना नंबर प्लेट की हूटर के साथ गाड़ियां दौड़ीं, गाड़ियों की खोज जारी

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज के पॉश इलाके सिविल लाइंस में बीती शुक्रवार देर शाम कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाने वाला नज़ारा सामने आया।सुभाष चौराहे के पास कुछ युवक तेज़ रफ्तार से गाड़ियों को दौड़ाते नज़र आए, जिनमें से कई गाड़ियों पर नंबर प्लेट तक नहीं लगी थी और कुछ में अवैध रूप से हूटर बज रहे थे।स्थिति तब और गंभीर हो गई जब वहां मौजूद एक पत्रकार द्वारा वीडियो बनाए जाने पर युवकों ने विरोध किया और अभद्र व्यवहार किया।बताया जा रहा है कि कुछ गाड़ियों पर 'अधिवक्ता' लिखा हुआ था और उनमें हूटर भी लगे हुए थे, जिससे कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ती नज़र आईं।स्थानीय नागरिकों और राहगीरों में इस घटनाक्रम को लेकर भय और असंतोष व्याप्त है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज ने तत्काल संज्ञान लिया और सुभाष चौराहे पर देर रात चेकिंग अभियान शुरू किया।पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान मुख्य रूप से यह देखा कि गाड़ियों में हूटर या अन्य अवैध साउंड डिवाइस तो नहीं लगे हैं चालक शराब के नशे में तो नहीं हैं,वाहनों में कोई मादक पदार्थ या अवैध वस्तु तो नहीं रखी गई फिलहाल, पत्रकार से बदसलूकी करने वाले युवकों की पहचान और उनके वाहनों की खोज जारी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए भी इनकी तलाश कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि कानून से खिलवाड़ करने वाले चाहे किसी भी वर्ग से हों, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक स्थानों पर भय का माहौल बनाना, हूटर बजाकर कानून व्यवस्था को चुनौती देना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण के विरुद्ध की गयी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
रायबरेली। रायबरेली विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध रूप से की गयी प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण अभियान के अन्तर्गत प्राधिकरण टीम द्वारा मिल एरिया पुलिस की उपस्थिति में जोन नं0-2 में देवानन्दपुर में गाटा संख्या-214 व 215 क्षेत्रफल लगभग 03 बीघा पर रावेन्द्र सोनकर, धर्मेन्द्र सोनकर, श्यामलाल एवं भोला द्वारा की गयी अवैध प्लाटिंग एवं देवानन्दपुर के गाटा संख्या-203 क्षेत्रफल लगभग 2.5 बीघा पर श देवकी नन्दन श्रीवास्तव, सूरज सोनकर एवं आमीर द्वारा की गयी अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। अवैध निर्माण/ अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध आगे भी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही जारी रहेगी।

देहात क्षेत्र ग्राम पंचायत तिलोरा में करंट लगाकर गौ हत्या किया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)
मैहर। देहात थाना क्षेत्र ग्राम पंचायत तिलोरा में बाले गर्ग नाम का आदमी खेत की बाड़ी में करंट लगाकर 10 दिन के भीतर तीन गायों की हत्या कर दिया कुछ दिवस पहले 17.06.2025 को इस गाड़ी में एक गाय की करंट लगने से मौत हो गई थी। पुणे है दाल 27.06.2025 को दो गायों की हत्या कर दीया जिसकी फिर देहात थाना में जाकर मुन्नीबाई यादव और विमला यादव ने रिपोर्ट लिखवाया। मुन्नी बाई का कहना है कि मैं लोन लेकर गाय खरीदी थी। गाय एक टाइम में 3 लीटर दूध देती थी। जिसमें उचित कार्रवाई कर भरपाई करने की मांग कर रही है।

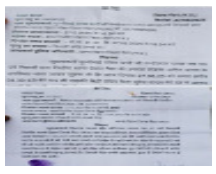

सैलून से निकल रही थी बच्ची की चीखें, भागते पहुंचे ग्रामीण

प्रयागराज। प्रयागराज के सैलून से बच्ची की चीखें सुनकर लोग हैरान रह गए। उतरांव थाना क्षेत्र के गांव की घटना ग्रामीणों ने जैसे ही बच्ची की चीख सुनी, वे उस तरफ दौड़ पड़े। सैलून की तरफ लोगों को आता देख एक अधेड़ सैलून से निकल कर भागने लगा। अधेड़ व्यक्ति सैलून के पास ही स्थित अपने घर में घुस गया। वह अधेड़ उस बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। अधेड़ की अमानवीयता देख लोगों का गुस्सा भड़क गए। प्रयागराज पुलिस सूचना पर पहुंची। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को घंटों मशक्कत करनी पड़ी।

प्रयागराज में छाए काले बदरा,मौसम खुशनुमा, तापमान में 4 डिग्री की गिरावट,अगले 3 दिन बारिश की संभावना

प्रयागराज।संगम नगरी 12 बजे के आसपास आसमान से

प्रयागराज में शनिवार सुबह से ही मौसम ने करवट ले ली। आसमान में घने काले बादलों ने डेरा डाल रखा था, जिससे सुबह का समय भी शाम जैसा अंधेरा लग रहा था। ठंडी हवाओं की मद्धम बयार ने सुबह से ही मौसम को सुकूनभरा बना दिया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।करीब दोपहर बूंदाबांदी शुरू हुई, और कुछ ही देर में बारिश ने रफ्तार पकड़ ली। झमाझम बारिश ने प्रयागराज वासियों को भीगने पर मजबूर कर दिया, वहीं लंबे समय से गर्मी और उमस से परेशान लोगों को इस बारिश ने राहत दी।शहर के अलग-अलग इलाकों में लोग बारिश से बचने के लिए पेड़ों की छांव में खड़े दिखे तो कई लोग छाता खोलकर अपने जरूरी कामों में जुटे रहे। खासकर बाजार और घाटों के क्षेत्रों में अचानक बारिश से हलचल बढ़ गई, लेकिन मौसम की यह फुहार लोगों के चेहरे पर मुस्कान ले आई।बारिश के बाद तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। शनिवार सुबह तक अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 28.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, लेकिन दोपहर बाद बारिश के चलते अधिकतम तापमान में लगभग 3-4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।मौसम विभाग ने पहले ही 28 जून से 30 जून तक हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर तेज बारिश की चेतावनी जारी की थी। साथ ही अगले दो से तीन दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। प्रशासन ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे जलजमाव वाले क्षेत्रों से सतर्क रहें और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें। मौसम का यह बदलाव किसानों और आम नागरिकों दोनों के लिए लाभकारी माना जा रहा है।

वकीलों ने छात्रा को 4 किमी. तक छेड़ाःकार नंबर-फुटेज मिली फिर भी आरोपियों को नहीं पकड़ पाई पुलिस, पीड़ित परिवार डरा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर 4 किलोमीटर दौड़ाकर नर्सिंग छात्रा से कार सवार वकीलों ने छेड़खानी की थी। पुलिस को कार का नंबर और सीसीटीवी फुटेज मिली गई है। बावजूद इसके पुलिस 72 घंटे बाद भी आरोपियों को पकड़ नहीं पाई आरोपियों ने करीब 4 किलोमीटर तक दौड़ाया। पॉलिटेक्निक चौराहे पर ओवरटेक करके रोककर भी गाली-गलौज की। डर के पीड़िता सीधे गाजीपुर थाने पहुंची और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज की।मामले में से कार पीछे लग गई। कार सवारों ने गालियां दीं। भाई के सामने गंदे इशारे किए। पॉलिटेक्निक पर ओवरटेक कर स्कूटी रोकने की कोशिश की। मैं डर के मारे कांप रही थी।' वहीं, छात्रा ने एक्स पर भी पूरी घटना शेयर करते हुए लिखा- 'मैं वीआईपी नहीं हूं। एक

आम लड़की हूं। इंसाफ चाहिए। लखनऊ की सड़कें हमारे लिए सुरक्षित हों। 'पीड़िता के भाई ने कहा 'हम सामान्य परिवार से हैं। बहन मेहनत से नर्सिंग कर रही है। अगर मैं साथ न होता, तो इन पीछा करने वालों का मनोबल और बढ़ता। मेरी बहन के साथ क्या होता? यह सोचकर रुह कांप उठता है। पुलिस सख्त कार्रवाई करे ताकि और लड़कियां डर में न जिएं।'एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह ने कहा, 'सीसीटीवी फुटेज में पीड़िता भी कार का पीछा करती दिख रही हैं। वो गालियां दे रही हैं। हो सकता है कि प्रतिउत्तर में उसने गालियां दी हों। मामले की जांच जारी है। एक टीम प्रयागराज रवाना की गई है। जल्द गिरफ्तारी होगी।'

है। इससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। वकीलों के प्रभाव में भी कार्रवाई नहीं होने की चर्चा हो रही है। वहीं, घटना के बाद से पीड़ित छात्रा और उसका परिवार डरा हुआ है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से आरोपियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि दोबारा कोई किसी लड़की को छेड़ने की हिम्मत न जुटा पाए। 23-24 जून की रात करीब 1 बजे छात्रा अपने परिवार के सदस्यों के साथ तीन दोपहिया वाहनों से 1090 चौराहे के पास से जा रही थी। आरोप है कि प्रयागराज में रजिस्टर्ड सफेद टियागो कार सवार 2 वकीलों ने उससे छेड़खानी की। उसके भाई के सामने गंदा इशारा किया। विरोध करने पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को घटना से जुड़ा वीडियो और सीसीटीवी फुटेज मिली है। उससे कार का विवरण पता चला है। कार प्रयागराज में रजिस्टर्ड होने के कारण पुलिस की एक टीम वहां गई है। वीडियो क्लिप की भी पुलिस जांच कर रही है। उसमें छात्रा भी गालियां दे रही है। पुलिस का मानना है कि छात्रा ने प्रतिउत्तर में गालियां दी हैं। पुलिस का कहना है कि सभी एंगल पर जांच की जा रही है। मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।नर्सिंग छात्रा ने एफआईआर में लिखवाया- 'मैं 1090 चौराहे से घर की ओर आ रही थी। भाई के साथ स्कूटी पर थी। 1090 चौराहे

चिराग पासवान के बाद एक और बड़े नेता लड़ सकते हैं विधानसभा चुनाव! सबसे ज्यादा लगेगा लालू के ड्रीम को झटका, जानें

पटना। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा है कि अगर पार्टी उनसे रूप में पेश किए जाने पर कुमार ने कहा कि पार्टी ने उन्हें वैसी ही जिम्मेदारी उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग

कहेगी तो वह आगामी बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कुमार ने कहा कि जिस तरह क्रिकेट के मैदान पर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण जिम्मेदारियां निभानी होती हैं, उसी तरह राजनीति में चुनाव लड़ना भी एक जिम्मेदारी है। मीडिया से बातचीत में कहा कि चुनाव लड़ना, दूसरों को चुनाव लड़वाना और प्रचार करना, ये सभी जिम्मेदारियां पार्टी देती है। अगर पार्टी मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कहती है तो मैं भी चुनाव लड़ूंगा।उन्होंने कहा कि पहले भी जब मैंने चुनाव लड़ा था तो वह पार्टी के आदेश पर था। उनसे पूछा गया था कि क्या वह इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। कुमार ने विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना पर कहा कि अगर कप्तान मुझसे कहेंगे कि मैं बाहर बैठूं और क्रीज पर मौजूद लोगों के लिए ड्रिंक्स परोसूं, तो मैं ऐसा करूंगा। और अगर कप्तान मुझसे कहेंगे, तो मैं पैड पहनकर बल्लेबाजी भी करूंगा। कांग्रेस द्वारा उन्हें बिहार में एक प्रमुख चेहरे के दी है जैसी वह अपने लाखों कार्यकर्ताओं को देती है।उन्होंने कहा कि यह एक टीम की तरह है जिसमें अलग-अलग लोगों की अलग-अलग भूमिका होती है। उन्होंने क्रिकेट से तुलना करते हुए कहा कि पहले एमएस धोनी विकेटकीपर थे। अब ऋषभ पंत हैं। कुमार ने कहा कि पार्टी सामूहिक प्रयास से काम करती है और चुनाव लड़ने का निर्णय भी सामूहिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं इस सिद्धांत का प्रबल समर्थक रहा हूं कि चुनाव लड़ना एक सामूहिक निर्णय है। अन्य जिम्मेदारियों की तरह चुनाव लड़ना भी एक जिम्मेदारी है। जैसे बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण सभी जिम्मेदारियां पूरी करनी होती हैं, चुनाव लड़ना भी एक जिम्मेदारी है।जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कुमार दो बार लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने पहली बार 2019 में बिहार के बेगूसराय से सीपीआई के टिकट पर आम चुनाव लड़ा था और फिर 2024 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस के द्वारा जन्म स्थान प्रमाण पत्र मांगे जाने के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने को कहा है। उन्होंने कहा कि आज, यदि आप चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, तो भाजपा उनका जवाब देती है। आप ईडी पर सवाल उठाते हैं, तो भाजपा जवाब देती है। आप सीबीआई और आयकर विभाग पर सवाल उठाते हैं, तो भाजपा जवाब देती है। मैं आपको याद दिलाना चाहूंगा कि यह भाजपा ही थी जिसने ईवीएम पर सवाल उठाए थे... इसलिए, यदि आप (भाजपा) सवाल उठाते हैं तो यह ठीक है लेकिन यदि हम ऐसा करते हैं, तो यह गलत है। कुमार ने कहा कि पहले आप कह रहे थे कि कोई गलती नहीं है। अब आप इस प्रक्रिया को बिहार से शुरू कर रहे हैं। इसलिए, आप स्वीकार कर रहे हैं कि गलती हुई है। और अगर कोई गलती है, तो आपका ध्यान उसे सुधारने पर होना चाहिए, न कि लोगों को परेशान करने पर। प्रक्रिया को सजा नहीं बनना चाहिए और जो मुद्दे उठाए गए हैं, उन्हें ईमानदारी से सुधारा जाना चाहिए।

लखनऊ के चांदी-मोम के ताजिया की डिमांड यूरोप तक,एक हजार से लेकर ढाई लाख रुपए तक कीमत, हिंदू कारीगर भी बना रहे

लखनऊ।लखनऊ के ताजिया की डिमांड यूरोपीय देशों तक रहती है। यहां चांदी और मोम के ताजिया खासतौर पर बनाए जाते हैं। साथ ही बड़ा इमामबाड़ा की नक्काशी वाले ताजिया मुहर्रम के महीने को खास बना देते हैं। यहां के ताजिया की कीमत 1 हजार रुपए से शुरू होकर ढाई लाख रुपए तक है। लखनऊ में ताजिया की परंपरा सैकड़ों साल पुरानी है। यहां कागज, मोम, लकड़ी और चांदी के ताजिया जुलूस में निकाले जाते हैं। सबसे अधिक लोकप्रिय शाही मोम की जरी है, जिसे खास कारीगर तैयार करते हैं। इस वर्ष शाही मोम की जरी में बड़ा इमामबाड़ा का अक्स नजर आएगा। मोहर्रम की पहली तारीख को शाही जरी का जुलूस बड़ा इमामबाड़ा से छोटा इमामबाड़ा तक निकाला जाएगा। शाही जरी के

जुलूस में ऊंट, घोड़े, हाथी के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग पैदल शामिल होते हैं।शाही जरी को बहराइच के कारीगर नसीम अली और उनका परिवार तैयार कर रहा है। उन्होंने बताया- मोहर्रम के 3 महीने पहले से ही इसकी तैयारी शुरू कर दी जाती है। परिवार के 12 सदस्य मिल कर शाही जरी तैयार करते हैं। इसमें समय और मेहनत काफी लगती है। नसीम अली ने बताया- इस बार की शाही जरी 22 फीट ऊंची और 10 फीट चौड़ी है। इसे 2.5 क्विंटल मोम से तैयार किया गया है। इसमें बांस, कागज और अन्य सामान भी इस्तेमाल किया गया है।नसीम अली ने बताया- इसे तैयार करने के लिए 2 लाख 65 रुपए मिलेंगे। ये बहुत कम है। इतनी तो लागत ही लग जाती है। नाराजगी जताते हुए कहा- कई सालों से रकम नहीं बढ़ाई गई। महंगाई बढ़ती जा रही है। मोम पिछले साल 160 रुपए किलो थी। इस वर्ष 200 रुपए प्रति किलो हो गई है।सर्राफा बाजार में भी मोहर्रम में खास ताजिया तैयार की गई हैं। विनोद माहेश्वरी ने बताया कि ग्राहकों की डिमांड पर चांदी से बना विशेष ताजिया, पंजा, अलम और मश्क तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि लखनऊ गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है। ताजिया और अन्य चीजें हिंदू कारीगर यार कर रहे हैं। चांदी से तैयार किया गया ताजिया ग्राहकों को बहुत ही आकर्षित कर रहा है। इसकी कीमत चांदी के वजन और डिजाइन के अनुसार तय होती है।

आगरा में 60 हजार लोगों को आज नहीं मिलेगा पानीःलंगड़े की चौकी पर पाइप लाइन बदलने के कारण बंद रहेगी सप्लाई

आगरा। लंगड़े की चौकी नाले के अंदर से निकल रही पानी की 18 इंच की राइजिंग मेन लाइन

को शिफ्ट किये जाने का काम जलकल विभाग ने शुरू कर दिया है। इसके चलते 12 से अधिक कॉलोनियों के 60 हजार लोगों को शनिवार को भी पानी की परेशानी झेलनी होगी। पाइप लाइन शिफ्टिंग के चलते पानी सप्लाई नहीं होगी। पाइप लाइन शिफ्टिंग का काम शुक्रवार पानी सप्लाई के बाद सुबह 10 बजे शुरू कर दिया गया था। तब ये यह काम लगातार चल रहा है। रात में भी पाइप लाइन को शिफ्ट करने का काम चलता रहा। यह काम शनिवार शाम तक पूरा होने की उम्मीद है। किसी कारणवश शाम तक काम पूरा न होने की स्थिति में रविवार सुबह से पानी की सप्लाई सामान्य हो जाएगी।लंगड़े की चौकी पाइप लाइन शिफ्ट करने के काम के कारण नगला हरमुख, नगला छिद्दा, मोतिया की बगीची, महाराणा प्रताप कॉलोनी, स्टाफ क्वार्टर, वसंत टाकीज, सेंट पीटर्स कॉलोनी, घटिया आजम खां, विजय नगर आदि क्षेत्रों की जलापूर्ति बाधित है।जलकल विभाग के महाप्रबंधक अरुणेंद्र राजपूत ने बताया-पानी की पाइप लाइन शिफ्टिंग का काम शुक्रवार सुबह 10 बजे के बाद शुरू किया था। दिनभर टीम ने काम किया है। रात में भी काम हुआ। कोशिश यह रहेगी शनिवार शाम तक शिफ्टिंग कार्य पूर्ण करा दिया जाए। जिससे शनिवार को शाम को ही जलापूर्ति की जा सके।टैंकर मंगवाना हो तो यहां संपर्क करें- टोल फ्री नंबर - 1800-2702722, कंट्रोल रूम नंबर - 8192095401, आशीष कुमार - 8192095302, विनीत चौधरी - 8192095732

बाबा बागेश्वर का बिहार में प्रोग्राम, पटना के गांधी मैदान में कार्यक्रम, तारीख और तैयारी भी जानें

पटना। बिहार में बागेश्वर बाबा के भक्तों के लिए एक बार फिर विशेष अवसर आ रहा है। पंडित धीरेंद्र कृष्ण

शास्त्री 6 जुलाई को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित सनातन महाकुंभ में हनुमत कथा का वाचन करेंगे। श्रीराम कर्मभूमि न्यास द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे संरक्षक की भूमिका में हैं। इस आयोजन के प्रचार के लिए रथयात्रा राज्य भर में चलाई जा रही है, जो जिलों में भ्रमण कर लोगों को निमंत्रण दे रही है। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और आयोजकों के बीच उत्साह चरम पर है।बागेश्वर बाबा यानी पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 6 जुलाई को पटना पहुंच रहे हैं। वे गांधी मैदान में आयोजित सनातन महाकुंभ में भाग लेंगे, जहां वे हनुमंत कथा का वाचन करेंगे। यह आयोजन भगवान परशुराम जन्मोत्सव के समापन के अवसर पर किया जा रहा है। बाबा चार्टर विमान से पटना आएंगे। कार्यक्रम का आयोजन श्रीराम कर्मभूमि न्यास द्वारा किया जा रहा है और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे इस महायोजना के संरक्षक हैं।इस महाकुंभ में जगतगुरु रामभद्राचार्य जी समेत देशभर के कई प्रसिद्ध साधु-संत भी भाग लेंगे। आयोजन को लेकर पूरे बिहार में प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए एक विशेष रथयात्रा की शुरुआत की गई है, जो विभिन्न जिलों में घूमकर लोगों को आमंत्रित कर रही है। सनातन धर्म के प्रति आस्था और श्रद्धा से भरे इस आयोजन की तैयारियां बड़े पैमाने पर हो रही हैं।इससे पहले मई महीने में बागेश्वर बाबा मुजफ्फरपुर में एक महायज्ञ में शामिल होकर कथा वाचन कर चुके हैं। पटना के तरेत मठ में भी उनके सात दिवसीय यज्ञ में भारी संख्या में लोग जुटे थे। उनके हर आगमन पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है। बाबा के बयान ने भी खासा राजनीतिक और सामाजिक हलचल मचाई थी। इस बार भी उनके कार्यक्रम को लेकर माहौल गरम हो सकता है क्योंकि बिहार में इस साल के आखिर में चुनाव भी है।

आज का मौसम 28 जून 2025ः दिल्ली-एनसीआर में जारी गर्मी का कहर, राजस्थान में भारी बारिश तो आंध्र प्रदेश में आंधी-तूफान का अलर्ट

नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोग भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। हर किसी को बस मॉनसून का इंतजार है, लेकिन आसमान से अबतक बादल नहीं बरसे हैं। हालांकि आज गर्मी से राहत की उम्मीद है। पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में शनिवार को बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। यह बारिश शाम के समय होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 36 और न्यूनतम 27 डिग्री रह सकता है। 29 जून को भी बादल छाए रहेंगे और मध्यम बारिश हो सकती है। अधिकतम तापमान 32 से 34 और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है।राजस्थान के कई हिस्सों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई और जैसलमेर में 68.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक अलवर में 27.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। जबकि जोधपुर में 18.6 मिमी, सीकर में 18 मिमी और कोटा में 9.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को श्रीगंगानगर 39.3 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा, जबकि सिरोही में सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान 23 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। शुक्रवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों में बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ में सबसे अधिक 130 मिमी बारिश हुई। इसके बाद जयपुर के बस्सी, बांसवाड़ा के सलावपाट और डूंगरपुर के वेजा में 110 मिमी बारिश दर्ज की गई।

लखनऊ में वीडियो बनाकर सुसाइडःशराब पार्टी में दोस्तों ने पीटा आहत होकर घर आकर फंदे से लटक गया

लखनऊ। लखनऊ में युवक ने दोस्तों की पिटाई से आहत होकर जान दे दी। शुक्रवार रात शराब पीने के बाद दोस्तों ने उसे पीट दिया। घर आकर उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। मोबाइल का वीडियो ऑन करके पंखे से फंदा लगाकर उसपर लटक गया।पत्नी ने रात में दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इस पर परिजनों को संदेह हुआ। कमरे का दरवाजा तोड़ा गया तो युवक का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर स्मॉर्टम के लिए भेजा।पुलिस को उसके मोबाइल से घटना का वीडियो मिला है। जिसमें वह स्टूल पर चढ़कर पंखे से फंदा लगाता और उसपर लटकता दिख रहा है। घटना शुक्रवार रात की फैजुल्लागंज के यशनगर की है।यशनगर का रहने वाला शिवा विश्वकर्मा (28) गल्ला मंडी में पल्लेदारी (मजदूरी) करता था। पत्नी आशा ने बताया कि शुक्रवार को वह काम पर गया था। वहां शराब पीकर दोस्तों में मारपीट हुई। शिवा के एक दोस्त ने रात साढ़े 9 बजे फोन करके घटना की जानकारी दी। उसने बताया कि शिवा को दोस्तों ने पीटा है।इसके बाद 11 बजे शिवा घर आ गया। मारपीट के बारे में पूछा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह कमरे में चला गया और मुझे बच्चों के साथ छत पर भेज दिया। कहा कि मैं भी नहाकर छत पर आ रहा हूं।वह काफी देर तक

नीचे नहीं आया तो आशा उसे देखने नीचे गईं। कमरे के अंदर से कोई आवाज नहीं आ रही थी। उसने दरवाजा खटखटाया तो भी पति ने कोई जवाब नहीं दिया। पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने दरवाजा तोड़ा तो शिवा का शव फंदे से लटकता मिला। शिवा के तीन बच्चे तनिष्क (5), साधिक (3) और ईशान (1.5) हैं।शिवा के मोबाइल से सुसाइड का वीडियो भी मिला है। जिसमें वह पंखे से फंदा तैयार करता और उसपर लटकता दिख रहा है। जब परिजन और पुलिस कमरे में गए तब भी मोबाइल की रिकॉर्डिंग ऑन थी। जो पूरे 15 मिनट की थी।पत्नी आशा ने बताया- मैं बच्चों के साथ छत पर थी। इस दौरान शिवा कमरे में फांसी की तैयारी कर रहा था। बच्चों के साथ होने की वजह से ध्यान नहीं दे पाई कि नीचे क्या हो रहा है। पति को आशुतोष, अमन, पंकज और अंकुर ने पीटा था।मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया- फांसी की स्पष्ट वजह अभी पता नहीं चल सकी है। परिजनों ने अभी तक शिकायत नहीं दी है। शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

2 माह में टपकने लगा केडी सिंह स्टेडियम का शेड,लखनऊ में स्विमिंग चैंपियनशिप में 500 प्लेयर ले रहे हिस्सा, करंट लगने का खतरा

लखनऊ। 39वीं सब जूनियर और 54वीं जूनियर स्टेट स्विमिंग ओलिंपिक साइज स्विमिंग पूल तैयार हुआ है। 11 अप्रैल को विशेष सचिव

चैंपियनशिप के पहले दिन केडी सिंह बाबू स्टेडियम में स्विमिंग के मुकाबले खेले जा रहे हैं। इसमें 500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। 246 पदकों के लिए खिलाड़ी अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।टूर्नामेंट में कुल 82 इवेंट खेले जाएंगे। तीन दिनों तक टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। इसमें पहले ग्रुप में 15,16 और 17 साल के बच्चे मैच खेलेंगे। चैंपियनशिप के बीच स्विमिंग पूल का शेड टपकने लगा है। इससे खिलाड़ियों को करंट लगने का खतरा बना है।18 करोड़ रुपए की लागत से बनकर केडी सिंह बाबू स्टेडियम का वित्त एमके भट्ट ने इसका उद्घाटन किया था। चार साल के इंतजार के बाद यह खुला। इसके बाद 39 वीं सब जूनियर स्टेट स्विमिंग चैंपियनशिप का मैच खेला जा रहा है।इसमें मैच के दौरान ही जब खिलाड़ी स्विमिंग कर रहे तो बारिश में शेड से लगातार पानी गिर रहा है। लाइट के बीच से गिर रहे पानी के चलते शेड में करंट फैलने का खतरा है। इसके साथ ही खिलाड़ी भी प्रैक्टिस कर रहे। ऐसे में खिलाड़ियों की जान भी जोखिम में है।

नीतीश ने मंत्री विजय चौधरी का हाथ खींच कर जबरन क्यों हटाया?

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मंच पर अचानक की गई एक हरकत ने सबको चौंका

दिया। पटना के बापू सभागार में आयोजित पुलिस भर्ती कार्यक्रम का मौका था। सीएम नीतीश ने अपने करीबी और वरिष्ठ मंत्री विजय चौधरी का हाथ पकड़कर उन्हें मंच से हटा दिया और उनके स्थान पर ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव को नियुक्त पत्र बांटने के लिए बुला लिया। इसे देखकर दोनों डिप्टी सीएम समेत सभी लोग हतप्रभ रह गए। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के बड़े अधिकारियों की मौजूदगी में ये घटना चर्चा का विषय बन गई।दरअसल, मंच पर दाहिने से सम्राट चौधरी, फिर नीतीश कुमार, विजय सिन्हा, विजय चौधरी और विजेंद्र खड़े थे। सीएम के बाद सम्राट चौधरी और फिर विजय सिन्हा ने नियुक्ति पत्र दिया। फिर सबसे आखिर में खड़े विजेंद्र यादव ने नियुक्ति पत्र बांटा। इसके बाद विजय चौधरी ने नियुक्ति पत्र दिया। इस बात की अनाउंस की जा रही थी कि किस कैंडिडेट को कौन मंत्री नियुक्ति पत्र देंगे। मगर, उस हिसाब से मंच पर सीएम और मंत्री खड़े नहीं थे। नीतीश कुमार ने इस बात को नोटिस कर लिया। फिर उन्होंने विजय चौधरी को किनारे जाने के लिए कहने के साथ धक्का देने लगे। आखिरकार, मंच पर विजय चौधरी विजेंद्र यादव ने अपना स्थान बदल दिया। मगर, जिस तरीके से ये सब मंच हुआ, वो काफी अटपटा था।कार्यक्रम के दौरान पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों डिप्टी सीएम ने नवनियुक्त सिपाहियों को नियुक्ति पत्र दिए। इसके बाद शिक्षा मंत्री विजय चौधरी की बारी आई। वे नियुक्ति पत्र दे ही रहे थे कि मुख्यमंत्री ने अचानक उनकी ओर मुड़कर कहा- ये-ये...' और उनका हाथ पकड़ लिया। ये देखकर विजय चौधरी भी मुस्कुराते हुए चुपचाप पीछे हट गए। उनकी जगह सीएम ने ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव को मंच पर बुला लिया और उन्हें नियुक्ति पत्र बांटने को कहा।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि अब बिहार पुलिस में 2 लाख 29 हजार कर्मी होंगे। यदि जरूरत पड़ी तो और भी अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब उनकी सरकार 2005 में बनी थी, तब राज्य में महज 42,481 पुलिसकर्मी थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त की स्थिति बेहद खराब थी, इसलिए हमने पुलिस बल को मजबूत करने का निर्णय लिया।

मध्य-पूर्व के इस युद्ध ने कई सारी चीजों से परदा हटाया है

(अभय कुमार दुबे) क्या मध्य-पूर्व में बारह दिन तक मिसाइलों और बमों से लड़े गए युद्ध में असली झगड़ा केवल 408 किलोग्राम यूरेनियम का था? हम जानते हैं कि 1984 से लगातार कोशिश करते-करते ईरान इस यूरेनियम को केवल 60 फीसदी तक ही परिष्कृत कर पाया था।एटम बम बनाने के लिए यह आंकड़ा 90 फीसदी तक पहुंचना जरूरी है। इसीलिए अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड ने ट्रम्प की डांट खाकर बयान बदलने से पहले स्वीकार कर लिया था कि ईरान बम बनाने से काफी दूर है।खास बात यह है कि अभी कुछ दिन पहले तक ट्रम्प का घोषित मकसद ईरानी यूरेनियम के एनरिचमेंट की सीमा तय करने का था। इसके लिए उनके और ईरान के बीच पांच दौर की बातचीत हो चुकी थी। बस एक दौर और होना था जिसके बाद एटमी संधि हो जाती। लेकिन, तब अचानक इजराइल ने ईरान पर हमला क्यों कर दिया?और इस हमले के बाद ट्रम्प ने अचानक एनरिचमेंट की सीमा आरोपित करने का लक्ष्य बदलकर ईरान के पूरे परमाणु कार्यक्रम को तबाह करने का इरादा क्यों बना लिया? अमेरिका पर निर्भर इजराइल उससे बिना पूछे यह कदम उठाने की जुर्रत तो नहीं ही कर सकता था।एक और जरूरी सवाल है। अमेरिका के बी-2 बमवर्षक विमानों ने ईरान के तीन एटमी संयंत्रों पर 14 जीबीयू-57 नामक बंकरतोड़क बम बरसाए। उसके पास ऐसे केवल 20 बम थे। अब बचे कुल छह। क्या अमेरिका के पास इस तरह की कोई गारंटी थी कि बाकी छह बम और डालने के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से खत्म हो जाएगा?विशेषज्ञों में इस बात पर मतैक्य है कि अमेरिकी बमबारी में केवल संयंत्रों को नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई तीन-चार साल में हो सकती है। सैटेलाइट की तस्वीरें बताती हैं कि एनरिच्ड यूरेनियम तो ईरान ने ट्रकों में भरकर पहले ही हटा लिया था। क्या अमेरिका की सीमाओं को ईरान के सिर्फ एक हमले (कतर के फौजी अड्डे पर) ने उजागर नहीं कर दिया है? इन सभी सवालों का एक संभव जवाब इस युद्ध के शुरू और बंद होने की अंतर्कथा में छिपा है।इसके मर्म में इजराइल, ईरान और मध्य-पूर्व के देशों के सत्ताधारियों पर हावी राजनीतिक असुरक्षा की भावना है। इसने ट्रम्प के मन की बेचैनियों के साथ जुड़कर हाहाकारी अंदेशों वाले युद्ध को जन्म दिया। युद्ध से पहले इजराइल के नेतन्याहू भ्रष्टाचार के इलजामों और बढ़ती अलोकप्रियता से जूझ रहे थे।सत्ता में टिके रहने के लिए उन्होंने दो कट्टरपंथी पार्टियों का सहारा लिया, जिनके नेताओं ने उन्हें फिलिस्तीनी समस्या के राजनीतिक हल का विकल्प अपनाने नहीं दिया। नेतन्याहू जानते हैं कि अगर सत्ता गई तो उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ेगा।ईरान के धार्मिक और राजनीतिक नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की सरकार भी अरसे से अलोकप्रियता का सामना कर रही थी। अपनी गिरती साख बचाने के लिए उन्हें भी युद्ध की आवश्यकता थी। उनके सत्ता से हटने का मतलब था 55 साल पुरानी इस्लामिक क्रांति का खात्मा। वे इतिहास में ऐसे अयातुल्ला की तरह नहीं दर्ज होना चाहते थे, जिसने इस्लामिक रिपब्लिक के सपने को नष्ट कर दिया हो। इसलिए उन्होंने खुदकुशी की हद तक जाने का फैसला कर लिया।कुवैत, बहरीन, कतर, यूईए, सऊदी अरब जैसे देशों के शासक अमेरिकी पिट्ठू होने के साथ-साथ पूरी तरह से तेल पर निर्भर निरंकुश तंत्रों का संचालन कर रहे हैं। जैसे ही ईरान ने कतर और इराक के फौजी अड्डों पर मिसाइल बरसाए, उनके हाथ-पैर फूल गए।उनके पास इस तरह के युद्ध में भाग लेने की सैन्य-क्षमता नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर दबाव डाला कि युद्ध खत्म होना उनके लिए जरूरी है। मध्य-पूर्व के इस युद्ध ने सबकी पोलें खोल दी हैं। सबसे ज्यादा तो उसने स्वयं युद्ध की नीति की ही पोल खोल दी है कि उसके पीछे छुपकर राजनीतिक अक्षमता के परिणामों से नहीं बचा जा सकता।मध्य-पूर्व के इस युद्ध के शुरू और खत्म होने की अंतर्कथा को समझना जरूरी है। इसने सबकी पोलें खोल दी। सबसे ज्यादा तो उसने युद्ध-नीति की पोल खोली है कि उसके पीछे छुपकर राजनीतिक अक्षमता के परिणामों से नहीं बचा जा सकता। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

हमारे बारे में पाकिस्तान का जुनून पुराना है

(मिन्हाज मर्चेंट) भारत को लेकर पाकिस्तान का जुनून बंटवारे के बाद ही शुरू हो गया था। 11 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान की संविधान सभा में अपने अध्यक्षीय भाषण में जिन्ना ने कहा था : 'विभाजन तो होना ही था। एकीकृत भारत का कोई भी विचार कभी कारगर नहीं हो सकता था, और मेरे ख्याल से वह हमें भयानक विनाश की ओर ही लेकर जाता।' 15 अप्रैल, 2025 को, यानी पहलगाम आतंकी हमले से महज सात दिन पहले, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने भी इस्लामाबाद में प्रवासी पाकिस्तानियों के वार्षिक सम्मेलन में बोलते हुए कहा था : 'हमारे पूर्वजों ने सोचा था कि हम जीवन के हर पहलू में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है। हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी परंपराएं अलग हैं। हमारे विचार अलग हैं। हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। यही दो कौम के सिद्धांत की बुनियाद थी, कि हम दो अलग राष्ट्र हैं। कश्मीर हमारे गले की नस है। हम इसे नहीं भूलेंगे।' इन दोनों भाषणों के बीच में 78 साल का फासला है, लेकिन इन सालों में अगर कोई एक चीज नहीं बदली है, तो वो है भारत के प्रति पाकिस्तान के रवैये में निहित गहरी मनोविकृति। वास्तव में, पाकिस्तान ने अपनी पैदाइश के समय ही अपनी सम्प्रभुता पश्चिमी मुल्कों के सामने समर्पित कर दी थी। अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध के दौरान उसने खुद को साम्यवाद के खिलाफ एक क्षेत्रीय ढाल के रूप में स्थापित किया। बदले में उसे वित्तीय और सैन्य सहायता मिली और गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा तक दे दिया गया। इस्लामाबाद का केवल एक ही एजेंडा था : भारत के साथ बराबरी। उसे पता था कि उसकी अर्थव्यवस्था भारत की तुलना में बहुत छोटी है, लेकिन पाकिस्तानी फौज के जनरलों का हमेशा से मानना रहा कि सैन्य-मामलों में वे भारत के बराबर हैं।बांग्लादेश युद्ध ने उस खुशफहमी को भी चकनाचूर कर दिया। न केवल पाकिस्तान दो टुकड़ों में बंट गया, बल्कि पूर्वी पाकिस्तान में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के अपमानजनक आत्मसमर्पण ने इस्लामाबाद के सैन्य-समानता के ढोंग को खत्म कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान की सेना ने आतंकवाद को स्टेट-पॉलिसी के एक साधन के रूप में अपनाया, ताकि भारत को हजारों घाव दिए जा सकें। अमेरिका के नेतृत्व वाला पश्चिम भी इसमें शामिल था। उसने 1979-89 के बीच अफगानिस्तान में सोवियत संघ से लड़ने के लिए पाकिस्तान के मुजाहिदीनों का इस्तेमाल किया। जब सोवियत संघ अफगानिस्तान से कूच कर गया, तो पाकिस्तान ने अपने मुजाहिदीनों को जम्मू-कश्मीर भेज दिया। इस्लामी आतंकवादी हमलों ने तब 3,00,000 से ज्यादा कश्मीरी पंडितों को उनके घर से खदेड़ दिया था। पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 1990 के दशक में कश्मीर घाटी को खून से लथपथ कर दिया था। अपनी मनोग्रंथि के चलते अब पाकिस्तान भारत से यह मनवाना चाहता था कि अगर वह आर्थिक या सैन्य रूप से उसके बराबर नहीं, तो कम से कम कश्मीर पर वह उससे बातचीत करने का हकदार जरूर है। जब भारत ने यह भी करने से मना कर दिया तो पाकिस्तान ने भारत को बातचीत की मेज पर लाने के लिए आतंकी हमलों का इस्तेमाल किया। लेकिन किस बारे में बातचीत? 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू-कश्मीर के स्टेटस पर तमाम बहसें समाप्त हो गई थीं। जैसा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार कहा है, इस्लामाबाद के साथ बातचीत के लिए एकमात्र विषय पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) है। जबकि ये पाकिस्तानी सेना के लिए वर्जित विषय थे। उसके दो ही तात्कालिक उद्देश्य हैं : पहला, भारत के आर्थिक और भू-राजनीतिक उदय के मद्देनजर उसका नाम पाकिस्तान के साथ फिर से जोड़ना (री-हाइफनेट), इससे पहले कि वह इस्लामाबाद की पहुंच से बाहर हो जाए। भारत की अर्थव्यवस्था पहले ही पाकिस्तान की कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था से 11 गुना बड़ी है और पाकिस्तान की तुलना में तीन गुना तेजी से बढ़ रही है। विश्लेषकों के अनुसार, 2035 तक भारत की जीडीपी के पाकिस्तान से 15 गुना बड़ी होने की संभावना है। इससे भारत के साथ बराबरी करने के पाकिस्तान के जुनून पर रोक लग जाएगी। पाकिस्तानी सेना का दूसरा मकसद इस विचार को बेचना है कि वह भी अंतरराष्ट्रीय संगठनों में एक सीट का हकदार है।इस्लामाबाद ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए आवेदन किया है, जिस पर भारत स्पष्ट रूप से वीटो लगाएगा, क्योंकि इसकी सदस्यता सर्वसम्मति पर आधारित है। पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारियों की पाकिस्तान के लगभग आधे व्यापारिक उद्यमों में हिस्सेदारी है। उन व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए, फौज को राजनीतिक नेतृत्व और नागरिक समाज दोनों पर अपनी सर्वोच्चता की छवि बनाए रखनी जरूरी है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों मिली करारी हार ने फौज के आभामण्डल को ध्वस्त कर दिया है। और इसके बावजूद भारत को लेकर पाकिस्तान का जुनून कम नहीं हुआ है। विडंबना यह है कि जनरल मुनीर दो अलग राष्ट्रों की चाहे जितनी बात कर लें, लेकिन आज पाकिस्तान भारत जैसा ज्यादा बनना चाहता है और पाकिस्तान जैसा कम। लेकिन अपने तमाम अरमानों के बावजूद आज पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बनकर रह गया है। अमेरिका जैसी प्रमुख ताकतें केवल उसका इस्तेमाल करती हैं। वह पश्चिम के अधीन हो गया है और विश्व-मंच पर भारत जैसी हैसियत हासिल करने के लिए तरस रहा है। भारत 2027 में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। 2027 में पाकिस्तान क्या होगा? एक ऐसी इकोनॉमी, जो पहले ही आईएमएफ और विश्व बैंक से मिलने वाले कर्जों पर निर्भर हो और जिसे अमेरिका और चीन से भू-रणनीतिक आदेश मिलते हों, वो भला किस मुकाम पर होगी? भारत जैसी हैसियत पाने के लिए तरस रहा है पाक... अपने तमाम अरमानों के बावजूद आज पाकिस्तान आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बनकर रह गया है। अमेरिका जैसी ताकतें अपने लाभ के लिए उसका इस्तेमाल करती हैं। वह पश्चिम के अधीन हो गया है और विश्व-मंच पर भारत जैसी हैसियत पाने के लिए तरस रहा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

प्यासे को कुएं तक जाना पड़ता है, कुआं उसके पास नहीं आता

(एन. रघुरामन) प्रिय छात्रो, विश्वविद्यालय करियर सेवा केंद्र छात्रों को ऑन-कैंपस इंटर्नशिप के अवसर खोजने और उन्हें तैयार करने में मदद के लिए समर्पित है। हमारा लक्ष्य नियोक्ताओं और छात्रों के साथ मिलकर ऐसा अनुभव देना है जो सीखने, पेशेवर विकास और उत्पादकता को बढ़ावा दे।

हम विभिन्न प्रकार के इंटर्नशिप अवसर प्रदान करते हैं, जिनमें शामिल हैं: मार्केट रिसर्च इंटर्न, डेटा एनालिस्ट, हेल्थ असिस्टेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपर, ऑफिस असिस्टेंट, आईटी असिस्टेंट और स्टूडेंट इन्फ्लुएंसर। इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक छात्र (विश्वविद्यालय कर्मचारी का नाम) @xxx18@gmail.com पर अपने मुख्य और एक वैकल्पिक ईमेल पते के साथ संपर्क कर सकते हैं, ताकि आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें।शुभकामनाएं, XXXX' विश्वविद्यालय करियर सेवा और पेशेवर विकास' सतही तौर पर देखें, तो ये डमी लैटर अच्छी तरह तैयार और व्यवस्थित मैसेज लगता है। हालांकि, यदि थोड़ा गहराई में जाएं, तो एक बड़ी खामी दिखतीहै- इसमें ईमेल एड्रेस यूनिवर्सिटी का नहीं, बल्कि एक सामान्य जीमेल है। अब बेंगलुरु की बात करें। वहां कई छात्र, ऑनलाइन इंटर्नशिप की पेशकश करने वाले ठगों का शिकार बन गए हैं, और उन्हें नहीं पता था कि भुगतान करने और ऑफर स्वीकार करने से पहले जांच करनी चाहिए।ये सब कैसे हो रहा है? पहले ये ठग इंटर्नशिप वेबसाइट्स के नाम से विद्यार्थियों के वॉट्सएप ग्रुप में घुस जाते हैं। पैसा ऐंठने से पहले ये वेबसाइट्स छात्रों के रिज्यूम को मजबूत करने के लिए मुफ्त इंटर्नशिप का विज्ञापन करती हैं। ये प्रक्रिया विद्यार्थियों के बीच गूगल फॉर्म भेजने से शुरु होती है। फिर कुछ दिन बाद हर विद्यार्थी से 250 से 500 रु. की फीस मांगी जाती है।कई ने दावा किया कि एक बार पैसा लेने के बाद आगे की प्रक्रिया के बारे में बहुत कम या बिल्कुल भी जानकारी नहीं होती। अंतिम वर्ष के छात्र अर्जुन का कहना है कि 'मैंने सोचा कि 450 रुपए देने के बाद मुझे कंटेंट राइटिंग का अनुभव मिलेगा।' लेकिन पैसा देने के बाद महसूस हुआ कि वहां कुछ भी वास्तविक काम नहीं था। बस कुछ सामान्य से निर्देश और एक प्रमाणपत्र का खाका शेयर कर दिया गया था।सिर्फ बेंगलुरु ही नहीं, पूरी दुनिया में ऐसे घोटाले अब आम हैं। विद्यार्थियों को इंटर्नशिप अवसरों के लिए निशाना बनाने वाले ठग अक्सर ऐसे ही संदेश इस्तेमाल करते हैं। ये वैध कंपनियों की भांति लग सकते हैं। यहां ठगी के कुछ सामान्य हथकंडों की जानकारी है।बिना आवेदन के ऑफर: ठग अक्सर उन्हें ईमेल-मैसेज भेजते हैं, जिन्होंने किसी पद के लिए आवेदन ही नहीं किया होता। इन ईमेल में दावा किया जाता है कि वह 'चुने गए हैं' या 'सोशल साइट्स पर उनकी रुचि देखी गई है।' याद रखें, वैधानिक कंपनियां उस व्यक्ति को नौकरी या इंटर्नशिप की पेशकश नहीं करती, जिन्होंने आवेदन ही नहीं किया हो।नौकरी का झूठा विवरण: यदि कोई नौकरी का प्रस्ताव व्यवहारिकता से परे लगे तो यकीन मानिए कि यह झूठा है। यदि नौकरी की जानकारी अस्पष्ट है, कम काम के बदले ज्यादा तनख्वाह का वादा करता है तो यह सच्चा नहीं है। मुझे एक बात बताओ कि कौन-सी कंपनी इतनी दयावान होगी कि वह बिना काम के ही आपको अधिक पैसा दे।दबाव बनाना: यदि कोई ठग आप पर ऑफर को स्वीकार करने के लिए दबाव बना रहा है, जल्दबाजी कर रहा है तो मान लीजिए कि यह शुद्ध तौर पर घोटाला है। याद रखें कि यदि इंटर्नशिप वास्तविक है तो बाजार में आपके जैसे हजारों अभ्यर्थी हैं, जिन्होंने बहुत पहले ही इस मौके को लपक लिया होता। चयन प्रक्रिया में हर किसी को जूझना पड़ता है।निजी जानकारी या पैसा मांगना: जो कंपनियां इंटर्नशिप का प्रस्ताव देती हैं, वो कभी निजी जानकारी या पैसा नहीं मांगती। यदि ऐसा है तो यह स्पष्ट तौर पर घोटाला है।फंडा यह है कि यदि आप अवसर, नौकरी या महज लोन की भी तलाश कर रहे हैं तो इन्हें देने वाले लोग आपके पास कभी नहीं आएंगे। आपको ही उनके पास जाना पड़ेगा। यदि बात इसके विपरीत है तो यह निश्चित ही घोटाला है। सावधान रहिए।

जरूरी है कि स्वास्थ्य बीमा वास्तव में सामाजिक बीमा भी बने

(ज्यां द्रेज) स्वास्थ्य बीमा योजनाएं गरीब मरीजों को कुछ राहत जरूर देती हैं, लेकिन इन योजनाओं में कई खतरे भी हैं। पिछले दस सालों में भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में एक उल्लेखनीय बदलाव आया है। स्वास्थ्य बीमा योजनाओं की पहुंच काफी बढ़ गई है। इनमें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) नामक राष्ट्रीय योजना है, जिसे केंद्र सरकार वित्तपोषित करती है। लगभग सभी राज्य सरकारों ने भी अपनी स्वास्थ्य बीमा योजनाएं लागू कर दी हैं। सभी को जोड़कर देखा जाए तो राज्यों की स्वास्थ्य बीमा योजनाएं पीएमजेएवाई से बड़ी हैं। कुछ राज्यों में, अधिकांश लोग अब स्वास्थ्य बीमा के दायरे में हैं। स्वास्थ्य बीमा को समझने के लिए हमें व्यावसायिक और सामाजिक बीमा के अंतर को समझना होगा। व्यावसायिक बीमा का उद्देश्य निजी मुनाफा है। सामाजिक बीमा सार्वजनिक लाभ के लिए है। उदाहरण के लिए, कनाडा और अमेरिका को देखें। अमेरिका में, स्वास्थ्य बीमा व्यवसाय है। स्वास्थ्य सेवा भी अपने आप में व्यवसाय ही है। नतीजतन अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली सबसे महंगी, अक्षम और असमान है। समाज के बड़े हिस्से के पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है। ऐसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा बहुत महंगी है, यह एक आपदा है। कनाडा सामाजिक बीमा का अच्छा उदाहरण है। वहां स्वास्थ्य बीमा अनिवार्य और सार्वभौमिक है। इसे कर से वित्तपोषित किया जाता है। स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क है। निजी और सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र दोनों हैं, लेकिन निजी अस्पताल मुख्य रूप से गैर-लाभकारी हैं। सभी स्वास्थ्य केंद्र बीमा के दायरे में हैं। यह एक प्रभावी, समतावादी और लोकप्रिय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली है। भारत की स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में सामाजिक बीमा के साथ-साथ व्यावसायिक बीमा की भी कुछ विशेषताएं हैं। इन योजनाओं का प्रबंधन करने वाली एजेंसियां निजी कंपनियों के बजाय ज्यादातर सार्वजनिक संस्थान हैं, लेकिन इन योजनाओं में शामिल कई अस्पताल व्यावसायिक हैं। इसी तरह, सरकार लाभार्थियों की ओर से बीमा प्रीमियम का भुगतान करती है, लेकिन स्वास्थ्य बीमा का कवरेज सार्वभौमिक नहीं है। भारत की स्वास्थ्य बीमा योजनाएं निश्चित रूप से गरीब मरीजों को राहत देती हैं, जब सार्वजनिक सुविधाएं अपर्याप्त होती हैं। हालांकि, इन योजनाओं में कई खतरे भी हैं। पहले, स्वास्थ्य बीमा प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बजाय अस्पताल में उपचार को प्राथमिकता देता है। दूसरा, वे निजी स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देते हैं, जबकि भारत में व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवा का प्रभाव पहले ही बहुत ज्यादा है। तीसरा, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में भ्रष्टाचार और दुरुपयोग की संभावना अधिकतर है। स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के अध्ययन से इन योजनाओं के कई और चिंताजनक पहलू सामने आते हैं। उदाहरण के लिए, गरीब लोग अक्सर इनका लाभ नहीं उठा पाते; कई रोगियों से निजी अस्पताल पैसे वसूलते हैं; दावों के भुगतान में अक्सर देरी होती है; और कुछ निजी अस्पताल इस योजना का फायदा उठाने के लिए अनावश्यक उपचार करते हैं। सरकारी अस्पतालों में भी स्वास्थ्य बीमा से समस्याएं पैदा होती हैं। इससे कई बार बीमाकृत और गैर-बीमाकृत रोगियों के बीच भेदभाव होता है। अस्पताल बीमाकृत मरीजों को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि उनका इलाज करने से उन्हें कुछ पैसे मिल जाते हैं। गैर-बीमाकृत रोगियों को सही उपचार मिलने की कोई गारंटी नहीं है। कभी-कभी, उन पर उपचार प्राप्त करने से पहले स्वास्थ्य बीमा के लिए पंजीकरण करने का दबाव भी डाला जाता है। इससे देरी और अन्य परेशानियां हो सकती हैं। ये समस्याएं तब उत्पन्न होती हैं, जब स्वास्थ्य बीमा वास्तव में सामाजिक बीमा नहीं होता। आम जनता स्वास्थ्य सेवा में सार्वजनिक निवेश की कमी की कीमत चुका रही है। सार्वजनिक स्वास्थ्य और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अधिक खर्च करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। इसके बिना, अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य बीमा का उपयोग करके निजी अस्पतालों की ओर भागेंगे। इससे निजी मुनाफा तो बढ़ेगा, लेकिन स्वस्थ जीवन दूर रहेगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

एक समाज के रूप में सभ्य संवाद हमारा दायित्व है

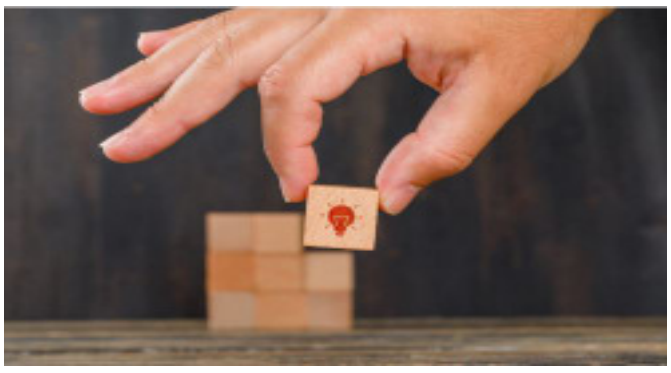

जामिया मिलिया इस्लामिया में मेरी पहली नौकरी के दौरान मेरे एक सहकर्मी अक्सर कहा करते थे कि जिन लोगों के तर्कों में ताकत की कमी होती है, वे अक्सर आक्रामकता का सहारा लेते हैं। या जब तर्क विफल हो जाता है तो लोग डराने-धमकाने का सहारा लेते हैं। आज भी यह बात मेरे दिमाग में बनी हुई है। जब भी मैं लोगों को बातचीत में अपने डेसिबल लेवल को बढ़ाते हुए देखता हूं, तो मेरे पूर्व सहकर्मी के वो शब्द प्रतिध्वनित होने लगते हैं। हम जाने कैसे भूल गए हैं कि एक सभ्य समाज और विचारशील लोकतंत्र में- तर्क, साक्ष्य और विचारों के संवेदनशील आदान-प्रदान के माध्यम से ही अनुनय जीता जाता है। हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति के मूक गवाह बनते जा रहे हैं- जहां बातों में तर्क की अनुपस्थिति की भरपाई बल और धमकी की जुबान से की जाती है। जिन लोगों के पास विचारों की ताकत की कमी है, वे लोगों को चिल्लाकर चुप करा रहे हैं। राजनीतिक समुदाय में भी विपक्ष को चुप कराने का कमोबेश यही तरीका अपनाया जाता है, बजाय इसके कि उन्हें समझाया जाए कि वे किस दृष्टिकोण से बहस कर रहे हैं। यह बदलाव- तर्कपूर्ण बहस से टकरावपूर्ण बयानबाजी तक- न केवल सभ्यता की विफलता है, बल्कि बौद्धिक क्षरण को भी दर्शाता है। जब तर्क तथ्यों या नैतिक तर्क पर आधारित नहीं रह जाते, बल्कि व्यक्तिगत हमलों पर टिके होते हैं, तो लोकतांत्रिक बातचीत का ताना-बाना बिखरने लगता है। यह शहर के पार्कों में सुबह टहलने के दौरान की चर्चा से लेकर गांव-मोहल्लों की चौपालों पर विचार-विमर्श और संसदीय बहसों पर भी लागू होता है। किसी भी सार्वजनिक स्थान पर बातचीत की प्रकृति को देखते हुए यह चौंकाने वाली सच्चाई दृष्टिगोचर होती है कि बल का तर्क उन लोगों की शरणस्थली बन गया है, जो विचारों के आधार पर जीत नहीं सकते और परिणामस्वरूप लोकतंत्र और सार्वजनिक विमर्श दोनों ही हार जाते हैं। इस तरह की बातचीत की उत्पत्ति को देखते हुए महसूस होता है कि जब आम नागरिक और राजनेता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की अस्थिर और अस्थायी सामग्री पर अधिक से अधिक निर्भर होते हैं, तो वे सूक्ष्म और विचारशील लोकतंत्र और सभ्य समाज के विचार के मूल तत्व को कमजोर करते हैं। त्वरित प्रतिक्रियाएं, आक्रोश से प्रेरित रुझान और ध्रुवीकरण करने वाले साउंडबाइट्स विचारशील बहस और तर्कपूर्ण संवाद की जगह ले लेते हैं। इस प्रक्रिया में, लोकतांत्रिक विमर्श वायरल सामग्री तक सीमित हो जाता है, जिससे जटिलता, समझौते और आलोचनात्मक सोच के लिए जगह खत्म हो जाती है। एक स्वस्थ लोकतंत्र और सभ्य समाज में, राजनीतिक नेतृत्व से विचार-विमर्श, आलोचनात्मक जुड़ाव और जटिलता के प्रति खुलेपन की उम्मीद की जाती है। हालांकि, नेताओं की बयानबाजी, रणनीति और यहां तक कि नीतिगत स्थिति को सोशल मीडिया के अस्थिर पारिस्थितिकी तंत्र से निकालने की बढ़ती प्रवृत्ति लोकतांत्रिक शासन और सभ्यतागत मूल्यों के मूलभूत आदर्शों के लिए खतरा है। ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म विचारशील विश्लेषण या साक्ष्य-आधारित तर्क के बजाय तात्कालिकता, सनसनीखेज और भावनात्मक प्रतिध्वनि को पुरस्कृत करने के लिए संरचित हैं। जब किसी सार्वजनिक मंच पर होने वाले विमर्श इन गतिशीलताओं से आकार लेते हैं, तो यह चिंतनशील होने के बजाय प्रतिक्रियात्मक हो जाता है। नेता जो ट्रेंडिंग हैशटैग, मीम्स या आक्रोश पैदा करने वाले पोस्ट चुनते हैं, वे अक्सर परामर्श, बहस और जांच के संस्थागत तंत्र को दरकिनार कर देते हैं। यह न केवल गंभीर सार्वजनिक मुद्दों को महत्वहीन बनाने में तेजी लाता है, बल्कि सार्थक नीति निर्माण पर लोकलुभावन मुद्रा को भी बढ़ावा देता है।सोशल मीडिया एल्गोरिदम को ध्रुवीकरण वाली सामग्री को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। जब राजनेता ऐसी सामग्री के साथ जुड़ते हैं, तो वे सामाजिक विभाजन को और गहरा और पीड़ादायक बनाने में प्रतिभागी बन जाते हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं) (प्रो. मनोज कुमार झा)

जिसकी लाठी उसकी भैंस के सिद्धांत से चल रही है दुनिया

(चेतन भगत) हम सभी ने स्कूल में भूगोल और इतिहास पढ़े हैं। कुछ लोग अंतरराष्ट्रीय संबंधों में उन्नत डिग्री हासिल करते हैं। इस विषय पर अनुभवी राजनयिक और अनगिनत थिंक टैंक हैं। संयुक्त राष्ट्र, जी7 और इन जैसी अन्य वैश्विक संस्थाओं का काम ही विश्व-व्यवस्था को बनाए रखना है। लेकिन इनमें से कोई भी आपको अंतरराष्ट्रीय संबंधों की हकीकत के लिए तैयार नहीं करता। वास्तविक दुनिया की कूटनीति पाठ्यपुस्तक के नियमों का पालन नहीं करती। यह विनम्र या निष्पक्ष या सुसंगत भी नहीं है। और इसके बावजूद उसके नियम आज की दुनिया को आकार देते हैं। वैश्विक शक्ति कैसे काम करती है, इसके बारे में कुछ अनकही सच्चाइयां इस प्रकार हैं। 1. जिसकी लाठी उसकी भैंस : वैश्विक मंच पर ऐसा कोई संविधान या सर्वोच्च न्यायालय नहीं है, जो राष्ट्रों को नियंत्रित करता हो। शक्तिशाली राष्ट्रों को जवाबदेह ठहराने वाला कोई अंतरराष्ट्रीय पुलिस-बल नहीं है। दुनिया ऐसे जंगल की तरह है- जहां सबसे शक्तिशाली वही करते हैं जो वे चाहते हैं, और बाकी को उनकी इच्छाओं का पालन करना होता है। आज अमेरिका दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई दूसरा देश कितना स्वाभिमानी, ऐतिहासिक या दृढ़ निश्चयी है। अमेरिका के समर्थन से इजराइल ने ईरान पर हवाई हमले किए और खुद अमेरिका ने भी उस पर सीधे हमला बोला। ईरान के पास ऐसा कोई वास्तविक मंच नहीं है, जहां वह विरोध दर्ज करा सके। जब तक किसी देश के पास सैन्य, आर्थिक या तकनीकी शक्ति न हो, वह वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण भूमिका की उम्मीद नहीं कर सकता। 2. दोस्ती मायने रखती है, लेकिन सिर्फ आपसी हितों के चलते : इजराइल एक छोटा-सा देश है, लेकिन उसके पास अपने आकार से कहीं अधिक ताकत है। क्यों? क्योंकि अमेरिका उसके साथ मजबूती से खड़ा है। अमेरिका में यहूदी समुदाय का कितना प्रभाव है, यह जगजाहिर है, लेकिन बात इससे भी आगे बढ़कर है। अमेरिका के मध्य-पूर्व में रणनीतिक हित हैं- तेल, गैस और शत्रुतापूर्ण कट्टरपंथी शासनों के उदय को रोकना। इजराइल को उसका समर्थन इन हितों के अनुरूप है। यह रिश्ता सिर्फ भावनात्मक ही नहीं है- इसमें आपसी लेन-देन और रणनीतिक सोच भी शामिल है। 3. यूएन कमजोर देशों के लिए है : हमें सिखाया गया था कि यूएन विश्व-व्यवस्था को नियंत्रित करता है। जबकि हकीकत यह है कि यह वित्त-पोषित एनजीओ की तरह काम करता है। यकीनन, यह मानवीय सहायता प्रदान करता है, संघर्षों में मध्यस्थता करता है, और शांति स्थापित करता है- लेकिन आमतौर पर छोटे या कम शक्तिशाली देशों के लिए। जब बड़े खिलाड़ी आगे बढ़ते हैं, तो यूएन मूकदर्शक बन जाता है। 4. विज्ञान, टेक्नोलॉजी, पूंजी और इनोवेशन जीतते हैं, कट्टरवाद नहीं : अमेरिका सिर्फ इसलिए शक्तिशाली नहीं है क्योंकि वह अमीर है, बल्कि इसलिए भी क्योंकि उसने सैन्य-तकनीक सहित दूसरी टेक्नोलॉजी में लगातार निवेश किया है। एयर डिफेंस, सटीक मिसाइलें, ड्रोन, एआई- इन सबमें कोई भी उसके करीब नहीं आता। मनुष्यजाति के इतिहास में हमेशा से ही बेहतर तकनीक वाले राष्ट्रों का दबदबा रहा है- बारूद के आविष्कार से लेकर अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों तक। जो सरकारें केवल आस्था, जूनून या अतीत के महिमामंडन पर निर्भर रहती हैं, वे अकसर अपने ही लोगों को मूर्ख बनाती हैं। 5. सॉफ्ट पावर एक मिथक है : फारसी कालीन बहुत बढ़िया हैं। ईरानी व्यंजन विश्व स्तरीय हैं। ईरानी सिनेमा ने अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। लेकिन युद्ध में कोई मायने नहीं रखता। सॉफ्ट पावर शब्द ही विरोधाभासी है। शक्ति कठोर होती है। और यह आर्थिक ताकत, सैन्य क्षमता और अत्याधुनिक तकनीक से आती है। ईरान-इजराइल-अमेरिका संघर्ष ने हमें बहुत सबक सिखाए हैं। जब तक किसी देश के पास सैन्य, आर्थिक या तकनीकी शक्ति न हो, वह वैश्विक मंच पर महत्वपूर्ण भूमिका की उम्मीद नहीं कर सकता। ईरान-इजराइल-यूएस संघर्ष ने हमें दुनिया की हकीकत के बारे में बहुत सबक सिखाए हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

एक और राजा रघुवंशी- पति की बाइक में लगाया जीपीएस, हत्यारों को लोकेशन दी,2 लाख की सुपारी आगे की खबर

उसने मेरे भाई की मौत के बाद भी एक आंसू तक नहीं बहाया, न ही

उसके चेहरे पर दर्द या तकलीफ दिखी।

वो कमरे में जाकर बार-बार किसी से बात करती थी।' 'ऐश्वर्या का ये बर्ताव देखकर मुझे उस पर शक होने लगा। मैंने पुलिस को ये बात बताई। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ कर पूछताछ शुरू की।'ये कहानी 13 फरवरी 2025 से शुरू हुई थी। तेजेश्वर के परिवार और पुलिस के मुताबिक, ऐश्वर्या का परिवार रिश्ता लेकर तेजेश्वर के घर आया था। उसकी अच्छी नौकरी लगी थी। ऐश्वर्या भी बैंक में काम करती थी। जोड़ी अच्छी थी, इसलिए दोनों परिवारों ने रिश्ता पक्का कर दिया। शादी की तारीख 18 मई तय हुई। तैयारियां भी शुरू हो गईं, लेकिन शादी से 5 दिन पहले 13 मई को ऐश्वर्या घर से गायब हो गई। ये बात तेजेश्वर के घरवालों को भी पता चली। ऐश्वर्या के घरवालों ने दावा किया कि वो मां पर दहेज का दबाव देखकर परेशान थी। इसलिए कुछ दिनों के लिए अपनी दोस्त के घर चली गई है। दो दिन तक ऐश्वर्या का पता नहीं चला, तो बातें होने लगीं कि वो किसी और के साथ भाग गई हैं। शादी से दो दिन पहले 16 मई को ऐश्वर्या अचानक घर लौट आई। उसने सभी से माफी मांगी और कहा कि मैं परेशान थी, लेकिन अब सब ठीक करना चाहती हूं। उसने तेजेश्वर को रोते हुए भरोसा दिलाया कि वो उसे पसंद करती है और उसी से शादी करना चाहती है। इस घटना के बाद से तेजेश्वर के घरवाले ऐश्वर्या को नापसंद करने लगे थे। हालांकि, तेजेश्वर सब भुलाकर ऐश्वर्या से शादी करने को तैयार हो गया। दोनों परिवारों ने 18 मई 2025 को तेजेश्वर-ऐश्वर्या की शादी करा दी। इसी के बाद चीजें खराब होना शुरू हो गईं। परिवार के मुताबिक, शादी के दूसरे दिन से ऐश्वर्या का व्यवहार बदलने लगा। वो दिनभर मोबाइल फोन पर लगी रहती, तेजेश्वर से बात तक नहीं करती थी। एक दिन तेजेश्वर और ऐश्वर्या के बीच खूब कहासुनी हुई। उसने सारी बात परिवार को भी बताई, लेकिन सबने यही समझा कि नई शादी है। ऐश्वर्या को थोड़ा वक्त देना चाहिए।तेजेश्वर के भाई तेजवर्धन कहते हैं, '17 जून की सुबह 9:30 बजे तेजेश्वर घर से बाहर निकला और देर रात तक नहीं लौटा। उसका फोन भी स्विच ऑफ आने लगा। मैंने उसके लापता होने की रिपोर्ट गडवाल थाने में दर्ज करवाई। मेरी शिकायत के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की।' कुरनूल पुलिस के मुताबिक, इस केस की शुरुआती जांच नॉर्मल तरीके से की गई। तेजेश्वर के भाई तेजवर्धन ने ऐश्वर्या पर शक जताया, तब उसकी सीडीआर यानी कॉल रिकॉर्ड निकलवाई गई। यहीं से केस पलट गया।' 'इन्वेस्टिगेशन में पता चला कि 10 मई से 18 जून तक ऐश्वर्या ने प्रेमी तिरुमला से 2000 बार बात की थी। इनमें से कई कॉल्स की ड्यूरेशन 1 घंटे से ज्यादा थी।' पुलिस ने ऐश्वर्या से कॉल के बारे में पूछा तो वो अनजान बनने लगी, लेकिन जब उसके सामने सबूत रखे गए, तो उसने घबराकर जुर्म कबूल लिया। ऐश्वर्या ने पुलिस को बताया कि वो बैंक में साथ काम करने वाले तिरुमला राव के साथ रिश्ते में थी। दोनों ने तेजेश्वर की हत्या करने की साजिश रची थी। गडवाल टाउन के सब-इंस्पेक्टर कुम्मारी श्रीनिवास इस केस की जांच कर रहे हैं। हमने उनसे फोन पर बात की। श्रीनिवास कहते हैं, 'तेजेश्वर को खोजने के लिए हमने अलग-अलग जगहों पर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पता चला कि 17 जून को तेजेश्वर जिस कार में घर से निकला, वो गडवाल से आंध्र प्रदेश के पन्यम इलाके की तरफ गई थी। हमारी टीमों ने उसे वहां तक जाकर खोजा।' '21 जून को तेजेश्वर की डेडबॉडी सुगलिमेड्डा इलाके में नहर के पास पड़ी मिली। लाश सड़ चुकी थी, उस पर कीड़े रेंग रहे थे। हमने डेडबॉडी उसके घरवालों को दिखाई। उन्होंने बताया कि लाश तेजेश्वर की ही है।' तेजेश्वर के पिता गंता जयरामुलू को पहले तो डेडबॉडी देखकर यकीन ही नहीं हुआ कि ये उनका बेटा है, लेकिन जब हाथ में पहना कड़ा देखा, तो वो फूट-फूटकर रोने लगे।जयरामुलू कहते हैं, 'हमने खुशी-खुशी तेजेश्वर की शादी की थी। तब नहीं जानता था कि जिसे बहू बनाकर लाए हैं, वही बेटे की जान ले लेगी। अब घर में सन्नाटा है। तेजेश्वर की तस्वीरें देखता हूं, तो बहुत तकलीफ होती है। यही सोचता हूं कि आखिरी वक्त उसने कितना दर्द झेला होगा।' 'मेरे बेटे ने किसी का क्या बिगाड़ा था। वो सीधे-सादे तरीके से जिंदगी जी रहा था। जिन लोगों ने उसे मारा है, उन्हें छोड़ना नहीं चाहिए। हत्यारों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। तभी हमारे परिवार को इंसाफ मिलेगा।'सब-इंस्पेक्टर कुम्मारी श्रीनिवास आगे कहते हैं, 'तेजेश्वर के मर्डर से पहले आरोपियों ने 3 महीने तक साजिश रची। सुपारी किलर्स लगातार कुरनूल से गडवाल के रास्ते की रेकी कर रहे थे। वो तेजेश्वर की हर एक्टिविटी पर नजर रखते और हत्या कर किस रास्ते से भागा जाए, इसे अच्छी तरह से समझ रहे थे।''हमने कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर कुरनूल से तीनों संदिग्ध नागेश, परशुराम और राजू को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर तीनों ने कबूला कि तिरुमला राव ने तेजेश्वर की हत्या के लिए उन्हें 2 लाख रुपए सुपारी दी थी।' 'मोबाइल फोन रिकॉर्ड्स से भी ये पता चला है कि आरोपियों और ऐश्वर्या के बीच लगातार बातचीत हो रही थी। इससे ये साबित होता है कि मर्डर को बहुत सोच-समझकर प्लान किया गया।'गडवाल पुलिस के मुताबिक, तीनों सुपारी किलर क्लाइंट बनकर तेजेश्वर से मिले थे। उन्होंने तेजेश्वर से कहा कि एर्रावली के पास जमीन की नपाई करवानी है। साजिश से अनजान तेजेश्वर उनके साथ चला गया। पहले गाड़ी एर्रावली की ओर गई और एनएच-44 से कुछ दूरी पर वीरापुरम स्टेज के पास रुक गई। वहीं आरोपियों ने तेजेश्वर पर चाकू से हमला किया और उसकी गला रेत दिया।तेजेश्वर के परिवार का आरोप है कि हत्या में ऐश्वर्या के अलावा उसकी मां सुजाता भी शामिल हैं। उनको पता चला था कि सुजाता पहले तिरुमला राव के ऑफिस में सफाई कर्मचारी थी। उसका भी राव के साथ अवैध संबंध था। सुजाता ऑफिस नहीं जा पाती थी, तब उसकी बेटी ऐश्वर्या उसकी जगह काम करने जाती थी। इसी दौरान राव और ऐश्वर्या के बीच भी नजदीकियां बढ़ गईं। सुजाता चाहती थी कि ऐश्वर्या की शादी तेजेश्वर से हो जाए, ताकि वो तिरुमला राव के साथ अपना रिश्ता जारी रख सके। हालांकि, केस में लव ट्राएंगल जैसी बात से गडवाल पुलिस इनकार कर रही है। क्या ऐश्वर्या की मां तेजेश्वर की हत्या में शामिल थी? इस सवाल पर SI कुम्मारी श्रीनिवास कहते हैं, 'अब तक हुई जांच में ऐश्वर्या की मां का सीधा कनेक्शन सामने नहीं आया है। मामले का मास्टरमाइंड बैंक कर्मचारी तिरुमला राव है। उसी ने हत्याकांड का प्लान बनाया। हमने उसे 24 जून को गिरफ्तार कर लिया था।' 'पुलिस ने तेजेश्वर के एक पड़ोसी युवक को भी हिरासत में लिया है। हमें शक है कि हत्या के दिन वो आरोपियों के संपर्क में था। फिलहाल गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों से पूछताछ जारी है। सभी को घटनास्थल पर ले जाकर सीन रीक्रिएट करवाया गया है। केस की जांच जारी है।

एअर इंडिया ने 4 कर्मचारियों से इस्तीफा मांगाःअहमदाबाद प्लेन क्रैश के 8 दिन बाद मनाया था जश्न, डांस का वीडियो सामने आया

नयी दिल्ली। एअर इंडिया ने अपने ग्राउंड हैंडलिंग वेंचर एआईएसएटीएस के 4 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा है। ये कार्रवाई इनकी एक

पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद की गई। इन कर्मचारियों ने अहमदाबाद प्लेन हादसे के 8 दिन बाद यह पार्टी की थी। एअर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'अहमदाबाद प्लेन हादसे की दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ हम पूरी संवेदना के साथ खड़े हैं। वायरल वीडियो में कर्मचारियों का व्यवहार है, वह हमारी कंपनी की पॉलिसी के खिलाफ है। हमने जिम्मेदार लोगों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।'मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि एअर इंडिया के स्टाफ ने 20 जून एआईएसएटीएस के गुरुग्राम ऑफिस में पार्टी की थी। ये खबर वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इन कर्मचारियों को निंदा की। कहा कि एयर इंडिया के प्लेन क्रैश के बाद कोई कैसे जश्न मना सकता है। यूजर एअर इंडिया की संवेदनशीलता पर सवाल उठा रहे थे। इस दौरान एयरलाइन को भी ट्रोल किया गया। अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है। डीजीसीए ने 21 जून को एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाने का आदेश दिया था। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल थे। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई। डीजीसीएस ने एअर इंडिया को तत्काल प्रभाव से इन्हें क्रू शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग से जुड़े रोल से हटाने का आदेश दिया था।एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। इनमें 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे। हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया है।फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, विमान का आखिरी सिग्नल 190 मीटर (625 फीट) की ऊंचाई पर मिला, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद था। भारत के सिविल एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने बताया कि विमान ने 12 जून की दोपहर 1:39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मेडे कॉल (इमरजेंसी मैसेज) भेजा, लेकिन इसके बाद कोई जवाब नहीं मिला। डीजीसीए के अनुसार, विमान में दो पायलट और 10 केबिन क्रू सहित कुल 242 लोग सवार थे। पायलट के पास 8,200 घंटे और को-पायलट के पास 1,100 घंटे की उड़ान का अनुभव था।

देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग,बिहार की 42 नगर पालिकाओं के चुनाव में मतदान जारी, मोतिहारी की विभा पहली ई-वोटर बनीं

पटना। देश में पहली बार मोबाइल एप से वोटिंग हो रही है। बहिार के 26 जिलों की 42 नगर पालिकाओं के

उपचुनाव हो रहे हैं। इसमें छह नगर पालिकाओं में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-वोटिंग हो रही हैं। यह प्रोजेक्ट वोटिंग सेंटर्स तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए किया गया है। वोटिंग के लिए दो ऐप लॉन्च किए गए हैं। यह सुविधा लेने के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना था। चुनाव आयोग के अनुसार ई-वोटिंग के लिए 50 हजार से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक ई-वोटिंग हुई। दुबई, कतर जैसे देशों में रह रहे प्रवासी बिहारियों ने भी ऐप के जरिए वोटिंग की। मोतिहारी की विभा ने एप से पहला वोट डाला, जिससे वह देश की पहली ई-वोटर बन गई हैं। 1 बजे 80फीसदी से ज्यादा ई वोटिंग हुई है, जबकि 35फीसदीलोगों ने बूथ पर जाकर वोट डाला है।बिहार में आज 6 नगर निकाय की 136 सीटों के लिए वोटिंग हो रही है। इसमें 3 नगर निकायों का कार्यकाल पूरा होने पर मतदान हो रहा है। जबकि बाकी जगह पर उपचुनाव हो रहा है। पटना जिले में तीन नगर पंचायत नौबतपुर, बिक्रम, खुसरुपुर में कार्यकाल पूरा हुआ है। तीनों में चुनाव हो रहा है। नौबतपुर में 17 पदों के लिए वोटिंग हो रही है। जिसमें 15 वार्ड पार्षद, एक मुख्य पार्षद, एक उप मुख्य पार्षद है। बिक्रम में 16 सीटों के लिए मतदान हो रहा है, जिसमें 14 वार्ड पार्षद, एक मुख्य पार्षद और एक उप मुख्य पार्षद हैं। खुसरुपुर में 10 वार्ड हैं, जिनके लिए चुनाव हो रहा है। इसमें 10 पार्षद, एक मुख्य पार्षद के पद हैं।पटना जिले के बिक्रम और नौबतपुर नगर पंचायत में शनिवार की सुबह 7 बजे से वोटिंग जारी है। खुसरूपुर नगर पंचायत में 1 बजे तक 42.60फीसदी वोटिंग हुई है। मतदान करने पहुंची मालती देवी ने कहा- 'बूथ पर आई तो पता चला कि मेरा वोट पड़ चुका है। मुझे स्याही लगा कर वापस भेज दिया गया है। मेरे पास कोई स्मार्टफोन नहीं है। अकेले रहती हूं। इसके बावजूद वोट दूसरा कैसे दे सकता है।' वहीं, इस मामले पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार को दी गई है। इसकी जांच जारी है।बुजुर्ग, दिव्यांग, असाध्य रोग से पीड़ित या प्रवासी मतदाता ई वोटिंग कर सकते हैं। इसके लिए 22 जून तक रजिस्ट्रेशन कराने का अंतिम तारीख थी। जिन्होंने रजिस्ट्रेशन किया है सिर्फ वहीं मतदान कर सकते है। दुबई, कतर जैसे देशों में रह रहे प्रवासी बिहारियों ने भी मतदान किया है।भागलपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 10 में पार्षद पद के लिए उप चुनाव हो रहा है। सुबह 7 बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच वोट डाले जा रहे हैं। दोपहर 12 बजे तक 23 फीसदी वोटिंग हुई है। करीब 7800 वोटर हैं। शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। एसएसपी हृदय कांत खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने बताया कि 'आज हमारे लिए बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। बिहार के लिए गर्व की बात है कि पूरे देश में पहली बार ई वोटिंग बिहार में हो रही है। सुबह में कुछ टेक्निकल इश्यू आए थे, लेकिन सभी जगह पर काफी आसानी से ई वोटिंग किया गया है। लगभग 80फीसदी से भी ज्यादा लोग ई वोट डाल चुके हैं।

लैंडस्लाइड के चलते केदारनाथ हाईवे फिर बंदःनॉर्थ ईस्ट में 5 दिन से रेल कनेक्टिविटी टूटी

नयी दिल्ली। मौसम विभाग ने आज देश के 31 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। यूपी-बिहार

समेत देश के 27 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र (मध्य), केरल में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के सोनप्रयाग में शुक्रवार देर रात तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। इस वजह से केदारनाथ हाईवे बंद हो गया है। रास्ते से मलबे को हटाने का काम जारी है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ दूर पहले सुरक्षित स्थान पर ही रोक लिया है। राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को जैसलमेर, जयपुर, सीकर, अलवर समेत 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, बिजली गिरने से बूंदी में एक युवक और महिला, सिरोही में बच्चे और डूंगरपुर में युवक की मौत हो गई। महाराष्ट्र में तेज बारिश जारी है। मुंबई में समुद्र में हाई टाइड उठ रहा है। इस वजह से समुद्र किनारे की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, महाराष्ट्र के चंद्रपुर का ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व का मेन एरिया मानसून की वजह से 1 जुलाई से तीन महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद किया गया है। त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, असम (दक्षिण) में रेलवे लाइन पर कई जगहों पर तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई है। इस वजह से शुक्रवार को लगातार पांचवे दिन ट्रेन सर्विस बाधित रही। वहीं, केरल में जल्द ही 136 फीट के खतरे के निशान को छू सकता है।यूपी में मानसून जमकर बरस रहा है। सहारनपुर में शनिवार सुबह एक घंटे तक तेज बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज 14 जिलों में भारी बारिश और 55 जिलों में बिजली गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में 15 शहरों में औसतन 0.8 मिमी बारिश हुई, जो कि सामान्य 5.8 मिमी से 87 फीसदी कम है। एक जून से अब तक प्रदेश में 76.3 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य 74.1 मिमी से 3 फीसदी अधिक है।

अखिलेश यादव सत्ता के दरवाजे में घुसने के लिए परेशान हैं... सुभासपा का सपा सुप्रीमो पर तीखा पलटवार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'ओपी राजभर' बयान पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने

करारा जवाब दिया है। सुभासपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविंद राजभर ने शनिवार को मीडिया में बयान जारी करते हुए अखिलेश पर निशाना साधा। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि सुभासपा ही सत्ता का असली दरवाजा है। एसपी में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उसमें प्रवेश के लिए बेचैन हैं।डॉ. अरविंद राजभर ने कहा कि जब तक सुभासपा एनडीए के साथ इस दरवाजे पर खड़ी है सपा को सत्ता का मुंह देखना मुश्किल है। अखिलेश यादव दिन रात यही चिंता करते हैं। कैसे असली पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) उनके साथ आए।लेकिन सत्ता उनके लिए वर्षों दूर रहेगी। उन्होंने सपा पर अवसरवादी राजनीति का आरोप लगाते हुए कहा कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) वंचित, शोषित और समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकारों के लिए लड़ती है।डॉ. राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि जनता जानती है कि कौन सत्ता की चिंता में डूबा है और कौन जनसेवा में लगा है। सुभासपा की ओर से डॉ अरविंद राजभर ने स्पष्ट किया कि वह अधिकारवादी राजनीति में विश्वास रखती है।सुभासपा सत्ता के लिए सौदेबाजी में भी यकीन नहीं करती है। राजनीति पर नजदीक से निगार रखने वालों की माने तो सुभाष पार्क के डॉक्टर अरविंद राजभर के इस बयान से इस उत्तर प्रदेश की सियासत में नया राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू हो सकता है।

जाली नोट गैंग पर एटीएस का बड़ा एक्शन,रु100000 की नकली करेंसी के साथ अनस अहमद गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस ने एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। एटीएस की टीम ने जाली नोटों की तस्करी से जुड़े गिरोह के एक अन्य सक्रिय सदस्य को सीतापुर से

गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सीतापुर निवासी 25 वर्षीय अनस अहमद के रूप में हुई है। यह कार्रवाई उस संगठित नेटवर्क के खिलाफ की गई है, जिसका मास्टरमाइंड और दो अन्य सदस्य पहले ही पकड़े जा चुके हैं। गिरोह पर देश के कई राज्यों में नकली नोटों की आपूर्ति का आरोप है।एटीएस को खुफिया जानकारी मिली थी कि जाली नोट गिरोह का एक फरार आरोपी अनस अहमद जिला सीतापुर में सक्रिय है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अनस अहमद को अहमदपुर जट मार्ग से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से कुल 1,05,000 रुपये के जाली नोट बरामद किये गए हैं। जिसमें 30,600 रुपये के तैयार नकली नोट (500, 200 और 100 रुपये के कुल 124 नोट बरामद हुए हैं। साथ ही थ्रेड पेपर पर छपे 56,000 रुपये के 200 रुपये के नकली नोटों की 70 शीट, 18,400 रुपये के 100 रुपये के नोटों की 46 शीट बरामद हुई है।पूछताछ में अनस ने बताया कि उसे यह नकली करेंसी बागपत निवासी गजेंद्र यादव ने बिक्री के लिए दी थी, जो इस गिरोह का एक और सदस्य है। एटीएस अब इस नेटवर्क के अन्य सहयोगियों की तलाश में जुट गई है। इससे पूर्व एटीएस ने गिरोह के मास्टरमाइंड सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर एटीएस थाना लखनऊ पर भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 178, 179, 180, 181 व 61(2) के तहत मुकदमा संख्या 07/2025 दर्ज किया था। अनस अहमद इसी मुकदमे में नामजद आरोपी था और गिरफ्तारी से अब नेटवर्क का एक और अहम सिरा उजागर हो गया है।बरामद नकली नोटों की गुणवत्ता और मात्रा से स्पष्ट है कि यह कोई सामान्य आपराधिक गतिविधि नहीं, बल्कि एक संगठित और उच्चस्तरीय साजिश है, जो देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की मंशा से चलाई जा रही थी।

अखिलेश यादव ने मेट्रो को लेकर मुख्यमंत्री को लिया आड़े हाथों, बोले- न झांसी में मेट्रो बनी न गोरखपुर में

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को प्रेस

कॉन्फ्रेंस कर सीएम योगी आदित्यनाथ और बीजेपी पर हमलों की बौछार कर दी है। अखिलेश यादव ने योगी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गोरखपुर के लिए जो घोषणा की थी तो कहा था कि गोरखपुर में मेट्रो बनाएंगे। दिल्ली के 11 साल और इस सरकार के 9 साल पूरे होने जा रहे हैं, न झांसी में मेट्रो बनी है, न गोरखपुर में मेट्रो बनी है। साथ ही सपा मुखिया ने कहा कि अयोध्या और प्रयागराज में बीजेपी लोकसभा सीटें हार गईं और बनारस में हारते-हारते बची है। अब अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है। लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को आयोजित कर पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने एक-एक कर बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। सत्ताधारी बीजेपी पर जमीन कब्जाने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पता नहीं भारतीय जनता पार्टी को क्या हो गया है, जहां जमीन दिखाई दे रही वहां इनके लोग कब्जा कर रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर गोरखपुर वालों ने अपने राज खोल दिए तो वहां विरासत गलियारे की जगह हिरासत गलियारा बनाना पड़ेगा। बताते चलें गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह जनपद है और वो वहां से कई बार सांसद भी रह चुके हैं।अखिलेश यादव ने आगे कहा कि सरकार अपना डर दिखा करके सहमति के पत्र जारी करवा रही है। हमारी मांग है कि डरा कर धमका कर नहीं, बल्कि व्यापारियों को बाजार की कीमत के हिसाब से मुआवजा देना चाहिए। अगर व्यापारी लिखकर देंगे तो ऐसे अधिकारियों पर समय आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी कहा कि अयोध्या और प्रयागराज में बीजेपी लोकसभा हारी और बनारस में हारते हारते बची है। अब अगला नंबर मथुरा और गोरखपुर का है। बीजेपी के लोग किसी के सगे नहीं हैं। सपा मुखिया ने कहा कि कोई मुख्यमंत्री इतना अपने गृह जनपद नहीं गया होगा, जितना यह मुख्यमंत्री गए हैं। जो लोग आरक्षण, संविधान, भाईचारे के खिलाफ हैं, वह सीधा न बोलकर सेक्युलर और सोशलिस्ट के खिलाफ बोलते हैं।

रोडीज़ के जैसे टास्क देकर करते थे 'खेल', सेना का फर्जी कर्नल बन जॉब का झांसा देने वाले गैंग का पर्दाफाश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। एसटीएफ की टीम ने दो अलग-अलग मामलों में जबरदस्त कार्रवाई करते हुए अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। एक और जहां सेना का फर्जी कर्नल बनकर बेरोजगार युवक-युवतियों से नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले को धर-दबोचा है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए करोड़ों की साइबर ठगी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया है। एसटीएफ ने इस गिरोह के मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपियों को भोपाल से गिरफ्तार कर लिया है।दरअसल एसटीएफ को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि एक व्यक्ति खुद को भारतीय सेना का कर्नल बताकर लोगों को सेना में नौकरी दिलाने का झांसा दे रहा है। इस सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ ने 28 जून को सीतापुर के हेमपुरवा क्षेत्र से राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान मुजफ्फरनगर निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई है। राहुल पूर्व में महार रेजीमेंट सागर (म.प्र.) में सिपाही पद पर कार्यरत था।आरोपी राहुल कुमार के पास से एसटीएफ की टीम को सेना की फर्जी वर्दी, चार फर्जी नियुक्ति पत्र, दो नकली सरकारी मोहरें, एक आधार कार्ड और एक कैंटीन कार्ड और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना,,सब के अधरों पे गीत लिख देनाः प्रद्युम्न त्रिपाठी

कवियों ने एक से बढ़कर एक कविता सुनाकर वाहवाही लूटी, कई कवियों को किया गया सम्मानित, रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में रॉबर्ट्सगंज कचहरी परिसर स्थित

सोनभद्र बार एसोसिएशन सभागार में शुक्रवार को काव्य संध्या का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने किया। मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र वरिष्ठ कथाकार रहे। संचालन अशोक तिवारी ने किया। वाणी वंदना दिवाकर दिवेदी मेघ ने किया और विधिवत् कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने मीरा मोहन की प्रीत लिख देना, सबके अधरों पे गीत लिख देना, दिल में हो रुदन कहीं भी नहीं, साथ साजन हो जीत लिख देना सुनाकर वातावरण सृजित कर वाहवाही लूटी। प्रयागराज से पधारे शायर शारिक मखदूम फूलपुरी का अभिनंदन अंगवस्त्र, लेखनी, पुस्तक, प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। उनकी गजल, डूबा रहा गमों में किनारा नहीं मिला, मैं चाहता था जो वो सहारा नहीं मिला सुनाकर तालियां बजवाते रहे। ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने,, जयहिंद वंदेमातरम का जो करते सम्मान नहीं। वे भारत माता के दुश्मन उनका हिंदुस्तान नहीं सुनाकर राष्ट्रीयता को मुखर स्वर दिया और लोगों में देशभक्ति की हुंकार भरी। दयानंद दयालू, दिलीप सिंह दीपक, सुधाकर स्वदेश प्रेम ने भी काव्य पाठ किया। वीर रस के कवि प्रभात सिंह चंदेल ने सुपूत पूत भारती के लहू से ललाट पर तिलक लगाते हैं सुनाकर शहीदों को नमन किया सराहे गये। धर्मेश चौहान ने जहाँ टीबी और बीवी शिर्षक से हास्य व्यंग्य सुनाकर तालियां बटोरीं वहीं उनकी देश भक्ति की रचना वतन पर होता जो कुरबान वहीं भगवान् मेरा है काफी सराही गई। अशोक तिवारी ने, हाँ हमने तुझसे प्यार किया और क्या किया,,, वरिष्ठ शायर अब्दुल हई ने उधर से गुजरा तो झुक कर मिला हिमाला भी, सलीका प्यार का इसको सिखा दिया किसने सुनाकर महफ़िल लूट लिया। दिवाकर दिवेदी मेघ ने,, बरवा कटा के कट कौवा, बीए पढ़े लागल बा बेटौवा सुनाकर खूब हंसाये।शाइर जुल्फेकार हैदर खान ने गजल सुनाकर तालियां बटोरीं।मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने कौमी एकता की रचना, हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है ।दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए सुनाकर समरसता की बात किया। नरेन्द्र कुमार पाठक ने वक्तव्य देकर देश की दिशा दशा पर चिंतन दिया। अंत में अध्यक्षता करते हुये सोनांचल साहित्यकार परिषद् प्रमुख कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने लोकभाषा व हिंदी खडी बोली की गंभीर कई रचनाओं का वाचन कर सबको आशीर्वाद शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को विराम दिया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, त्रिपुरारी मिश्रा, संदीप कुमार शुक्ल, ऋषभ ,ठाकुर सुनाकर शहीदों को नमन किया सराहे गये। धर्मेश चौहान ने जहाँ टीबी और बीवी शिर्षक से हास्य व्यंग्य सुनाकर तालियां बटोरीं वहीं उनकी देश भक्ति की रचना वतन पर होता जो कुरबान वहीं भगवान् मेरा है काफी सराही गई। अशोक तिवारी ने, हाँ हमने तुझसे प्यार किया और क्या किया,,, वरिष्ठ शायर अब्दुल हई ने उधर से गुजरा तो झुक कर मिला हिमाला भी, सलीका प्यार का इसको सिखा दिया किसने सुनाकर महफ़िल लूट लिया। दिवाकर दिवेदी मेघ ने,, बरवा कटा के कट कौवा, बीए पढ़े लागल बा बेटौवा सुनाकर खूब हंसाये।शाइर जुल्फेकार हैदर खान ने गजल सुनाकर तालियां बटोरीं।मुख्य अतिथि रामनाथ शिवेन्द्र ने कौमी एकता की रचना, हमें रोटियां ही दीजिये बहुत भूख लगी है ।दे रहे हैं गीता कुरान किसलिए सुनाकर समरसता की बात किया। नरेन्द्र कुमार पाठक ने वक्तव्य देकर देश की दिशा दशा पर चिंतन दिया। अंत में अध्यक्षता करते हुये सोनांचल साहित्यकार परिषद् प्रमुख कविराज रमाशंकर पांडेय विकल ने लोकभाषा व हिंदी खडी बोली की गंभीर कई रचनाओं का वाचन कर सबको आशीर्वाद शुभकामनाएं देते हुए आयोजन को विराम दिया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, त्रिपुरारी मिश्रा, संदीप कुमार शुक्ल, ऋषभ ,ठाकुर

गाजे बजे के साथ निकाली गई भगवान जगननाथ की यात्रा

सोनभद्र। नगर के मध्य स्थित गुरुद्वारे के पास से रंगीला कावर् संघ द्वारा संचालित विगत वर्षों की भांति

ईस वर्ष भी शुक्रवार को भगवान जगननाथ की यात्रा नगर भ्रमण हेतू निकाली गई यात्रा आपने निर्धारित मार्ग से गुरुद्वारे से प्रारंभ होकर महिला थाना होते हु? वापस शीतला मंदिर चौक से धर्मशाला धर्मशाला चौक से बरौली चौराहे बाधौली चौराहे से सानी देव मंदिर पर यात्रा का समापन किया गया यात्रा में भगवान जगननाथ की मनमोहक झाकी को देखकर लोग भावयूक हो गए लोगों द्वारा पुष्प वर्षा वाह रंगीला कवर संघ द्वारा प्रसाद वितरण नगर भर किया गया यात्रा में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी महेश सोनी मनीष अग्रहरी डॉ एच एन त्रिपाठी बच्चा सोनी विनोद सोनी श्याम उमर संतोष सोनी राहुल सत्यम सोनी श्याम सुंदर केसरी केसरी श्याम बाबू राहुल शर्मा सत्यम सोनी योगेश सिंह अनुप पांडे प्रशांत चौबे चंदन सोनी अखिलेश कश्यप श्री राम सोनी गोलू सोनी दिनेश सोनी आशुतोष कृष्ण सोनी बबलु सोनी अमन सोनी शिवम रवी केसरी इत्यादि लोग यात्रा में मौजूद रहे।

आकाशीय बिजली से पोस्ट ऑफिस के इलेक्ट्रिक उपकरण जले,घंटों तक आम जनमानस के कार्य रहे बाधित

सोनभद्र। जिला मुख्यालय स्थित पोस्ट ऑफिस के समीप आधी पानी बिजली गिरने से पोस्ट ऑफिस के इलेक्ट्रिक उपकरण जल गए थे जिससे

के साथ हुई बरसात में आकाशीय बिजली गिरने से नगर के मुख्य डाक घर के उपकरण चले घंटों तक आम जनता रही परेशान लोकल मैकेनिक द्वारा इलेक्ट्रिक मशीनों के बनाने पर कुछ कार्य हुए शुरू। पोस्ट मास्टर एस के दयाल ने बताया कि आकाशीय घंटों तक जनता से जुड़े कार्य बाधित रहे वही लोकल मैकेनिक की मदद से कुछ इलेक्ट्रिक उपकरण सही हुआ तो पुनः कुछ सिस्टम के माध्यम से कार्य शुरू कराया गया वहीं आकाशीय बिजली की वजह से लगभग लाखों रूपए के उपकरण जले हैं।

सदर विधायक ने पटवध कुरहूल मार्ग का किए निरीक्षण,आम जनमानस की समस्याओं को लेकर भड़के विधायक

सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के पटवध बसकटवा कुरहूल संपर्क मार्ग जो बीते कई महीनों से क्षतिग्रस्त है

जिसको लेकर सदर विधानसभा भूपेश चौबे ने क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पटवध बसकटवा कुरहूल संपर्क मार्ग जा पहुंचे वहीं संबंधित अधिकारियों के साथ पीडब्लूडी के अधिकारि एक्सियन जेई ईई के साथ निरीक्षण किया। सड़क की हालत खराब होने से स्थानीय जनता काफी परेशान झेलनी पड़ती है जिसको लेकर अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए निर्देशित किया जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य कराया जाए किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी वहीं सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि बरसात शुरू हो गई है जिससे आमजन की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए कार्य किसी भी प्रकार से सड़क निर्माण कार्य कराया जाए । वहीं मौजूद लोगों से भरोसा दिलाया कि जल्द ही यह रोड नए सिरे से बनेगी विधानसभा की जनता की समस्याओं का समाधान एवं क्षेत्र का समुचित विकास ही मेरी प्राथमिकता है।इस मौके पर दीपक दुबे, विकास मिश्रा, गौरव शुक्ला, शिवम् सिंह, आशीश केशरी,शशि, देवेंद्र विमलेश पटेल आदि लोग मौजूद थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी मौत, सदर कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मनगर गली नंबर 4 का मामला

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मनगर गली नंबर 4 के वार्ड 19 में शनिवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में 20 वर्षीय युवक का घर के बडेर से लटकता मिला शव मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी।जानकारी के अनुसार शाहिद खान पुत्र अतिक बाबू खान उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ब्रह्मनगर की संदिग्ध परिस्थितियों में बडेर से गमछा के सहारे लटकता मिला शव उधर परिजनों ने बताया कि घर के सदस्य शादी विवाह कार्यक्रम में मिर्जापुर गए हुए थे कि वापस आए तो यह घटना देख मामले से पुलिस को कराया औगत वहीं थाना प्रभारी गोपाल जी गुप्ता ने बताया कि परिजनों द्वारा कोई एप्लीकेशन प्राप्त नहीं हुआ है मामले में पुलिस द्वारा की जा रही जांच।

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से युवक की मौत, घोरावल कोतवाली थाना क्षेत्र के कनेटी गांव का मामला

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली थाना क्षेत्र

के कमेटी गांव निवासी 25 वर्षी युवक की आकाशीय बिजली से शुक्रवार दोपहर बाद हुई मौत। जानकारी के अनुसार राज बहादुर उम्र 25वर्षीय पुत्र अर्जुन निवासी गांव कनेटी परिजनों ने बताया कि कल डेढ़ बजे घर से एक किलोमीटर दूरी पर खेत पर मोर्चा लगाने गए हुए थे की अचानक चमक गरज के साथ हुई बरसात में आकाशीय बिजली के चपेट मे आ गए आनन फानन में उपचार कराने के लिए परिजन अस्पताल ले गए जहां कर के दौरान चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। वहीं परिजनों ने बताया कि 3 साल पूर्व शादी भी हुई थी मासूम बच्चों के सर से उठा-पिता का साया खेती कर करते थे परिवार का भरण पोषण उधर शनिवार की सुबह पुलिस द्वारा पंचनामा करते हुए अग्रिम कार्रवाई की गई।

नगर हुआ जलमग्न चारों इंजन की सरकार हुई बेकारःराघवेंद्र नारायण

सोनभद्र। एनएसयूआई के पूर्व, प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव कार्यकर्ताओं का कहीं अता पता नहीं चला और दिखाई नहीं दिए और अब जनता की आंख में धूल झोकना बंद करें और जनता को अंधी समझना

राघवेंद्र नारायण ने शुक्रवार को जनपद सोनभद्र राबर्ट्सगंज में बारिश के दौरान नगर के भीतर न्यूकॉलोनी, ब्रह्म नगर, इमरती कॉलोनी, धर्मशाला चौराहा, नई बस्ती, चंडी होटल, बढ़ौली चौराहा क्षेत्रों में जबरदस्त जल भराव व लोगों के घरों दुकानों में पानी घुसने पर जायज़ा लिया और दुख दर्द साझा किया। इस दौरान राघवेंद्र नारायण ने केंद्र की मोदी की सरकार, प्रदेश की योगी सरकार, जिला पंचायत में भाजपा की सरकार, और नगर में भाजपा की नगरपालिका, चारों इंजन के बुरी तरह फेल होने का आरोप लगाया और कहा की विकास का बंदर बाट नहीं सीधे डाका डाला जा रहा है लूट की जा रही है, जनता सब देख रही है और अब तामस बिन बन के नहीं रहेगी; आने वाले वक्त में भारतीय जनता पार्टी की फोटो और झाड़ू ब्रिगेड को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पूरी गर्मी क्षेत्र की जनता पानी के लिए बेहाल थी भाजपा के नेताओं और लोगों के घरों उनके दुकानों, मकानो व उनके प्रतिष्ठानों में पूरे शहर में गंदे नाली का पानी घुसा हुआ हैं और भाजपा के नेता बिल में घुसे हुए उन नेताओं को निकल करके अपने कुक्रत्य का जायजा लेना चाहिए और जनता से माफी मांगनी चाहिए।उन्होंने रॉबर्ट्सगंज स्थित फ्लाईओवर से जगह-जगह उसकी पाइपे टूटी होने और झरने के रूप में नीचे गिरने जिससे आम नागरिकों को आवागमन में बेहद कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, के ऊपर भी शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए इसे तत्काल सही करने की मांग किया है और साथ ही साथ उन्होंने आरोप लगाया की नगर पालिका प्रशासन को पूरे नगर में जो नालियां सड़क से ऊपर बनी है जनता की गाढ़ी कमाई का भुगतान ठेकेदारों को क्यों किया गया है यह जवाब नगर पालिका प्रशासन को देना होगा, नगर की जनता इस बात के लिए चुप बैठने वाली नहीं है । नगर पालिका प्रशासन बंद करें सड़के नीचे और नालियां ऊपर बनवा करके जनता की गाढ़ी कमाई को लुटा और बर्बाद किया जा रहा है। इस बात की जांच होनी चाहिए और संबंधित निर्माण एजेंसी को ब्लैक लिस्ट किया जाना चाहिए यदि ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा और जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा की भाजपा के राज में देश के भीतर अघोषित आपातकाल चल रहा है और जनता चुनाव आने का इंतजार कर रही है जनता अभी इसलिए कुछ नहीं बोल रही है कि वह चुनाव में भाजपा को सबक सिखाना चाहती है। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं में सुनील मिश्रा बिक्की, लॉरेंस एंथोनी, पाल कुंजोमान, राजेश कुमार विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार चौबे, पिंटू सिंह, राजकुमार केशरी, चंदन दास वह अन्य प्रमुख थे।

वन स्टाफ सेन्टर ने चलाया जागरूकता अभियान

सोनभद्र। धरती आबा अभियान बीच जागरूकता कार्यक्रम वन स्टॉप

जागरूकता और संतृप्त शिविर में ब्लॉक चतरा,ग्राम पंचायत पचोखर में आज दिनांक 25/06/2025 को मुख्य विकास अधिकारी महोदया के आदेश अनुसार आम जनमानस के सेंटर की केस वर्कर अनुराधा जायसवाल द्वारा जागरूक किया गया। साथ ही 'बेटी बचाओं बेटी पढाओं' योजना के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाएं जैसे निराश्रित महिला पेंशन योजना,स्पॉन्सरशिप योजना बाल सेवा योजना सामान्य के बारे में भी विस्तृत रूप से बताया गया। साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि 25000 के बारे मे जानकारी दी गई। वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 102, 108, 1076, 1930 की जानकारी भी प्रदान की गई। घरेलू हिंसा को रोकने, दहेज प्रथा को समाप्त करने, बाल विवाह की कुप्रथा को रोकने , बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया।

बंदियों को दी जा रही सुविधाओं का जिला जज डीएम एसपी ने किए निरीक्षण

कारागार परिसर में ओपेन जिम का जनपद न्यायाधीश ने फीता काटकर किये शुभारंभ

सोनभद्र। जनपद न्यायाधीश राम सुलीन सिंह, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा उपस्थित रहें। ओपेन जिम के माध्यम से बन्दियों को व्यायाम करने की सुविधा उपलब्ध होगी, शासन के निर्देश के क्रम में प्रत्येक जेलों में बन्द कैदियों को जिम की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु ओपेन जिम की स्थापना की जा रही है, इस दौरान जिला कारागार परिसर में जनपद न्यायाधीश द्वारा पौध रोपण स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान जनपद न्यायाधीश ने कारागार की बैरकों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, स्नान व्यवस्था आदि परिसर का अवलोकन किया गया और जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि बन्दियों हेतु बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। जनपद न्यायाधीश ने बन्दियों को कारागार में वकील की व्यवस्था है कि नहीं, के सम्बन्ध में भी बन्दियों से जानकारी ली गयी, जिन बन्दियों के पास वकील की व्यवस्था न होने की बात

आईजी ने किया अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा, आगामी त्योहार श्रावण मास, मोहर्रम, गुरु पूर्णिमा बनाए नजर

10 दिवस के अन्दर लम्बित प्रार्थना पत्रों का करें निस्तारण

सोनभद्र। पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिर्जापुर "आर0पी0 सिंह" द्वारा परिक्षेत्र के तीनों जनपदों की अपराध

एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण एवं वांछित/पुरस्कार घोषित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, शिकायती प्रार्थना पत्रों का 10 दिवस के अंदर निस्तारण, भूमि संबंधी विवादों का सम्पूर्ण समाधान दिवस/समाधान दिवस पर राजस्व विभाग के सहयोग से निस्तारित कराने, रात्रि में चैराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने, पिछले 10 वर्षों में चोरी, लूट, व अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं अवैध शस्त्र रखने वालों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा जनपद के टॉप-10, अपराधियों के विरुद्ध गुंडा, गैंगस्टर, 14(1)के अंतर्गत जब्तीकरण कराते हुए ऐसे अपराधियों का जमानत निरस्तीकरण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कठोरतम कार्यवाही के भी निर्देश दिये तथा गो-तस्करों के विरुद्ध गैंगेस्टर एक्ट के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही कराते हुए उनके आपराधिक कृत्यों से अर्जित की गयी चल/ अचल सम्पत्ति को जब्त करायें जाने का निर्देश दिये गये साथ ही गो-तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को शासनादेश के तहत जब्त कराये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये । गोवध अधि0, पशु क्रूरता अधि0,आबकारी अधि0,चिन्हित माफिया, महिला सम्बन्धी अपराध,सम्पत्ति सम्बन्धी अपराध में विवेचना समय से पूर्ण करके निरोधात्मक कार्यवाही की जाय। इसके अतिरिक्त निर्देशित किया गया कि पोक्सो एक्ट सम्बन्धी मुकदमों में 02 माह के अन्दर प्रत्येक दशा में विवेचनात्मक कार्यवाही पूर्ण कर अभियुक्तो को न्यायालय में सशक्त पैरवी करते हुए शीघ्र ही सजा दिलाया जाय। मादक पदार्थ के अभियुक्तो के विरुद्ध निरोधात्मक कार्यवाही कराते हुए अधिक से अधिक बरामदगी कराने के निर्देश दिये गये। इस दौरान निर्देशित किया गया कि अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए महिलाओं एंव बच्चियों के साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोक-थाम हेतु महिला बीट आरक्षियों द्वारा अपने-2 बीट क्षेत्र मे जाकर जनचैपाल लगाकर महिलाओं एवं बच्चियों को जागरुक करें। आगामी त्योहार मेहर्रम, गुरु पूर्णिमा, कावड़ यात्रा आदि को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी वर्ग के धर्मगुरुओं के साथ पीस कमेटी की बैठक कर समन्वय स्थापित करते हुए अराजक तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। आगामी पर्वों को संवेदनशीलता के दृष्टिगत छोटी से छोटी घटनाओं पर गम्भीरता पूर्वक कार्यवाही करने हेतु समस्त क्षेत्राधिकारीगण व थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए। सभी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिसकर्मियों को मोटर साइकिल व कलस्टर मोबाइल के साथ ड्यूटी लगाकर लगातार भ्रमणशील रखा जाए। ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को अनिवार्य रूप से अपने साथ बॉडी प्रोटेक्टर, हेलमेट व डंडा इत्यादि दंगा नियंत्रण उपकरणों को रखने हेतु सख्त निर्देश दिए गए। यूपी 112 पर प्राप्त सूचनाओं का पीआरवी वाहनों द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर समयबद्ध निस्तारण हेतु हिदायत दिया गया। सभी पुलिस वाहनों पर लाउड हेलर व पब्लिक एड्रेस सिस्टम को सक्रिय करते हुए त्योहारों को शांति व सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने हेतु आमजन से अपील की जाए।सोशल मीडिया निर्देश सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म जैसे ट्वीटर, वाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर सतर्क दृष्टि रखी जाये।

दुबई-जयपुर फ्लाइट में एयर होस्टेस से छेड़छाड़ःगलत तरीके से छुआ, विमान में शराब पी रहे पैसेंजर को महिला क्रू मेंबर ने रोका था

नयी दिल्ली। दुबई से जयपुर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की

फ्लाइट में महिला क्रू मेंबर (एयर होस्टेस) के साथ पैसेंजर ने छेड़खानी की। उसने एयर होस्टेस को गलत तरीके से टच किया था। आरोप है कि पैसेंजर पाबंदी के बावजूद फ्लाइट में शराब पी रहा था। उसे रोका गया तो हंगामा करने लगा।पूरी यात्रा के दौरान कई बार उसने एयर होस्टेस के साथ बदतमीजी की। जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट के पहुंचने के बाद क्रू मेंबर ने सीआईएसएफ जवानों को बुलाया। सीआईएसएफ ने युवक को पुलिस के हवाले कर दिया। एअर इंडिया एक्सप्रेस प्रबंधन की ओर से जयपुर एयरपोर्ट थाने में एयर होस्टेस के साथ छेड़खानी की शिकायत दी गई है।शुक्रवार की रात 12:45 पर फ्लाइट आईएक्स-196 दुबई से जयपुर के लिए रवाना हुई थी। रात 2:40 बजे फ्लाइट जयपुर पहुंची थी। आरोप है कि 15-बी सीट पर पैसेंजर (युवक) शराब पी रहा था। उससे एयर होस्टेस ने पूछा- यह क्या कर रहे हैं? युवक ने जवाब दिया- संतरे का जूस पी रहा हूं। एयर होस्टेस ने कहा कि यह जूस नहीं शराब है। इसे युवक ने 'दुबई ड्यूटी फ्री' (शॉप) से खरीदा था। स्टाफ ने फ्लाइट में शराब पीने से मना किया। पैसेंजर से ग्लास देने के लिए कहा। वह बहस करने लगा। एयर होस्टेस ने अन्य क्रू मेंबर की मदद से ग्लास ले लिया। इसके बाद पैसेंजर ने नशे में हंगामा करना शुरू कर दिया।रिपोर्ट के अनुसार, थोड़ी देर बाद नशे में पैसेंजर शराब का ग्लास मांगने के लिए केबिन की ओर आ गया। आरोप है कि युवक ने एयर होस्टेस के करीब आने की कोशिश की। स्टाफ ने ग्लास देने से साफ मना कर दिया। इसके कुछ देर बाद वह अपनी सीट के पास पहुंच गया। उड़ान के दौरान जब एयर होस्टेस पैसेंजर की सीट के नजदीक पहुंची, तब उसकी पीठ पैसेंजर की तरफ थी। पैसेंजर ने गलत तरीके से टच किया। वह पूरी उड़ान के दौरान परेशान करता रहा। लैंडिंग के बाद भी उसने अपनी गलती नहीं मानी।पीड़ित स्टाफ ने बताया कि जब आरोपी पैसेंजर को लगा कि अब ये लोग शिकायत करने की तैयारी कर रहे हैं, तब माफी मांगने लगा। फ्लाइट के जयपुर पहुंचने के बाद उसने अपना बोर्डिंग पास देने से इनकार कर दिया। बोर्डिंग पास को अपने पासपोर्ट में रख लिया और हमें परेशान करने लगा। इस दौरान सीआईएसएफ के जवानों को बुलाकर युवक को काबू किया गया। एयरपोर्ट थानाधिकारी संदीप बसेरा ने बताया कि दुबई से जयपुर आ रही फ्लाइट में दिनेश नाम के पैसेंजर ने एयर होस्टेस के साथ बदतमीजी की है। इसकी शिकायत विमान कंपनी ने थाने में दी है। मामले की जांच की जा रही है।

पंजाब में मंत्रिमंडल विस्तार फिलहाल टलाःराज्यपाल कटारिया राजस्थान गए

पंजाब। पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार का प्रस्तावित कैबिनेट विस्तार टाल दिया गया है। इसका कारण राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की अनुपस्थिति है, जो फिलहाल उदयपुर दौरे पर हैं और 2 जुलाई तक चंडीगढ़ से बाहर रहेंगे।गौरतलब है कि चुनावों से पहले अरविंद केजरीवाल और जीत के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 2-4 दिनों में कैबिनेट विस्तार की बात कही थी। लेकिन अब राज्यपाल की गैरहाजिरी के चलते नए मंत्रियों को शपथ दिलाने की प्रक्रिया संभव नहीं हो पाएगी।आप के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि इसी वजह से कैबिनेट विस्तार पर होने वाली चर्चाएं भी अभी स्थगित कर दी गई हैं।

क्यों जसप्रीत बुमराह को है वर्कलोड मैनेजमेंट की जरूरत? यह आंकड़े आपका दिमाग घुमा देंगे!

नयी दिल्ली।भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा

मुकाबला 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। भारतीय टीम को दौरे के पहले मुकाबले में इंग्लैंड ने 5 विकेट से हराया है। अब शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम इंडिया दूसरे मैच में कमबैक करने को देखेगी। लेकिन, दूसरे मैच में भारत के सबसे बेहतरीन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शायद न खेलें। रिपोर्ट्स हैं कि बुमराह को बर्मिंघम टेस्ट के लिए रेस्ट दिया जाएगा। ऐसे उनके वर्कलोड को मैनेज किया जाएगा। सीरीज शुरू होने से पहले भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने पहले ही साफ कर दिया था कि जसप्रीत बुमराह पूरी टेस्ट सीरीज नहीं खेलेंगे। वह सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे। बुमराह के वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया था। अब सवाल उठता है कि क्या सच में बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट की जरूरत है। क्या सच में उनको रेस्ट करने की जरूरत है? आइये, आपको विस्तार से बताते हैं। 1 जनवरी 2025 से जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा गेंदबाजी की है। उन्होंने 410.4 ओवर डाले हैं। इससे ज्यादा ओवर किसी और गेंदबाज ने नहीं डाले हैं। बुमराह ने इस दौरान सबसे ज्यादा 78 विकेट भी लिए हैं। उनसे पीछे मिचेल स्टार्क हैं, जिन्होंने 362.3 ओवर फेंके हैं और 48 विकेट लिए हैं। मोहम्मद सिराज ने 355.3 ओवर 2024 से अब तक टेस्ट में गेंदबाजी की है और 41 विकेट लिए हैं।आप सिराज और बुमराह के बीच ओवर के डिफ्रेंस से ही पता लगा सकते हैं कि टीम इंडिया बुमराह पर कितना ज्यादा निर्भर रहती है और किस तरह बुमराह का वर्कलोड पिछले कुछ सालों में रहा है। इसलिए भारतीय टीम को उनकी फिटनेस का काफी ध्यान रखना होगा और समय-समय पर उनको रेस्ट देना होगा।

डब्लूटीसी चैंपियन साउथ अफ्रीका की जिम्बाब्वे ने की हालत खराब, इस गुमनाम बॉलर के आगे टेके घुटने!

नयी दिल्ली। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीतने के बाद साउथ अफ्रीका की टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है। पहले टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने टॉस

जीतकर बल्लेबाजी चुनी। लेकिन जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।इसी महीने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली साउथ अफ्रीका की टीम दो मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे दौरे पर है। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच पहला टेस्ट मैच 28 जून से शुरू हुआ है। मुकाबले में साउथ अफ्रीका के कप्तान केशव महाराज ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया,लेकिन वह कारगार साबित नहीं हुआ। टीम को शुरुआत में ही बैक टू बैक झटके लगे। ऐसे में खेल के पहले ही दिन जिम्बाब्वे ने डब्लूटीसी चैंपियन पर अपना शिकंजा कस लिया। साउथ अफ्रीका टीम ने पहला विकेट सिर्फ 3 रन के स्कोर पर गंवा दिया। ओपनर बल्लेबाज टोनी डि जॉर्जी 16 गेंद खेलकर अपना खाता भी नहीं खोल पाए। इसके कुछ देर बाद ही मैथ्यू ब्रीट्जके भी चलते बने। इस तरह टीम के दोनों ओपनर बल्लेबाज 21 रन के स्कोर पर आउट हो गए। साउथ अफ्रीका के इन दोनों ओपनर बल्लेबाज को तनाका चिवंगा ने अपना शिकार बनाया। 2 विकेट गंवाने के बाद साउथ अफ्रीका की टीम संभलने की कोशिश में ही थी कि वियान मुल्डर भी रन आउट हो गए। इस तरह साउथ अफ्रीका ने 23 रन के स्कोर पर अपने तीन बड़े विकेट गंवा दिए।तनाका चिवंगा ने साउथ अफ्रीका के दोनों ओपनर बल्लेबाज को आउट करने के बाद खेल के पहले दिन के लंच ब्रेक तक तीन विकेट अपने नाम किया। तनाका चिवंगा ने अपना तीसरा शिकार डेविड बेडिंघम को बनाया। बेडिंघम भी अपना खाता नहीं खोल पाए थे। इस तरह लंच ब्रेक तक साउथ अफ्रीका की टीम ने 90 रन के स्कोर पर अपने चार बड़े विकेट गंवा दिए।बता दें कि जिम्बाब्वे दौरे पर साउथ अफ्रीका ने कई बड़े सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है। ऐसे में केशव महाराज की कप्तानी में एक अनुभवहीन टीम जिम्बाब्वे को चुनौती देने मैदान पर उतरी है। एडेन मार्करम, रियान रिकेल्टन, मार्को येनसन, कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी जैसे सीनियर खिलाड़ियों को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल रहे हैं।

श्रीलंका के सामने टिक भी नहीं पाई बांग्लादेश की टीम, टेस्ट में हासिल की एकतरफा जीत

नयी दिल्ली। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और

78 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया, जिसके चलते बांग्लादेश की दूसरी पारी सिर्फ 133 रनों पर सिमट गई।टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रन से हराकर दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीत ली। पहले टेस्ट ड्रॉ रहा था। उसमें एक समय बांग्लादेश के पास जीतने का मौका था लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। अब दूसरे मुकाबले में श्रीलंका ने गेंद और बल्ले दोनों में शानदार प्रदर्शन कर एकतरफा जीत दर्ज की। मैच को चौथे दिन बांग्लादेश की दूसरी पारी 133 रनों पर सिमट गई। श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 458 रन बनाए थे।बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 247 रन बनाए। शादमान इस्लाम ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए, जबकि लिटन दास (34), मुशफिकुर रहीम (35), और मेहदी हसन मिराज (31) ने कुछ योगदान दिया। श्रीलंका की ओर से असिथा फर्नांडो और सोनल दिनुषा ने तीन-तीन विकेट चटकाए। विश्वा फर्नांडो को दो और धनंजय डिसिल्वा तथा थरिंदु रत्नायके को एक-एक सफलता मिली।जवाब में श्रीलंका ने मजबूत बल्लेबाजी करते हुए 458 रन बनाए और 211 रनों की विशाल बढ़त हासिल की। पाथुम निसांका ने बेहतरीन 158 रनों की पारी खेली जिसमें 19 चौके शामिल थे। दिनेश चांदीमल (93), कुसल मेंडिस (84), लाहिरु उदारा (40) और कामिंदु मेंडिस (33) ने भी उपयोगी योगदान दिया। बांग्लादेश के लिए तैजुल इस्लाम ने पांच विकेट झटके, नईम हसन को तीन और नाहिद राणा को एक विकेट मिला।फॉलोऑन के दबाव में खेलने उतरी बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 133 रन पर ढेर हो गई। मुशफिकुर रहीम ने 26 रन बनाए जबकि कोई अन्य बल्लेबाज 20 का आंकड़ा पार नहीं कर सका। श्रीलंका के स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट चटकाए। कप्तान धनंजय डिसिल्वा और थरिंदु रत्नायके को दो-दो विकेट मिले, वहीं असिथा फर्नांडो को एक विकेट मिला। पाथुम निसांका को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

एक ऐसा फुटबॉल टूर्नामेंट जिसमें कभी खेल ही नहीं पाए लियोनेल मेसी, जीतना भी बहुत दूर की बात

नयी दिल्ली। लियोनेल मेसी फुटबॉल इतिहास के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों

में गिने जाते हैं। 38 साल के मेसी ने अपने करियर की शुरुआत 2004 में बार्सिलोना के साथ की। 2021 में वह पीएसजी चले गए। अभी मेसी इंटर मियामी का हिस्सा हैं। वह अर्जेंटीना के लिए इंटरनेशनल फुटबॉल में खेलते हैं। अपने करियर में उन्होंने 46 ट्रॉफी जीती हैं। इसमें फीफा वर्ल्ड कप के अलावा कोपा अमेरिका, लीग वन, ला लिगा, कोपा डेल रे, स्पेनिश सुपर कप, चैंपियंस लीग, सुपर कप और क्लब वर्ल्ड कप शामिल हैं।चैंपियंस लीग के बाद यूरोपा लीग यूरोप का दूसरा प्रमुख फुटबॉल टूर्नामेंट है। इसमें लियोनेल मेसी अपने करियर में कभी नहीं खेल पाए। ला लिगा टेबल में टॉप-4 में रहने वाली टीम चैंपियंस लीग खेलती है और 5वें के साथ छठे नंबर की टीम यूरोपा लीग में पहुंचती है। लियोनेल मेसी के खेलने के बाद बार्सिलोना कभी भी इन दोनों स्थान पर नहीं रही। इसके साथ ही चैंपियन लीग के प्लेऑफ में जगह बनाने से चूकने वाली कुछ टीमों को रैंकिंग के हिसाब से यूरोपा लीग में जगह मिलती है।लियोनेल मेसी के रहते बार्सिलोना ने हमेशा कमाल का प्रदर्शन किया और इसी वजह से यूरोपा लीग नहीं खेल पाई। मेसी के क्लब में आने से पहले 2000-01 और 2003-04 सीजन में टीम ने यूरोपा लीग में खेला था। मेसी से जाने के बाद 2021-22 और 2022-23 सीजन में टीम यूरोपा लीग खेली। बार्सिलोना की टीम अभी तक एक बार भी यूरोपा लीग नहीं जीत पाई है।स्पेनिश क्लब सेविला यूरोपा लीग की सबसे सफल क्लब है। टीम ने अभी तक 7 बार फाइनल खेला है और हर बार चैंपियन बनी है। इटली की इंटर मिलान ने के साथ ही टॉटेनहम हॉटस्पर, लिवरपूल, युवेंटस और एथलेटिको मैड्रिड ने 3-3 बार इस टूर्नामेंट को अपने नाम किया। रियल मैड्रिड भी दो बार यूरोपा लीग के खिताब को अपने नाम कर चुकी है।

आईपीएस पराग जैन रॉ चीफ बनेः1 जुलाई से चार्ज संभालेंगे, दो साल का कार्यकाल रहेगा; एविएशन रिसर्च सेंटर के प्रमुख भी हैं

नयी दिल्ली। भारत सरकार ने 1989 बैच के पंजाब कैडर के

आईपीएस पराग जैन को देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया चीफ नियुक्त किया है। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। वे रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जो 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। पराग लंबे से रॉ से जुड़े हैं। उन्होंने रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल के साथ मिलकर काम किया है। वे पाकिस्तान डेस्क को संभाल रहे हैं। उन्होंने अनुच्छेद 370 को हटाने और बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे अहम मिशन पर काम किया है। पराग एविएशन रिसर्च सेंटर के प्रमुख भी हैं, जहां उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों की पहचान में अहम भूमिका निभाई थी। पराग जैन एसएसपी चंडीगढ़ और डीआईजी लुधियाना के पद पर भी रहे हैं।पंजाब में ड्यूटी के दौरान उन्होंने आतंकवाद विरोधी कई ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जैन ने कनाडा-श्रीलंका में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। कनाडा में तैनाती के दौरान उन्होंने खालिस्तान समर्थक नेटवर्क उजागर किया था।30 जून 2023 को छत्तीसगढ़ कैडर के सीनियर आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को भारत की खुफिया एजेंसी रॉ (रिसर्च एंड एनालिसेस विंग) का नया चीफ नियुक्त किया गया था। उन्होंने तत्कालीन रॉ चीफ सामंत कुमार गोयल की जगह ली थी।रवि सिन्हा बिहार के भोजपुर जिले से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से पढ़ाई की। रवि ने साल 1988 में यूपीएससी की परीक्षा पास की। उन्हें भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी के तौर पर मध्य प्रदेश कैडर मिला। साल 2000 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल इलाकों को काटकर छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना की। तब सिन्हा तकनीकी रूप से छत्तीसगढ़ कैडर में चले गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईपीएस रवि सिन्हा को 'ऑपरेशन मैन' के नाम से भी जाना जाता है। वो खुफिया तरीके से काम करने के लिए जाने जाते हैं।

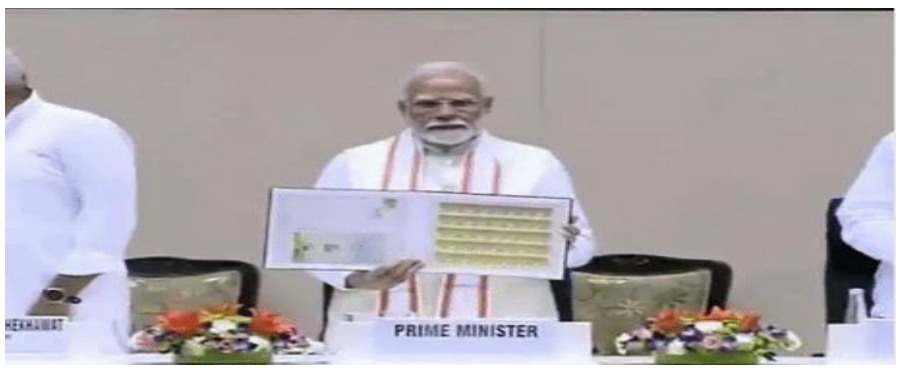

जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज का जन्म शताब्दी समारोह,पीएम मोदी ने डाक टिकट, सिक्के जारी किए; कहा- आचार्य विद्यानंद का जीवन त्याग की मिसाल

नयी दिल्ली। पीएम मोदी शनिवार को जैन मुनि आचार्य विद्यानंद महाराज के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आचार्य विद्यानंद का डाक टिकट और सिक्का जारी किया। इस कार्यक्रम का आयोजन

भगवान महावीर अहिंसा भारती ट्रस्ट की ओर से किया गया। ट्रस्ट ने पीएम को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया। इस मौके पर मोदी ने कहा, 'मैं खुद को इस उपाधि के योग्य नहीं मानता, लेकिन हमारी संस्कृति में यह परंपरा है कि संतों से जो भी मिलता है, हम उसे प्रसाद मानकर स्वीकार करते हैं। इस वजह से मैं इस सम्मान को प्रसाद रूप में विनम्रता से स्वीकार करता हूं और इसे मां भारती को समर्पित करता हूं।' पीएम ने कहा- 'आज का दिन इसलिए भी खास है क्योंकि 28 जून 1987 को आचार्य विद्यानंद मुनिराज को 'आचार्य' की उपाधि दी गई थी। यह सिर्फ एक सम्मान नहीं था, बल्कि जैन संस्कृति को विचारों, संयम और करुणा से जोड़ने वाली एक पवित्र धारा भी थी। जब हम आज उनके जन्म के 100 साल मना रहे हैं, तो वह ऐतिहासिक पल फिर याद आता है।' आचार्य विद्यानंद महाराज का जन्म शताब्दी समारोह पूरे साल भर चलेगा। इस दौरान जैन समाज की ओर से देशभर में जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पीएम ने भावुक होते हुए कहा कि आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज एक 'युग पुरुष' थे, 'युग दृष्टा' थे। मुझे सौभाग्य मिला कि मैं उन्हें निकट से देख पाया और उनके आध्यात्मिक तेज को महसूस कर सका। आज जब हम उनकी जन्म शताब्दी मना रहे हैं, तो मुझे इस मंच से भी उनका स्नेह और निकटता महसूस हो रही है। पीएम ने कहा- भारत दुनिया की सबसे प्राचीन और जीवित संस्कृति है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारी सोच अमर है, हमारा दर्शन अमर है। इस अमर दर्शन का स्रोत हमारे ऋषि, मुनि, संत और आचार्य हैं। उन्होंने ही भारत की आत्मा को दिशा दी है और सदियों तक हमारी संस्कृति को जीवित रखा है।आचार्य विद्यानंद महाराज जैन धर्म के संत, विद्वान और समाज-सुधारक थे। उनका जन्म 22 अप्रैल 1925 को शेदबल गांव, बेलगावी (अब कर्नाटक) में हुआ था। बहुत कम उम्र में उन्होंने संन्यास ले लिया और पूरी जिंदगी संयम, साधना और सेवा में लगा दी। वे जैन धर्म के सबसे बड़े विद्वानों में माने जाते हैं। उन्होंने 8,000 से ज्यादा जैन ग्रंथों के श्लोक कंठस्थ कर रखे थे।

राशिफल

मेष-: एक समय पर कई कार्य एकसाथ करने की चेष्टा के बजाय एक ही कार्य हाथ में लें। मित्र द्वारा छला गया व अकारण ही आहत महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ें।

वृष-: जीवन में सुख व सौहार्द रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण व ऊर्जावान रहेंगे। तनाव लिए बगैर सफलता प्राप्त करेंगे। रचनात्मक कार्यों से आय में वृद्धि होगी।

मिथुन-: परिवार व प्रियजनों संग सुखद समय बिताएंगे। अर्थपूर्ण संबंध व खास अवसर निर्मित होंगे। अभिरुचि की गतिविधियों में भाग लेंगे व विश्राम से स्वयं को तरोताजा करेंगे।

कर्क-: विकल्प मौजूद होने पर आप अधीर हो सकते हैं,कोई भी निणन्य लेने से पहले प्राथमिकताओं पर ध्यान दें। विनोदप्रिय रवैया कठिन परिस्थितियों से निकलने में मदद करेगा।

सिंह-: धैर्य, परिश्रम व चतुराई से व्यावसायिक व वित्तीय मामलों का प्रबंधन करेंगे। प्राकृतिक व वैकल्पिक चिकित्सा से आपकी व परिवार की स्वास्थ्य समस्याएं हल हो सकती हैं।

कन्या-: स्वास्थ्य व व्यावसायिक मामलों में सुधार होगा। व्यावसायिक व निजी जीवन में कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम घटित हो सकते हैं। भाग्य आपके साथ है। व्यावसाय में तेजी आएगी।

तुला-: खानपान, काम, व विश्राम में संतुलन बिठाने की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर परिवर्तनों के बावजूद प्रतिष्ठा कायम रखेंगे। वित्तीय व संपत्ति से जुड़े मामले थोड़े से प्रयास से हल होंगे।

वृश्चिक-: अंतर्द्वद्व महसूस करेंगे। कई भावनात्मक व व्यावसायिक निणन्य लेने पड़ सकते हैं। जब कई विकल्प मौजूद हों तो अत्यधिक विश्लेषण के बजाय त्वरित निणन्य सफलता की ओर ले जाएंगे।

धनु-: अपने भीतर छिपी क्षमताओं का साक्षात्कार करेंगे। धैर्य, सतत प्रयासों व सकारात्मक ऊर्जा के साथ जड़ता व विरोध का सामना करें। विभिन्न गतिविधियों में व्यस्तता के मध्य सुरक्षा का भाव हृदय में रहे

मकर-: पूरी ऊर्जा के साथ योजनाओं पर अमल आरंभ करेंगे। अक्सर कार्यव्यवहार में आप चरम पर पहुंच जाते है, किसी भी प्रकार के अतिरेक से बचें। बाधक परिस्थितियों से निराश होने के बजाय उनपर जीत का प्रयास

कुंभ-: नए अवसर प्रस्तुत होंगे व व्यावसायिक मामलों को कुशलता से हल करेंगे। व्यावसायिक बैठक में अपनी बेहतरीन योजनाओं व विचारों से लोगों को प्रभावित करेंगे।

मीन-: संबंधों में समझदारी व वित्तीय लेनदेन में सजगता अपेक्षित है। अपनी भावनाओं, विचारों व योजनाओं को ईर्ष्यालु लोगों से सुरक्षित रखें, वे उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं।

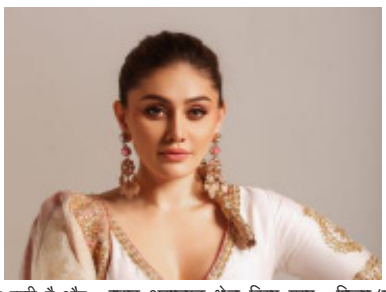

कांटा लगा फेम शेफाली जरीवाला का निधन:मुंबई पुलिस परिजन और हाउसहेल्पर से पूछताछ कर रही; दावा- कार्डियक अरेस्ट से हुई मौत

नयी दिल्ली। रीमेक सॉन्ग कांटा लगा गाने से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 27 जून की रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। अब इस मामले में मुंबई पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। शेफाली जरीवाला के घर पर फोरेंसिक टीम पहुंच चुकी है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। वहीं, अंबोली पुलिस स्टेशन में घर की मेड और कुक से पूछताछ की गई है। परिजन के भी बयान लिए जा रहे हैं।सूत्रों के अनुसार, शेफाली को बेहोशी की हालत में उनके पति और एक्टर पराग त्यागी, के साथ तीन अन्य लोग शुक्रवार रात मुंबई के अंधेरी स्थित बेलेव्यू अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के रिसेप्शन स्टाफ ने पुष्टि की है कि शेफाली जरीवाला को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए कूपर अस्पताल भेज दिया गया है।बता दें, शेफाली जरीवाला ने 2004 में मीत ब्रदर्स के संगीतकार हरमीत सिंह से शादी की थी। 2009 में दोनों का तलाक हो गया था। इसके बाद 2015 में एक्टर पराग त्यागी से शादी कर ली थी।टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में शेफाली ने बताया था कि उन्हें 15 साल की उम्र मिर्गी का दौरा पड़ा था। तनाव और चिंता की स्थिति में उन्हें दौरे आते थे। हालांकि, बाद में उन्होंने योग और रोजाना एक्सरसाइज करना शुरू किया, जिससे उनकी तबीयत बेहतर होने लगी और मिर्गी के दौरे आना बंद हो गए।शेफाली जरीवाला ने अपने करियर की शुरुआत 19 साल की उम्र में म्यूजिक वीडियो 'कांटा लगा' से की थी, जिसने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इस गाने में उनके बोल्ड अंदाज और डांसिंग स्टाइल ने लोगों का ध्यान खींचा था। इसके बाद उन्होंने कुछ और म्यूजिक एल्बम्स और फिल्मों में काम किया। साल 2004 में वे सलमान खान और अक्षय कुमार की फिल्म 'मुझसे शादी करोगी' में भी नजर आई थीं। इसके अलावा उन्हें कन्नड़ फिल्म हुड्डुगारू में भी देखा गया था। शेफाली ने कई डांस रियलिटी शोज में हिस्सा लिया। वहीं, नच बलिए में अपने पति पराग त्यागी के साथ नजर आई थीं।शेफाली जरीवाला ने 2019 में बिग बॉस 13 में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी, जहां उन्हें अपने एक्स-बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ शुक्ला के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते देखा गया था। बता दें, सिद्धार्थ शुक्ला का भी निधन 2021 में कार्डियक अरेस्ट के कारण हुआ था।

इलियाना डिक्रूज दूसरी बार बनीं मां:एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर दी बेटे के जन्म की जानकारी

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज ने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है। इलियाना ने इसकी जानकारी कुछ हफ्ते बाद सोशल मीडिया पर दी।इलियाना ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा - 'मिलिए कीआनू राफे डोलन से। जन्म 19 जून 2025। हमारे दिल भरे हुए हैं।'दूसरे बेटे के जन्म पर कई फिल्मी सितारे और फैंस ने इलियाना को बधाई दी। पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने लिखा -'बधाई हो, बहुत सुंदर।' फैंस ने भी कमेंट्स में प्यार और शुभकामनाएं भेजीं।बता दें कि पहली बार प्रेग्नेंसी के दौरान इलियाना ने बेबी बम्प की कई तस्वीरें शेयर की थीं। हालांकि, दूसरी बार उन्होंने इसे काफी प्राइवेट रखा। मई 2023 में इलियाना ने माइकल डोलन से शादी की और अगस्त 2023 में उनका पहला बेटा कोआ पैदा हुआ। बता दें कि इलियाना आखिरी बार फिल्म 'दो और दो प्यार' में नजर आई थीं। इलियाना ने 2006 में तेलुगु फिल्म 'देवदासु' से डेब्यू किया, जो हिट रही और इसके लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने 'पोकीरी', 'जलसा', 'किक', और 'जुलायी' जैसी हिट तेलुगु फिल्में कीं।2012 में इलियाना ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा। अनुराग बसु की बर्फी बड़ी हिट साबित हुई। इसमें उनकी एक्टिंग को सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ महिला डेब्यू अवॉर्ड मिला।

शेफाली जरीवाला के निधन से इंडस्ट्री सदमे में,मीका सिंह बोले, सबसे प्यारी दोस्त चली गई, हिमांशी खुराना ने 'बिग बॉस' को बताया शापित

नयी दिल्ली। बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शेफाली जरीवाला का 42 साल की उम्र में निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार शेफाली को 12 जून की देर रात दिल का दौरा पड़ा, जिससे उनकी अचानक मौत हो गई। इस खबर ने न सिर्फ उनके फैंस को, बल्कि पूरी इंडस्ट्री को गहरे सदमे में डाल दिया है। पंजाबी सिंगर मीका सिंह, हिमांशी खुराना और रश्मि देसाई सहित कई सेलेब्रिटीज ने उनकी मौत पर रिएक्ट किया है।करिश्मा तन्ना ने लिखा, ये खबर सुनने के बाद से ही मेरा दिल भारी हो रहा है। अब भी इस खबर पर यकीन नहीं है। शेफाली जरीवाला तुम बहुत जल्दी दुनिया छोड़कर चली गईं।राहुल वैद्य ने शेफाली के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने एक्ट्रेस की फोटो शेयर करते हुए लिखा, शेफाली आप बहुत जल्दी चली गईं।रश्मि देसाई ने शेफाली को श्रद्धांजलि देते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'मैं अभी भी इस खबर को समझने की कोशिश कर रही हूं। आप एक महान शख्सियत थीं और मैं अपनी भावनाएं शब्दों में बयां नहीं कर पा रही हूं। आप बहुत याद आएंगी, बहुत जल्दी चली गईं।सिंगर मीका सिंह ने कहा, 'मैं बहुत सदमे में हूं, बेहद दुखी हूं और मेरा दिल भारी है। हमारी प्यारी स्टार और मेरी सबसे प्यारी दोस्त शेफाली अब हमारे बीच नहीं रहीं। अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। आपको हमेशा आपकी शालीनता, मुस्कान और जिंदादिली के लिए याद किया जाएगा। ओम् शांति।'हिमांशी खुराना ने शेफाली के निधन पर दुख जताते हुए लिखा, 'बिग

बॉस- मुझे लगता है वह जगह शापित है।'शेफाली की तस्वीर शेयर करते हुए अली गोनी ने लिखा,'छ्र शेफाली, आपको बता दें आज अली गोनी अपनी गर्लफ्रेंड जैस्मिन भसीन का बर्थडे भी सेलिब्रेट कर रहे हैं। ऐसे में अली गोनी का ये कमेंट शेफाली जरीवाला के फैंस को इमोशनल कर गया है।पारस छाबड़ा ने शेफाली के साथ एक फोटो शेयर की। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, किसकी जिंदगी कहां तक लिखी गई है ये बात कोई नहीं जानता है। ओम शांति।सिद्धार्थ शुक्ला का 2021 में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उनकी पुण्यतिथि पर शेफाली जरीवाला ने एक्टर के साथ गले लगाते हुए एक पुरानी तस्वीर शेयर की थी। कैप्शन में उन्होंने लिखा था, आज तुम्हारे बारे में सोच रही हूं, मेरे दोस्त सिद्धार्थ शुक्ला। अब शेफाली के अचानक निधन के बाद उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।बता दें, जरीवाला ने बिग बॉस-13 में हिस्सा लिया था। शो के दौरान ही उन्होंने बताया था कि वो कई साल पहले सिद्धार्थ शुक्ला के साथ रिलेशन में रह चुकी हैं। दोनों का रिश्ता करीब डेढ़ साल तक चला था, हालांकि अनबन की वजह से दोनों अलग हो गए थे।

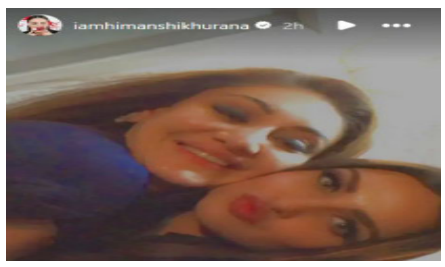

जावेद अख्तर बोले- पाकिस्तान में लोकतंत्र दिखावा, असली शासक सेना:अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रम्प भी यह बात जानते हैं, इसलिए सेना प्रमुख को मिलने बुलाया

नयी दिल्ली। मशहूर गीतकार और राइटर जावेद अख्तर ने कहा हैं जो सरकार पर हमला करते रहते हैं। लेकिन जब देश की बात आती बुलाया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि उनका लोकतंत्र एक दिखावा है

कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों में विपक्ष का शामिल होना सराहनीय कदम है, क्योंकि पहलगाम आतंकी हमला सरकार पर नहीं, बल्कि पूरे भारत पर किया गया था। अख्तर ने शुक्रवार को एनडीटीवी के शो में पाकिस्तान के असली सत्ता के केंद्र के बारे में भी बात की। जावेद ने भारत और पाकिस्तान के बिगड़ते संबंधों पर कहा कि ऐसा लगता है कि यह सबसे खराब दौर है, क्योंकि घाव अभी ताजे हैं, लेकिन इससे पहले भी ऐसे दौर आए हैं। पाकिस्तान में कई लोग भारत के साथ दोस्ती चाहते हैं, लेकिन वहां की सरकार और सेना इसका विरोध करती है।आतंकी हमला सरकार पर नहीं था, यह देश पर हमला था। इसलिए देश का हर व्यक्ति जाएगा। जो लोग प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे, उनमें से कुछ ऐसे भी हैं, तो हम सब एक हैं। बाकी मुद्दे आंतरिक हैं और हम उन पर आंतरिक रूप से बात करते रहेंगे।1965 का युद्ध और कारगिल युद्ध भी हो चुका है। हर बार पाकिस्तान सरकार पल्ला झाड़ लेती है और दावा करती है कि इसमें उसका कोई हाथ नहीं है। 1948 में उन्होंने कहा था कि कश्मीर में कबायलियों ने प्रवेश किया था; कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने कहा था कि उन्हें नहीं पता कि वहां कौन गया था। इसी तरह, पहलगाम में भी उन्होंने कहा था कि उन्हें हमले के बारे में कुछ नहीं पता। यह कोई नई बात नहीं है, वे ऐसा ही करते हैं। जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, पाकिस्तान से बात करना चाहते थे, तब भी वे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री से बात कर सकते थे, लेकिन उन्हें पता था कि असली ताकत कहां है, इसलिए उन्होंने उनके सेना प्रमुख असीम मुनीर को और सेना देश पर शासन करती है। तो, भारत के साथ अच्छे संबंध उनके लिए कैसे अनुकूल होंगे।दिलजीत दोसांझ की 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर की कास्टिंग कंट्रोवर्सी पर अख्तर ने कहा कि इस विवाद का कोई मतलब नहीं है। फिल्म पहले ही शूट हो चुकी थी। उन्हें कैसे पता था, पाकिस्तान को इससे नुकसान नहीं होगा। इससे हमारे देशवासियों को नुकसान होगा। कानून को पिछली तारीख से लागू नहीं किया जा सकता। सेंसर बोर्ड और सरकार को इस पर विचार करना चाहिए। वे कह सकते हैं कि ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। जब हालात इतने खराब नहीं थे, तो दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने का एक तरीका यह होता कि दोनों पक्षों के कलाकार सरकारों की भागीदारी के साथ फिल्में बनाते।

अमिताभ बच्चन को 'पापड़ वाला' समझ बैठीं डेनमार्क की इंफ्लुएंसर:बोलीं- ये बहुत अच्छा पापड़ बनाते हैं, मेरा पापड़ खत्म हो गया, मिल भी नहीं रहा

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें डेनमार्क की एक इंफ्लुएंसर ने अमिताभ बच्चन को पापड़ बेचने वाला समझ लिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह बिग बी को पापड़ वाला बताते हुए नजर आ रही हैं।दरअसल, प्रेडरिके नाम की एक महिला ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वह अमिताभ बच्चन की ओर इशारा करते हुए कह रही हैं, ये आदमी सबसे बढ़िया पापड़म बनाते हैं। क्या किसी को पता है कि इस ब्रांड को कहां से खरीदा जा सकता है? क्योंकि मेरे पास पापड़ अब खत्म होने वाले हैं। मैंने ये पापड़ नेपाल में खरीदे थे और कोपेनहेगन में अब तक कहीं नहीं मिले। अगर किसी को पता हो कि

यह पापड़ कहां मिल सकता है या ये महान पापड़ वाले शख्स कौन हैं, तो कृपया मदद कीजिए।अब इस वीडियो में लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा, ये नई दिल्ली के इंडिया गेट पर बासमती चावल भी उगाया करते थे। दूसरे ने लिखा, ये हमें ऑनलाइन घोटालों और धोखाधड़ी से भी बचाते हैं। तीसरे ने लिखा, वो मुझे पोलियो की दवा भी पिलाते थे और मैं आज उन्हीं की वजह से जिंदा हूं।हाल ही में अमिताभ बच्चन को इस कॉलर ट्यून की वजह से ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था। सोमवार देर रात (23 जून) अमिताभ बच्चन ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से लिखा, 'जी हां, हिजूर मैं भी प्रशंसक हूं।' कुछ देर बाद उन्होंने सुधार कर फिर लिखा, 'हुजूर, न कि हिजूर। लिखने की गलती, माफ करिए।' इस पर एक ट्रोलर ने बिग बी की साइबर क्राइम वाली कॉलर ट्यून पर कहा- 'तो कॉल पर बोलना बंद करो भाई।' इसके जवाब में बिग बी ने लिखा- 'सरकार को बोलो भाई, उन्होंने हमसे कहा सो किया।'

'पंचायत 4' के बनराकस ने शराब और चखने के साथ मनाया जीत का जश्न, भोजपुरी गाने पर दुर्गेश कुमार का ठुमका वायरल

नयी दिल्ली। प्राइम वीडियो की सीरीज 'पंचायत' का नया सीजन आ गया है। फुलेरा गांव को भूषण के रूप में नया प्रधान मिला है। एक्टर दुर्गेश कुमार ने करके दिखाया है कि वो जीत को कैसे एंजॉय कर रहे हैं। फोटो में टेबल पर शराब की बोतलें, सिगरेट, चखना और ग्लास रखा हुआ है। इसके कैप्शन में उन्होंने

जीत का जश्न मनाते हुए तस्वीर पोस्ट की, जो वायरल हो गई। दुर्गेश का भोजपुरी गाने पर डांस भी खूब देखा जा रहा है।'पंचायत' के नए सीजन ने एक नया मोड़ लिया है, जिसमें कहानी बदल गई है क्योंकि फुलेरा गांव को एक नया प्रधान मिल गया है। प्राइम वीडियो की पसंदीदा सीरीज ने एक नया मोड़ पेश किया है क्योंकि इस बार प्रधानी का चुनाव बनराकस यानी कि भूषण जीत गया है। इसी पर मजे लेते हुए एक्टर दुर्गेश कुमार ने एक फोटो पोस्ट की है जिसे लेकर बहस छिड़ गई है। दरअसल इस तस्वीर में उन्होंने दिखाया है कि शराब और बीयर की बोतलें लेकर वो जीत एंजॉय कर रहे हैं।'पंचायत सीजन 4' में दुर्गेश कुमार का कैरेक्टर भूषण, स्थानीय विधायक के सपोर्ट की बदौलत आखिरकार गांव का प्रधान बनने में सफल हो जाता है। उनकी राजनीतिक जीत के पल को सब नाच-गाकर एंजॉय कर रहे हैं जो ऑनलाइन तुरंत हिट हो गया। इंस्टाग्राम से लेकर ट्विटर तक, अंतिम एपिसोड में जश्न के सीन्स के क्लिप वायरल हो गए हैं।वहीं, दुर्गेश कुमार ने एक फोटो पोस्ट लिखा, 'जीत।' उनके फैंस को तो ये बात बहुत पसंद आई लेकिन कुछ लोगों ने सलाह दी कि ये सही नहीं है।वहीं, भूषण बने दुर्गेश कुमार का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर छा रहा है। यूजर ह्न्दु ॅग्ू प्ूा् के शेयर की गई रील में दुर्गेश को जश्न के मूड में फेमस भोजपुरी गाने 'हीरोइन ओ हीरोइन' पर थिरकते हुए दिखाया गया है। वीडियो एक्टर के फैंस को खूब पसंद आ रहा है, जिन्हें पहले से ही उनकी ऑन-स्क्रीन हरकतें पसंद थीं।इसी इंस्टाग्राम हैंडल ने 'पंचायत 4' की शूटिंग से कई बिहाइंड द सीन क्लिप भी अपलोड किए हैं, जिसमें डांस सीन भी शामिल है। फैंस को ये सब बहुत पसंद आ रहा है, जिससे ये वीडियो अपने आप में हिट हो रहे हैं।तीन सफल सीजन के बाद, 'पंचायत' सीजन 4 की स्ट्रीमिंग 24 जून को शुरू हुई। यह सीरीज ह्यूमर, ग्रामीण जीवन और इमोशनल टच के मिश्रण से दर्शकों का ध्यान खींच रही है। इस सीजन में एक बार फिर से जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता, चंदन रॉय, फैसल मलिक और विधायक के रूप में पंकज झा जैसे कलाकारों की टोली एक साथ आई है।

'ये तो तनु वेड्स मनु से भी शानदार है', आर माधवन और फातिमा सना शेख की 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर देख झूम उठे लोग

नयी दिल्ली। आर माधवन की 'तनु वेड्स मनु' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी फिल्मों को अगर आप आज भी दिल से लगाए हैं और ऐसी फिल्म का इंतजार है तो आपके लिए खुशखबरी है। माधवन की 'आप जैसा कोई' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिसे देखकर लोग फिल्म की तारीफें करते नहीं थक रहे।जिन लोगों को आर माधवन की 'तनु वेड्स मनु' और 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' जैसी और फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है, उनके लिए बड़ी खुशखबरी है। आर माधवन अपनी नई फिल्म 'आप जैसा कोई' लेकर आ रहे हैं जिसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। हालांकि, फर्क सिर्फ इतना है कि आपको इस फिल्म में माधवन के साथ इश्क लड़ाने वालीं कंगना रनौत

नहीं बल्कि फातिमा सना शेख नजर आएंगी। फिल्म का ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। आर माधवन और फातिमा सना शेख की फिल्म 'आप जैसा कोई' की कहानी एक अधेड़ उम्र के आदमी की प्रेम कहानी है। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री के साथ परिवार की कहानी को जिस खूबसूरती से बुना गया है उसकी सादगी हर किसी का दिल छू रही।फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि 42 साल के श्रीरेणु (आर माधवन) की अब तक शादी नहीं हुई है। श्री संस्कृत टीचर हैं और अचानक उनकी लाइफ में 32 साल की मधु (फातिमा सना शेख) की एंट्री होती है। दोनों की मुलाकात होती है और फिर इनके बीच प्यार भी होता है। कनेक्शन ऐसा होता है कि दोनों के उम्र की दूरियां दीवार नहीं बनती। श्रीरेणु के घरवाले जहां पुराने खयाल के हैं वहीं मधु काफी मॉर्डन लड़की है। इनकी शादी की तैयारी भी होती है लेकिनआखिर में दिखाया गया है कि श्री ये रिश्ता तोड़ लेते हैं।

कौन हूं मैं, क्या कर रहा हूं?... जब अमरीश पुरी की चली गई याददाश्त,मच गया था हड़कंप

नयी दिल्ली। अमरीश पुरी भारतीय सिनेमा के दमदार एक्टर्स में से एक रहे। न सिर्फ उनकी एक्टिंग बल्कि आवाज के भी करोड़ों मुरीद थे। पर एक बार उनकी याददाश्त चली गई थी और उनकी हालत देख सब लोग घबरा गए थे। यह एक फिल्म के शूट का वाकया है, जिसमें वह अजय देवगन के साथ काम कर रहे थे। काजोल ने हाल ही एक इंटरव्यू में यह वाकया बताया। खुद काजोल की भी 'कुछ कुछ होता है' के सेट पर याददाश्त चली गई थी।एक्ट्रेस काजोल ने अपना एक्सपीरयंस याद करते हुए अमरीश पुरी की शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस के बारे में बताया। उन्होंने 'मैशेबल इंडिया' से कहा, 'अमरीश जी की भी याददाश्त गई थी। वह अजय देवगन के साथ एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे।'काजोल ने आगे बताया, 'अमरीश जी (अमरीश पुरी) को एक झरने के नीचे शूट करना था।

'बिग बॉस' वाले पुनीत सुपरस्टार के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

नयी दिल्ली। पुनीत सुपरस्टार अपने 'अजीबोगरीब' वीडियोज की वजह से चर्चा में रहते हैं। कभी वो सड़क पर गंदे पानी में लोटते नजर आते हैं तो कभी किसी चीज को अपने ऊपर डालते हैं। वो 'बिग बॉस ओटीटी' में भी नजर आ चुके हैं, लेकिन पहले दिन ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। खैर। फिलहाल वो मुश्किल में फंस गए हैं। हिमाचल प्रदेश के मनाली में उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। पुनीत सुपरस्टार ने अपने वीडियो में हिमाचल प्रदेश के लोगों का मजाक बनाया, उनकी हंसी उड़ाई। पर ऐसा करना उन्हें महंगा पड़ गया और मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया। मंडी जिले में थाना सुंदरनगर से एक जीरो एफआईआर दर्ज हुई। वहां के एक शख्स ने ये एफआईआर दर्ज करवाई थी।बीते दिनों पुनीत सुपरस्टार ने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो पोस्ट किए थे। इनमें उन्होंने कहा कि वो हिमाचल के मनाली आए हुए हैं और उन्होंने देखा कि वहां पर बहुत गरीबी है। तो उन्होंने वहीं पर अपना काम शुरू कर लिया।

जरूरत की खबर- इयरबड्स से हुआ हियरिंग लॉस:कानों के लिए खतरनाक, फॉलो करें '60-60' रूल, जानें सेफ लिसनिंग गाइडलाइंस

नयी दिल्ली। हाल ही में मशहूर मेकअप आर्टिस्ट आरुषि ओसवाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने बताया कि इयरबड्स के लगातार 8 घंटे इस्तेमाल के बाद उनकी एक कान की सुनने की क्षमता 45फीसदी तक कम हो गई। उन्होंने एक यात्रा के दौरान पूरे दिन इयरबड्स कान में लगाए रखे थे। अगली सुबह उन्हें सुनने में परेशानी महसूस हुई। इसके बाद डॉक्टर से संपर्क किया। डॉक्टर ने बताया कि यह 'सडन सेंसोरीन्यूरल हियरिंग लॉस' का है। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें अचानक सुनने की क्षमता कम हो जाती है और इलाज में देर होने पर यह स्थायी भी हो सकती है। आरुषि ने अपनी पोस्ट के जरिए यह अपील की कि लोग ईयरबड्स या हेडफोन का जरूरत से ज्यादा और लगातार इस्तेमाल न करें क्योंकि सुनने की क्षमता एक बार चली जाए तो वापस आना मुश्किल है।इन-इयर डिवाइस आवाज को सीधे कान के अंदर भेजते हैं। अगर तेज आवाज में और लंबे समय तक इन्हें इस्तेमाल

किया जाए तो इससे सुनने की क्षमता टेम्परेरी या परमानेंट कम हो सकती है। दरअसल रोजाना 85 डेसीबल से ज्यादा तेज आवाज लंबे समय तक सुनने से कान के अंदर मौजूद नाजुक 'हेयर सेल्स' (बाल जैसी कोशिकाएं) खराब हो सकती हैं। यही सेल्स आवाज का दिमाग तक सिंग्नल पहुंचाने का काम करती हैं। एक बार ये खराब हो जाएं तो दोबारा नहीं बनती हैं। इस वजह से लगातार तेज आवाज में सुनने की आदत से स्थायी सुनने की हानि हो सकती है, जिसे मेडिकल भाषा में सेंसरिन्यूरल हियरिंग लॉस कहा जाता है। नोएडा के शारदा हॉस्पिटल के ईएनटी, हेड एंड नेक सर्जरी डिपार्टमेंट के हेड डॉ. रोहित सक्सेना बताते हैं कि इयरबड्स जैसी डिवाइस 100 डेसिबल तक की आवाज निकाल सकती हैं, जो मोटरसाइकिल या कार हॉर्न जितनी तेज होती है। जबकि सामान्य बातचीत सिर्फ 60 डेसिबल के करीब होती है।सिर्फ 50 मिनट तक 95 डेसिबल की आवाज (मोटरसाइकिल का शोर) भी सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है। 100 डेसिबल की आवाज (पास से गुजरती ट्रेन या कार हॉर्न) सिर्फ 15 मिनट में असर डाल सकती है। मायो क्लिनिक के अनुसार, 12 से 35 साल के करीब 24इ लोग बहुत तेज म्यूजिक सुनते हैं, जिससे हियरिंग लॉस का खतरा बढ़ जाता है।सडन संसरिन्यूरल हेयरिंग लॉस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें एक या दोनों कानों से अचानक सुनाई देना कम हो जाता है। यह सुनने की हानि आमतौर पर तीन दिन के अंदर होती है और ज्यादातर मामलों में एक ही कान प्रभावित होता है। इसमें कान के अंदर की सुनने वाली नस (ऑडिटरी नर्व) या कोक्लिया के नाजुक 'हेयर सेल्स' को नुकसान पहुंचता है। इसके लक्षण आमतौर पर ये होते हैं।हम रोजमर्रा की जिंदगी में कई तरह की आवाजों से घिरे रहते हैं। जैसे ट्रैफिक, म्यूजिक, मशीनों का शोर या इयरफोन की तेज ध्वनि। इन आवाजों की तीव्रता एक सीमा से ज्यादा हो जाए तो धीरे-धीरे हमारी सुनने की शक्ति पर असर डाल सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अलग-अलग डेसिबल लेवल की आवाजों के लिए सप्ताह में कितना समय सुरक्षित हैडॉ. रोहित सक्सेना बताते हैं कि आजकल लोग लंबे समय तक हेडफोन या इयरफोन का इस्तेमाल करते हैं। यात्रा, वर्कआउट या काम के दौरान यह बहुत आम है। अगर यह आदत सही तरीके से न अपनाई जाए तो धीरे-धीरे सुनने की क्षमता पर असर पड़ सकता है।डेसीबल यानी आवाज की तीव्रता मापने के लिए आप अपने स्मार्टफोन में 'साउंड मीटर' या जैसे एप डाउनलोड कर सकते हैं। ये आपके फोन के माइक से आवाज को मापते हैं और बता देते हैं कि कितनी तेज है।अगर आपके इयरबड्स की आवाज पास बैठे व्यक्ति को सुनाई दे रही है या म्यूजिक सुनते वक्त आपको बाहर की आवाजें नहीं आ रहीं हैं तो समझिए आवाज बहुत तेज है। अगर सुनने के बाद कान में घंटी जैसी आवाज सुनाई दे तो यह भी नुकसान की निशानी है।अगर आप तेज आवाज में काम करते हैं तो यह आपकी सुनने की क्षमता के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए अपने कानों की सुरक्षा के लिए ये टिप्स अपनाएं- हमेशा इयरप्लग्स या इयरमफ्स जैसे हियरिंग प्रोटेक्शन डिवाइस का इस्तेमाल करें। ये आपके कानों को तेज आवाज से बचाते हैं। अगर संभव हो तो अपनी वर्कस्टेशन को उस मशीन या क्षेत्र से दूर शिफ्ट करें, जहां सबसे ज्यादा शोर होता है। लंच, चाय या बाकी ब्रेक ऐसी जगह लें, जहां शोर कम हो ताकि कानों को थोड़ा आराम मिले। वर्क के बाद तेज म्यूजिक, फायरवर्क्स या लाउड पार्टी जैसी एक्टिविटीज से बचें, जो सुनने की क्षमता पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं।

'द फैमिली मेन सीजन 3 का पहला अनाउंसमेंट वीडियो जारी, मनोज बाजपेयी के साथ जयदीप अहलावत, निमरत कौर की भिड़ंत

नयी दिल्ली। स्पाई थ्रिलर सीरीज 'द फैमिली मैन' की सीजन 3 का पहला अनाउंसमेंट वीडियो जारी हो चुका है जिसमें मनोज बाजपेयी अपने खतरनाक मिशन पर हैं। इस बाक उनका सामना जयदीप अहलावत और निमरत कौर से होता है। इसी के साथ राज और डीके की इस सीरीज में मनोज बाजपेयी की आम फैमिली मैन वाली इमेज भी बड़ी खूबसूरती से दिखाई गई है।ओटीटी पर भारतीय दर्शकों के फेवरेट शोज़ में से एक 'द फैमिली मैन' अपने तीसरे सीजन के साथ एक बार फिर लौट रहा है। मनोज बाजपेयी अपने जाने-पहचाने श्रीकांत तिवारी वाले किरदार में फिर हमारे घरों में दस्तक देने जा रहे हैं और इस सीजन का पहला अनाउंसमेंट वीडियो जारी किया जा चुका है। हालांकि, इस वीडियो में सीजन के जल्द आने की बात जरूर है लेकिन रिलीज डेट को लेकर अनाउंसमेंट का अभी भी इंतजार है। 'द फैमिली मैन 3' के मेकर्स ने फैंस को शुक्रवार के दिन एक बड़ा सरप्राइज देते हुए इसकी एनाउंसमेंट वीडियो शेयर की है, जो प्राइम वीडियो के यूट्यूब चैनल पर है। राज और डीके के प्रोडक्शन हाउस 'डी2आर

फिल्म्स' के बैनर तले बनी ये सीरीज ओटीटी पर सबसे चर्चित और इंटरनैशनल लेवल पर पसंद किए जाने वाले ओरिजिनल शो में से एक बन गई है। इस जबरदस्त स्पाई थ्रिलर में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी की भूमिका निभाई है, जो एक खुफिया एजेंट हैं। हालांकि इसी के साथ देश की रक्षा करने वाले श्रीकांत एक बेहद मिडल क्लास फैमिली में एक अच्छे पिता और पति की अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हैं। हमेशा की तरह एक बार फिर श्रीकांत अपने खतरनाक मिशन पर है जहां जयदीप अहलावत और निमरत कौर से इस बार आमना-सामना है। इस अनाउंसमेंट वीडियो में मनोज बाजपेयी खुद को एक रिलेशनशिप काउंसलर बताते दिख रहे हैं।'द फैमिली मैन 3' में मनोज बाजपेयी, जयदीप और निमरत के अलावा प्रियामणि (सुचित्रा तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), अश्लेषा ठाकुर (धृति तिवारी) और वेदांत सिन्हा (अथर्व तिवारी) शामिल हैं।इस अनाउंसमेंट वीडियो की शुरुआत साल 2019 में सीरीज के पहले सीजन के साथ होती है और इसी के साथ इसमें दूसरे सीजन की झलक दिखाई दे रही है और फिर सीरीज के सीजन 3 का बवाल शुरू होता है। जयदीप भी दमदार किरदार में नजर आ रहे हैं। मनोज के साथ जयदीप अहलावत की टक्कर देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हैं। इस वीडियो पर लोग अभी से कहने लगे हैं- 'गजब, बवाल, बेमिसाल। एक और ने लिखा- जयदीप अहलावत 'पाताल लोक' से 'फैमिली मैन 3' में..' एक अन्य ने कहा,' ये तो हिट है बॉस'।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।